@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शुक्रवार, 28 मार्च 2025

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 136 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

चुनावी हार से निराश नहीं होना चाहिए: शरद पवार

तजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 27 मार्च। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के प्रमुख शरद पवार ने गुरुवार को कहा कि वह एक चुनावी हार से निराश नहीं होना चाहिए और उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से भविष्य के चुनावों के लिए कमर कसने का आग्रह किया। नई दिल्ली में एनसीपी-एसपी की विस्तारित कार्यसमिति की बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने संगठन को मजबूत करने और उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने पर जोर दिया, जहां बिहार और केरल जैसे चुनावी राज्यों में बदलाव लाया जा सकता है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अर्थव्यवस्था, खासकर कृषि क्षेत्र की स्थिति पर चिंता जताई। शरद पवार ने पार्टी नेताओं से लोगों के बीच नए जोश के साथ काम करने और संगठन को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने को कहा। बता दें कि, महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में एनसीपी-एसपी का अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन रहा, क्योंकि शिवसेना-यूबीटी और कांग्रेस के साथ महा विकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन के तहत उसने 86 सीटों पर चुनाव लड़ा था, जिसमें से उसे सिर्फ 10 सीटें ही मिल पाईं। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बाद एनसीपी-एसपी की यह पहली विस्तारित कार्यसमिति बैठक थी। इस बैठक में बोलने वाले कई नेताओं ने विधानमंडलों में विपक्ष की आवाज दबाने और महाराष्ट्र में नफरत फैलाने वाले भाषणों की बढ़ती घटनाओं का आरोप लगाया और संसदीय और विधानसभा क्षेत्रों के आसन्न परिसीमन से उत्पन्न चुनौतियों पर चिंता व्यक्त की। वहीं इस बैठक में वरिष्ठ एनसीपी-एसपी नेता जितेंद्र आव्हाड ने आरोप लगाया कि भाजपा महाराष्ट्र को सांप्रदायिक राजनीति की प्रयोगशाला में बदल रही है, जो उनके अनुसार बहुत चिंता का विषय है।

असम के डिब्रूगढ़ से हटाया गया अफस्पा

गुवाहाटी, 27 मार्च। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने गुरुवार को घोषणा की कि सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम (अफस्पा) को डिब्रूगढ़ जिले से हटा लिया गया है, और अब यह राज्य के केवल तीन जिलों में लागू है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए सीएम सरमा ने कहा कि अब यह कानून राज्य के केवल तीन जिलों में लागू है। यह कानून सुरक्षा बलों को बिना पूर्व वारंट के किसी को भी गिरफ्तार करने का अधिकार देता है। यह सुरक्षा बलों को कुछ स्तर की प्रतिरक्षा भी देता है यदि कोई ऑपरेशन गलत हो जाता है। सरमा ने कहा, हमने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से डिब्रूगढ़ से अशांत क्षेत्र का टैग हटाने का अनुरोध किया था क्योंकि हम इसे राज्य की दूसरी राजधानी के रूप में विकसित करने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने हमारी बात सुनी और केंद्र द्वारा इस संबंध में एक अधिसूचना जारी की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा, अब अफस्पा तिनसुकिया, शिवसागर और चराइदेव जिलों में लागू रहेगा। उन्होंने आगे कहा, राज्य के 32 जिलों से अफस्पा वापस ले लिया गया है और हमें उम्मीद है कि इसे जल्द ही बाकी तीन जिलों से भी वापस ले लिया जाएगा। उल्फा द्वारा हिंसा के मद्देनजर 1990 में राज्य को अफस्पा के तहत अशांत क्षेत्र घोषित किया गया था, और राज्य सरकार की सिफारिश पर इसे तब से हर छह महीने में बढ़ाया गया है।

देश धर्मशाला नहीं, आने वालों पर नजर रखेंगे: अमित शाह

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 27 मार्च। लोकसभा में इमिग्रेशन एंड फॉरेनर्स बिल 2025 पर चर्चा के बाद गृह मंत्री अमित शाह ने बिल के प्रावधानों पर विस्तार से जवाब दिया। उन्होंने कहा कि भारत में आने के लिए वैध पासपोर्ट, वैध वीजा अनिवार्य होगा। बिना कागजात के भारत में प्रवेश करने पर कानून सम्मत तरीके से सख्त कार्रवाई की जाएगी। गृह मंत्री ने सख्ती से कहा, जाली दस्तावेजों के लिए कड़ी सजा के प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि वीजा की अवधि खत्म होने पर भी देश में रहने वालों को ट्रैक किया जाएगा। शाह ने विपक्ष को आड़े हाथों लिया और कहा कि जिस तरह के सवाल पूछे गए हैं, उनसे काफी हैरानी होती है। उन्होंने कहा कि देश की जनता ने भाजपा को वोट दिया। हमने बहुमत की सरकार बनाई है। ऐसे में सरकार के पास विदेशी लोगों की घुसपैठ, भारत आने वाले लोगों के पास वैध कागजात हैं या नहीं, इसकी जांच करने का पूरा अधिकार है। इमिग्रेशन कोई आइसोलेटेड मुद्दा नहीं है. देश की सीमा में कौन आता है, कब आता है, कितनी अवधि तक आता है और किस उद्देश्य से आता है, यह जानने का अधिकार देश की सुरक्षा के लिए बहुत जरुरी है: गृह मंत्री अमित शाह के जवाब के बाद गुरुवार शाम करीब 6.20 बजे लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने विधेयक पारित होने का एलान किया। पहले स्पीकर बिरला ने विधेयक में प्रस्तावित संशोधनों पर मतदान की औरचारिकताएं पूरी कीं। विपक्षी सांसदों की तरफ से परेश अधिकांश संशोधन खारिज हो गए। विधेयक पारित होने से पहले लोकसभा में चर्चा का जवाब देते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, इमिग्रेशन कोई आइसोलेटेड मुद्दा नहीं है। देश की सीमा में कौन आता है, कब आता है, कितनी अवधि तक आता है और किस उद्देश्य से आता है, यह जानने का अधिकार देश की सरकार के पास है। ऐसा करना सुरक्षा के लिए बहुत जरूरी है। पश्चिम बंगाल में 2026 का विधानसभा चुनाव जीतने का दावा करते हुए गृह मंत्री शाह ने कहा कि 450 किलोमीटर की सीमा राज्य सरकार की कृपादृष्टि के कारण अभी तक असुरक्षित है, लेकिन ऐसा लंबे समय तक नहीं चलेगा। शाह ने कहा कि वे खुद 10 बार पत्र भेजकर राज्य सरकार से अपील कर चुके हैं, लेकिन सहयोग नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार घुसपैठ करने वाले रोहिंग्या और बांग्लादेशी लोगों के प्रति सहानुभूति रखती है, उन्हें आधार कार्ड दिए जाते हैं। इन कारणों से देश की सुरक्षा पर सवाल खड़े होते हैं। दूसरे देशों से आने वाले लोगों पर कानूनी कार्रवाई का जिक्र करते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, भारत का शरणार्थियों के प्रति एक समृद्ध और गौरवशाली इतिहास रहा है। पारसी समुदाय हमारे देश में शरण लेने आये और आज वे पूर्णतः सुरक्षित हैं। दुनिया की सबसे सूक्ष्म अल्पसंख्यक आबादी आज भारत में सुरक्षित और सम्मान से जीवन जी रही है। गृह मंत्री ने कहा, जो लोग व्यापार, शिक्षा और निवेश के लिए भारत आते हैं, उनका स्वागत है, लेकिन जो हमारी सुरक्षा के लिए खतरा बनेंगे, उन पर कड़ी नजर और सख्त निगरानी होगी। यह विधेयक दोनों उद्देश्यों की पूर्ति करेगा। उन्होंने कहा, देश की सुरक्षा व अर्थव्यवस्था को मजबूत करने, मैन्युफैक्चरिंग व व्यापार को बढ़ावा देने, शिक्षा प्रणाली को वैश्विक स्तर पर मान्यता दिलाने व हमारे विश्वविद्यालयों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित बनाने के लिए भी आप्रवास और विदेशियों विषयक विधेयकबेहद जरूरी है। इस विधेयक के कानून बनने के बाद भारत में आने वाले लोगों का संपूर्ण, व्यवस्थित, एकीकृत और अप-टू-डेट लेखा-जोखा होगा। इस विधेयक की धारा 3 में प्रवेश निषेध का प्रावधान है।

सड़क पर नमाज पढ़ने के फैसले से भड़के जयंत चौधरी

मेरठ, 27 मार्च। मेरठ में पुलिस प्रशासन ने ईद की नमाज को लेकर सख्त आदेश जारी करते हुए सड़कों पर नमाज पढ़ने पर रोक लगा दी है। इस आदेश पर अब प्रदेश में सियासत हो रही है। एनडीए की सहयोगी और केंद्र सरकार में मंत्री जयंत चौधरी ने मेरठ पुलिस के इस फैसले का विरोध किया है और उसकी तुलना ऑरवेलियन 1984 की पुलिसिंग से की है। उन्होंने अपने ट्विटर हैंडल पर ये पोस्ट किया है। मेरठ एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह ने कहा है कि सड़क पर नमाज अदा करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। सड़क पर नमाज अदा करने पर पुलिस प्रशासन का रवैया सख्त रहेगा। एसपी ने कहा कि ऐसा करने वालों पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा। मुकदमा दर्ज होने के बाद पासपोर्ट और लाइसेंस भी रद्द किया जा सकता है। एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह ने बताया कि सड़क पर नमाज अदा करने पर पिछली बार भी 200 लोगों पर मुकदमा दर्ज किया गया था। इस बार भी अगर कोई सड़क पर नमाज पढ़ेगा तो मुकदमा दर्ज होगा। वहीं मुस्लिम समुदाय के लोगों का कहना है कि रोक लगे तो सभी पर लगाई जानी चाहिए, सिर्फ मुसलमान को टारगेट किया जा रहा है। संभल में ईद और अन्य धार्मिक आयोजनों को लेकर पुलिस प्रशासन सतर्क हो गया है। एएसपी श्रीश्चंद ने स्पष्ट किया कि कोतवाली संभल क्षेत्र में मस्जिद और ईदगाह के अंदर ही नमाज अदा की जाएगी। सड़कों पर किसी भी हालत में इसकी अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि परंपरागत रूप से नमाज मस्जिद या ईदगाह के अंदर ही अदा की जाती रही है और नियमों का पालन करना अनिवार्य होगा।

पप्पू यादव ने मंत्री के कंधे पर रखा हाथ तो ओम बिरला ने लगाई क्लास

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 27 मार्च। विपक्ष के नेता राहुल गांधी को सदन की मर्यादा की याद दिलाने के एक दिन बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गुरुवार को निर्दलीय सांसद पप्पू यादव की क्लास लगाई। उन्होंने कार्यवाही के दौरान केंद्रीय मंत्री के कंधे पर हाथ रखने को लेकर पप्पू यादव को चेतावनी दी। दरअसल, पप्पू यादव सदन में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू के बगल में बैठे थे। उन्हें मंत्री के साथ हंसी मजाक के साथ बातचीत करते हुए देखा गया और इस दौरान उन्होंने नायडू के कंधों पर हाथ रखा। बिरला ने बिहार के पूर्णिया से निर्दलीय सांसद को मंत्री के कंधे पर हाथ न रखने को कहा। सूत्रों के मुताबिक, पप्पू यादव अपने संसदीय क्षेत्र में हवाई अड्डे के बारे में चर्चा कर रहे थे। इससे पहले बुधवार को बिरला ने राहुल से कहा था कि वे सदन की गरिमा बनाए रखने के लिए सदस्यों से अपेक्षित प्रक्रिया के नियमों के अनुरूप आचरण करें। इसके बाद विपक्ष के नेता ने दावा किया कि उनके खिलाफ की गई टिप्पणी निराधार है। इससे पहले बीते दिन लोकसभा की कार्यवाही के दौरान उस वक्त सभी चौंक गए थे, जब ओम बिरला ने राहुल गांधी को सख्त लहजे में हिदायत दे दी थी। उन्होंने राहुल से सदन के नियमों का पालन करने को कहा। हालांकि, राहुल ने कहा था कि उन्होंने कुछ भी नहीं किया है और उन्हें तो बोलने का मौका ही नहीं दिया जाता। इससे पहले सदन में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने राहुल से कहा था, आपसे सदन की मर्यादा और शालीनता के उच्च मानदंडों को बनाए रखने की अपेक्षा की जाती है। मेरी जानकारी में ऐसे कई मामले हैं, जब सांसदों का आचरण सदन की मर्यादा और परंपराओं के उच्च मानदंडों को बनाए रखने के अनुरूप नहीं था। पिता, पुत्री, माता, पत्नी और पति इस सदन के सदस्य रहे हैं। इसलिए इस संदर्भ में मैं विपक्ष के नेता से नियमों के अनुसार आचरण करने की अपेक्षा करता हूं। विपक्ष के नेता से विशेष रूप से यह अपेक्षा की जाती है कि वे अपना आचरण बनाए रखें। इससे पहले बुधवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि उन्हें सदन में बोलने नहीं दिया गया। राहुल गांधी ने संवाददाताओं से कहा था, मुझे नहीं पता कि क्या हो रहा है। मैंने उनसे कहा कि मुझे बोलने दिया जाए। सदन चलाने का यह कोई तरीका नहीं है। स्पीकर अभी चले गए और उन्होंने मुझे बोलने नहीं दिया। उन्होंने मेरे बारे में कुछ निराधार बातें कहीं। उन्होंने सदन को स्थगित कर दिया, इसकी कोई जरूरत नहीं थी। यह एक परंपरा है, विपक्ष के नेता को बोलने का समय दिया जाता है।

मुझे संसद में कभी बोलने नहीं दिया जाता राहुल ने दोहराया आरोप

नई दिल्ली, 27 मार्च। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को दावा किया कि उन्हें संसद में बोलने की कभी अनुमति नहीं दी जाती है। इसी बीच इंडिया ब्लॉक के कई नेताओं ने अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात कर कांग्रेस नेता को पिछले दिन सदन में बोलने का अवसर नहीं दिए जाने का मुद्दा उठाया। संसद भवन परिसर में सदन को गैर-लोकतांत्रिक तरीके से चलाए जाने के अपने आरोपों के बारे में पत्रकारों के सवाल पर राहुल गांधी ने कहा, भाई मुझे कभी बोलने की अनुमति नहीं दी जाती...मुझे नहीं पता कि वे किस बात से डरे हुए हैं। कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने बताया कि कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, डीएमके, केरल कांग्रेस, आरजेडी, आईयूएमएल, आरएलपी और एमडीएमके समेत कई दलों के नेताओं ने स्पीकर से मुलाकात की और इस मुद्दे पर अपनी सामूहिक चिंता और निराशा जाहिर की।

केरल सरकार पीड़ित परिवारों के लिए नए घर बनवाएगी: सीएम विजयन

नरेश मल्होत्रा

वायनाड (केरल), 27 मार्च। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने भूस्खलन के कारण अपना घर गंवाने वाले लोगों की मदद के लिए हाथ बढ़ाए हैं। सीएम विजयन ने केरल सरकार की तरफ से बनावाए जा रहे घरों की नींव रखी। पिछले साल पहाड़ी जिले वायनाड के चूरलमाला-मुंडक्कई इलाकों में भूस्खलन के कारण लोग बड़ी संख्या में प्रभावित हुए थे। अब राज्य सरकार पीड़ितों के पुनर्वास के लिए मॉडल टाउनशिप बनवा रही है। मॉडल टाउनशिप बनवाने के लिए राज्य सरकार ने कलपेट्टा के एल्स्टन एस्टेट में जमीन अधिग्रहण किया है। कलपेट्टा बाईपास के किनारे बन रही इस टाउनशिप के लिए 64 हेक्टेयर जमीन चिह्नित की गई है। इस पर एक प्लॉट सात सेंट का होगा। एक हजार स्क्वायरफीट के एक मंजिला मकान बनवाए जाएंगे। आधारशिला रखे जाने के कार्यक्रम में वायनाड से निर्वाचित कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी भी मौजूद रहीं। वायनाड भूस्खलन के पीड़ितों का पुनर्वास करा रही केरल सरकार ने कहा है कि केंद्र सरकार से अब तक कोई मदद नहीं मिली है। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने गुरुवार को टाउनशिप की आधारशिला रखने के बाद दावा किया कि पुनर्वास कार्य के लिए केंद्र ने केवल ऋण दिया है, वह राशि भी पर्याप्त नहीं है। केंद्र के साथ जैसे पिछले अनुभव रहे हैं, ऐसे में हम इससे अधिक की उम्मीद भी नहीं कर सकते। खबरों के मुताबिक भूस्खलन पीड़ितों के पुनर्वास के लिए केंद्र सरकार ने अपनी पूंजी निवेश योजना के तहत लगभग 529.50 करोड़ रुपये का ऋण स्वीकृत किया है। गौरतलब है कि बीते साल 30 जुलाई को मुंदक्कई और चूरलमाला क्षेत्रों में हुए भूस्खलन के कारण दोनों इलाके पूरी तरह तबाह हो गए थे। इस तबाही में 200 से अधिक लोगों की मौत हुई थी, जबकि दर्जनों लोगों के घायल होने की खबरें भी सुर्खियों में रही थीं। हालात थोड़े बेहतर होने के बाद पीएम मोदी भी इलाके का जायजा लेने पहुंचे थे। दरअसल, वायनाड में भूस्खलन की घटना कोई नई नहीं है। हां, इस बार घटना का असर व्यापक हुआ है। 8 अगस्त, 2019 को वायनाड के ही पुथुमाला इलाके में त्रासदी हुई थी। उस भूस्खलन की घटना में 17 लोगों की जान चली गई थी। करीब पांच साल बाद इसी तरह की एक घटना पास के मेप्पाडी में हुई है। भारी बारिश के दौरान वायनाड में कई जगहों पर भूस्खलन सक्रिय है, लेकिन ऐसी आपदा किसी ने नहीं सोची थी। भूस्खलन की दूसरी वजह भारी वर्षा और इलाके की प्रकृति को माना जा रहा है। अंग्रेजों के समय से ही इस क्षेत्र को निर्जन और भूस्खलन और भू-धंसाव की आशंका वाला माना जाता रहा है। पुराने समय में यहां कोई नहीं रहता था।

बजट 2025-26 में की गई सभी घोषणाएं 2,05,017 करोड़ रुपये की प्रस्तावित धनराशि से होंगी क्रियान्वित: मुख्यमंत्री

संजय अरोड़ा

चडीगढ़, 27 मार्च। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा बजट 2025-26 में की गई सभी घोषणाओं को 2,05,017 करोड़ रुपये की प्रस्तावित धनराशि से धरातल पर क्रियान्वयित किया जायेगा। मुख्यमंत्री आज विधानसभा में बजट अभिभाषण पर विपक्ष द्वारा उठाये गए मामलों पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे थे। श्री नायब सिंह सैनी ने विपक्ष के सदस्यों द्वारा कुछ विभागों का बजट कम करने बारे व्यक्त की गई चिंता पर सदन को अवगत कराया कि वित्त वर्ष 2014-15 में स्वास्थ्य क्षेत्र का बजट 2368 करोड़ रुपये था, जो कुल बजट का 3.82 प्रतिशत था। वित्त वर्ष 2025-26 मे स्वास्थ्य क्षेत्र का बजट बढ़कर 10540 करोड़ रुपये किया गया है जो कुल बजट का 5.14 प्रतिशत है। इसी प्रकार, वित्त वर्ष 2014-15 में कृषि एवं संबंधित क्षेत्र का बजट 2058 करोड़ रुपये था जो कुल बजट का 3.32 प्रतिशत था। वित्त वर्ष 2025-26 में कृषि एवं संबंधित क्षेत्र का बजट बढ़कर 8315 करोड़ रुपये किया गया है जो कुल बजट का 4.05 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2014-15 में ग्रामीण विकास एवं पंचायत विभाग का बजट 1831 करोड़ रुपये था जो कुल बजट का 2.95 प्रतिशत था। वित्त वर्ष 2025-26 में यह बजट बढ़कर 7314 करोड़ रुपये हो गया है जो कुल बजट का 3.56 प्रतिशत है। इसी प्रकार वित्त वर्ष 2014-15 में समाज कल्याण विभाग का बजट 3149 करोड़ रुपये था जो कुल बजट का 5.09 प्रतिशत था। वित्त वर्ष 2025-26 में यह बजट बढ़कर 16651 करोड़ रुपये हो गया है, जो कुल बजट का 8.12 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2014-15 में उद्योग एवं वाणिज्य क्षेत्र में कुल 129 करोड़ रुपये खर्च हुए जबकि वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़कर 1848.13 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। जोकि वित्त वर्ष 2014-15 से लगभग 14 गुणा अधिक है। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2014-15 में खेलकूद एवं युवा कल्याण क्षेत्र में कुल 155 करोड़ रुपये खर्च हुए थे जबकि वित्त वर्ष 2025-26 में खेल विभाग के बजट में 590 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। जोकि वित्त वर्ष 2014-15 से लगभग 4 गुणा अधिक है। उन्होंने कहा कि वर्तमान प्रदेश सरकार हर परिवार को छत मुहैया करवाने के लिए वचनबद्ध है और इसके लिए इस वर्ष के बजट अनुमान में हाऊसिंग फॉर ऑल विभाग के लिए 2444.27 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है जोकि वित्त वर्ष 2024-25 के संशोधित अनुमान 605.30 करोड़ रुपये का 4 गुणा है।

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी चंडीगढ़ में विधानसभा बजट सत्र के दौरान सदन को सम्बोधित करते हुए। (27.03.2025)

ੴ
ਸਤਿਗੁਰ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ॥
ਗੁਰਮੁਖਿ ਜਨਮੁ ਸਵਾਰਿ ਦਰਗਹ ਚਲਿਆ।
ਸੋਚੀ ਦਰਗਹ ਜਾਇ ਸਚਾ ਪਿੜ ਮਲਿਆ।

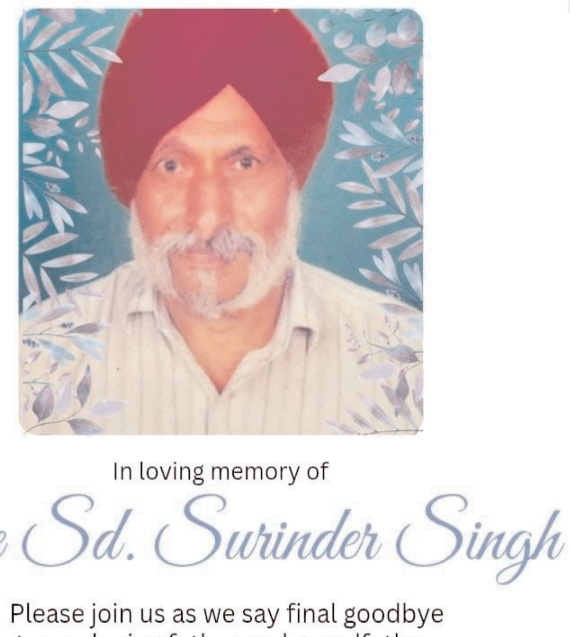

In loving memory of
Late Sd. Surinder Singh
Please join us as we say final goodbye
to our loving father and grandfather
MARCH 29, 2025 || SATURDAY
11AM
AKHAND PATH SAMAPATI
AT E- 306, TAGORE GARDEN
12-1 PM
Antim Ardaas Bhog
At Gurudwara Singh Sabha
E block, Tagore Garden
RSVP. 9654507931 9999099889

लुकाशेंको ने सातवीं बार ली राष्ट्रपति पद की शपथ, विरोधियों से कहा- तुम्हारा कोई भविष्य नहीं

मींस्क। बेलारूस के सत्तावादी राष्ट्रपति अलेक्जेंर लुकाशेंको ने सातवीं बार राष्ट्रपति पद की शपथ ली। राजधानी मिंस्क के इंडिपेंडेंस पैलेस में आयोजित समारोह में हजारों समर्थकों की मौजूदगी में उन्होंने अपने विरोधियों को कड़ा संदेश देते हुए कहा, तुम्हारा कोई भविष्य नहीं है। 70 वर्षीय लुकाशेंको, जिन्हें पश्चिमी देश अक्सर यूरोप का आखिरी तानाशाह कहते हैं, ने अपने भाषण में दावा किया कि बेलारूस में उन देशों से अधिक लोकतंत्र है, जो खुद को लोकतंत्र का आदर्श मानते हैं। उन्होंने अपने शासन को जनता के हितों का रक्षक बताते हुए पश्चिमी देशों और विपक्षी नेताओं पर कटाक्ष किया। हाल ही में हुए चुनाव में लुकाशेंको को 87 प्रतिशत वोटों से विजयी घोषित किया गया, लेकिन विपक्ष ने इसे चुनावी धोखाधड़ी करार दिया। सरकार की कड़ी पकड़ के कारण वास्तविक विपक्षी उम्मीदवार मैदान में नहीं थे, और जो नामांकन में शामिल थे, उन्होंने लुकाशेंको की खुलकर प्रशंसा की। 2020 में विवादित चुनाव के बाद बेलारूस में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए थे, जिन्हें सरकार ने कठोर दमन के जरिए कुचल दिया। हजारों लोगों को गिरफ्तार किया गया, कई विपक्षी नेता निर्वासित हो गए, और मीडिया व सामाजिक संगठनों पर प्रतिबंध लगा दिया गया।

अमेरिकी सेना ने यमन के सादा प्रांत पर हवाई हमले किये

सना। अमेरिकी सेना ने मंगलवार रात यमन के उत्तरी सादा प्रांत पर दो हवाई हमले किये। हूती संचालित अल-मसीरा टीवी ने यह जानकारी दी। रिपोर्ट में कहा गया है कि हमलों का लक्ष्य सादा के मध्य में सहर जिला था, लेकिन कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी गई। हताहतों की तत्काल कोई रिपोर्ट नहीं है। अमेरिकी सेना ने कोई टिप्पणी नहीं की है। सादा ईरान-संबद्ध हूती आंदोलन का मुख्य गढ़ है, जिसने 2014 के अंत में गृहयुद्ध शुरू होने के बाद से राजधानी सना सहित उत्तरी यमन को नियंत्रित किया है। हवाई हमले यमन में हूती-नियंत्रित क्षेत्रों के खिलाफ चल रहे अमेरिकी अभियान का हिस्सा हैं, जिसे मार्च के मध्य में शुरू किया गया था। हूतियों ने गाजा में फिलिस्तीनियों के साथ एकजुटता में इजरायली स्थलों और जहाजों को निशाना बनाना जारी रखने और अमेरिकी आक्रमण के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करने की कसम खाई है।

उत्तरी जाम्बिया में नाव पलटने से 13 लोगों की मौत

लुसाका। जाम्बिया के उत्तरी प्रांत लुआपुला में एक नाव पलटने से 13 लोगों की मौत हो गई और छह अन्य बच गए। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी। जिले के आयुक्त गॉडफ्रे चिलाम्बवे ने 'टाइम्स ऑफ जाम्बिया' को यह कहते हुए उद्धत किया कि दुर्घटना सोमवार सुबह कावाम्बवा जिले में लुएना नदी में तेज बहाव के कारण हुई। उस समय पीड़ित (सभी चीनी कंपनी के कर्मचारी) काम पर जा रहे थे। उनके अनुसार प्रारंभिक रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि नाव को चलाने के लिए इस्तेमाल की गई छड़ी टूट गई, जिससे पीड़ितों को अपने हाथों का उपयोग करना पड़ा, लेकिन नाव तेज बहाव के कारण पलट गई। उन्होंने कहा कि अब तक केवल नौ शव बरामद किए गए हैं, उन्होंने कहा कि शेष शवों को निकालने में मदद के लिए गोताखोरों को घटनास्थल पर भेजा गया है।

कोकाकोला ने अमेरिका के दो प्रांतों से 10 हजार से अधिक कैन वापस मंगाए

वाशिंगटन। कोका-कोला ने संयुक्त राज्य अमेरिका के दो प्रांतों इलिनोइस और विस्कॉन्सिन से अपने 10,000 से अधिक कैन को बाजार से वापस ले लिया है। इलिनोइस मिसिसिपी नदी और विस्कॉन्सिन ग्रेट लेक्स के किनारे स्थित है। कोकाकोला निर्माता कंपनी रेयेस कोकाकोला बॉटलिंग ने इनमें प्लास्टिक संदूषण की आशंका की वजह से इन्हें बाजार से वापस लेने का फैसला किया। एबीसी न्यूज चैनल की इस आशय की खबर में यह जानकारी दी गई। यूएसए फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन की रिपोर्ट के अनुसार, 24 मार्च को यूएस खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने आधिकारिक तौर पर कहा कि इन कैन के उपयोग से स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ सकता था।

अमेरिका ने फिलीपींस में तैनात की नई मिसाइल प्रणाली, चीन की धड़कनें बढ़ीं

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका ने अपनी नई मिसाइल प्रणाली (टाइफॉन मिसाइल सिस्टम) को उत्तरी फिलीपींस के लूजोन द्वीप के एक बेस पर स्थानांतरित किया है। अमेरिका के इस कदम ने चीन की धड़कनें बढ़ा दी है। द वाल स्ट्रीट जनरल अखबार के अनुसार, यह मिसाइल प्रणाली 1,200 मील की दूरी तक मिसाइलों को दाग सकती है। शीतयुद्ध के बाद यह पहली बार है कि अमेरिकी सेना ने अपनी सीमाओं के बाहर इतनी लंबी दूरी के साथ एक भूमि-आधारित प्रक्षेपण प्रणाली की तैनात की है। इसके लिए चीन के प्रमुख सैन्य और वाणिज्यिक केंद्रों को निशाना बनाना बहुत आसान है। इसे एशिया में अमेरिकी सहयोगियों के खिलाफ चीनी आक्रामकता रोकने के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का पहला कदम माना जा रहा है।टाइफॉन मिसाइल सिस्टम को अमेरिकी सेना ने विकसित किया है। यह सिस्टम एसएम-6 और टॉमहॉक मिसाइलों को लॉन्च करने में सक्षम है। इसे मुख्य रूप से सतह से सतह पर मार करने के लिए डिजाइन किया गया है।

70 वर्षीय अमेरिकी नागरिक का अपहरण कर 30 लाख यूरो की फिरौती मांगने वाली महिला गिरफ्तार

एजेंसी

काठमांडू। मुक्तिनाथ मंदिर में दर्शन करने के लिए पोखरा पहुंचे एक अमेरिकन नागरिक का अपहरण कर 30 लाख यूरो फिरौती मांगने के आरोप में एक महिला को गिरफ्तार किया गया है। नेपाल पुलिस की केन्द्रीय अनुसंधान विभाग (सीआईबी) ने मकवानपुर जिले से एक महिला को अपहरण और फिरौती मांगने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पोखरा पुलिस के प्रवक्ता अविनाश दीप ने बताया कि मंगलवार की शाम को पोखरा के एक होटल से 70 वर्षीय अमेरिकी बुजुर्ग नागरिक का अपहरण कर मकवानपुर में छिपा कर रखा गया था। इस मामले में पुलिस ने 37 वर्षीय महिला सरिता लामा को गिरफ्तार किया है। अपहृत अमेरिकी नागरिकों के घर वालों से 30 लाख यूरो फिरौती मांगने के बाद यह मामला सामने आया है। अपहृत

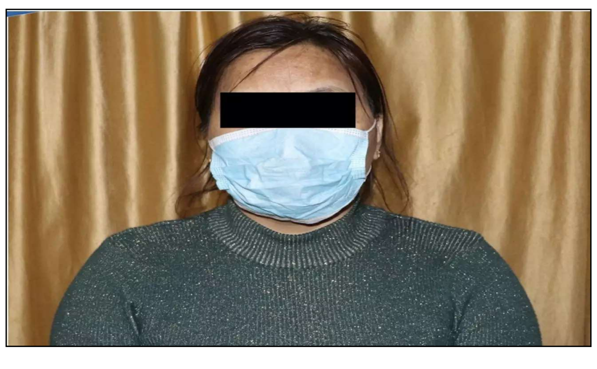

व्यक्ति के परिवार वालों ने काठमांडू स्थित अमेरिकी दूतावास में जानकारी देने के बाद पुलिस को इस अपहरण के बारे में पता चला और उसके बाद सर्च ऑपरेशन चला कर अपहृत नागरिक को सकुशल रिहा करवाया गया। पोखरा पुलिस के प्रवक्ता अविनाश दीप ने बताया कि सीआईबी की पोखरा टीम ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर इस महिला के बारे में पता लगाया। अमेरिकी नागरिक को अपहरण कर मकवानपुर जिले के दुर्गम गांव में रखा गया था। फोन रिकॉर्ड और लोकेशन के आधार पर अपहरणकारी महिला को गिरफ्तार करने में पुलिस सफल रही।

गिरफ्तारी के बाद महिला ने पूछताछ में बताया कि उस अमेरिकी नागरिक को मुक्तिनाथ जाने के लिए एक टूर गाइड की आवश्यकता थी और वह उसके पास टूर गाइड के रूप में पहुंची। लेकिन उस अमेरिकी नागरिक को मुक्तिनाथ मंदिर में दर्शन कराने ले जाने के बजाय उसे नशे की दवा खिला कर मकवानपुर के दुर्गम इलाके में ले जाकर बंधक बना कर रखी हुई थी। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि आखिर इस मामले में गिरफ्तार महिला के अलावा और कौन कौन साथ में है।

इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू का हमास को कड़ा संदेश, बंधकों की रिहाई न होने पर बढ़ाएंगे दबाव

एजेंसी

यरुशलम। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने चेतावनी दी है कि अगर हमास गाजा में बंधक बनाए गए लोगों को रिहा नहीं करता है, तो इजराइल उस पर दबाव बढ़ाने के लिए और कड़े कदम उठाएगा। संसद (नेसेट) को संबोधित करते हुए नेतन्याहू ने कहा, जितना अधिक हमास बंधकों को रिहा करने से इनकार करेगा, उतना ही अधिक हम उस पर दबाव बढ़ाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि इजराइल इसके लिए क्षेत्रीय कब्जे समेत अन्य रणनीतिक उपाय करेगा, हालांकि उन्होंने इन कदमों का पूरा विवरण नहीं दिया नेतन्याहू की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब गाजा में संघर्ष जारी है और युद्धविराम की संभावनाओं पर बातचीत चल रही है। इजराइल का दावा है कि हमास के पास अब भी कई बंधक हैं, जिन्हें पिछले साल अक्टूबर में हुए हमले के बाद पकड़ लिया गया था। इजराइल ने पहले भी हमास पर दबाव बनाने के लिए गाजा में सैन्य अभियान तेज किए हैं और हाल ही में कई इलाकों में हमास के ठिकानों पर हमले किए हैं। वहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई देशों ने दोनों पक्षों से संघर्ष विराम और बातचीत के जरिए समाधान निकालने की अपील की है। इस बीच, गाजा में स्थिति लगातार गंभीर बनी हुई है, जहां नागरिकों को मानवीय संकट का सामना करना पड़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र और कई अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने इस संघर्ष के कारण बढ़ती मानवीय समस्याओं पर चिंता जताई है और जल्द से जल्द समाधान निकालने की अपील की है।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में बस और घर पर हमला, 13 लोगों की मौत

एजेंसी

इस्लामाबाद। बलूच लिबरेशन आर्मी (बलूचिस्तान मुक्ति सेना) के लड़ाकों ने पाकिस्तान की संघीय सरकार की नींद उड़ा दी है। लड़ाके मुल्क के बलूचिस्तान में सरकार से सीधा मोर्चा ले रहे हैं। आज बलूचिस्तान देश का सबसे अशांत प्रांत है। बिगड़ती कानून-व्यवस्था की स्थिति के बीच प्रांत में बस यात्रियों और एक घर को निशाना बनाकर किए गए दो अलग-अलग हमलों में 13 और लोग मारे गए। पाकिस्तान के अखबार द न्यूज इंटरनेशनल की खबर के अनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी यूसुफ बंगहर ने बताया है कि ग्वादर में हमलावरों ने छह बस यात्रियों की गोली मारकर हत्या कर दी। सोहबतपुर में एक घर में हमला कर परिवार के सात सदस्यों की जान ले ली गई। सोहबतपुर हमले पर जिवानी थाने के एसएचओ खालिद दश्ती ने कहा कि सभी शव पासनी अस्पताल पहुंचा दिए गए हैं। मृतकों में महिला और तीन बच्चे भी हैं। काफिले पर हुए विस्फोट में फ्रंटियर कोर (एफसी) के तीन सैनिकों सहित कम से कम पांच लोग मारे जा

चुके हैं। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने ग्वादर हमले की निंदा की है। उल्लेखनीय है कि पिछले सप्ताह कलात और नोशकी जिलों में कम से कम आठ लोगों (चार मजदूरों और चार पुलिसकर्मियों) की हत्या कर दी गई थी। हाल ही में नुश्की-दलबंदिन राजमार्ग पर अर्धसैनिक बलों के चुके हैं। इससे पहले बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी के लड़ाके रेलवे ट्रैक को उड़ाकर जाफर एक्सप्रेस के यात्रियों को बंधक बना चुके हैं। संघीय सरकार का दावा है कि सुरक्षा बलों ने जटिल अभियान के बाद 33 लड़ाकों को मार गिराया और बंधक यात्रियों को बचाया।

आईपीएल खेलों में नेपाल से 200 करोड़ की सट्टेबाजी का खुलासा, 11 भारतीय गिरफ्तार

एजेंसी

काठमांडू। भारत में जारी आईपीएल खेलों में ऑनलाइन सट्टेबाजी कराने के आरोप में पुलिस ने 11 भारतीय नागरिक को काठमांडू से गिरफ्तार किया है। जांच में अब तक यहां से 200 करोड़ रुपये की ऑनलाइन सट्टेबाजी का खुलासा हुआ है। केंद्रीय अनुसंधान ब्यूरो (सीआईबी) के प्रवक्ता एसपी सुधीर राज शाही ने मीडियाकर्मियों को बताया कि बुधवार देर रात को आईपीएल खेलों की लाइव सट्टेबाजी की सूचना मिली थी।

इसके आधार पर देर रात को काठमांडू के बूढ़ानीलकंठ इलाके में एक किराए के मकान में छापा मार कर 11 भारतीयों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार हुए सभी भारतीय राजस्थान के रहने वाले हैं और उनकी उम्र 19 से 28 साल के बीच की है। गिरफ्तार होने वालों में सन्नी मीणा (24), मोहित वर्मा (25), पीयूष भारद्वाज (26), हरकेश दादिया (25), निशांत भारद्वाज (22), आकाश वर्मा (23), अंकित कुमार सैनी (19), संजू

शुक्ला (23), राम सिंह जाट (28), लोकेश कुमार (19) और विकास कुमार (19) शामिल हैं। सीआईबी ने इस दौरान 34 मोबाइल फोन, पांच लैपटॉप, हिसाब किताब रखने वाली चार रजिस्टर, भारत के अलग-अलग बैंकों के 14 चेकबुक, भारतीय बैंकों के 27 एटीएम और अलग-अलग कंपनियों के 40 भारतीय सिमकार्ड बरामद किए हैं। प्रवक्ता ने बताया कि सट्टेबाजी के लिए वाट्सऐप, फेसबुक मैसेंजर, टेलीग्राम, इंस्टा चैट, वी-चैट और सिग्नल जैसे ऐप का इस्तेमाल किया जा रहा है। सीआईबी के मुताबिक इनका मास्टरमाइंड नेपाल और भारत के बाहर किसी तीसरे देश में बैठकर इन सभी को निर्देशित करता है। उस शख्स से पकड़े गए किसी भी आरोपित ने आज तक न तो मुलाकात की है और न ही उसको कोई पहचानता है।-

ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति बोल्सोनारो पर चलेगा तख्तापलट की साजिश का मुकदमा

एजेंसी

रियो डी जनेरियो। ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट की एक पीठ ने पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो के खिलाफ तख्तापलट की साजिश के मामले में मुकदमा चलाने का आदेश दिया है। कोर्ट ने अभियोजन पक्ष द्वारा लगाए गए आरोपों को स्वीकार कर लिया, जिसमें बोल्सोनारो और 33 अन्य लोगों पर 2022 के चुनाव के बाद सत्ता में बने रहने की साजिश रचने का आरोप लगाया गया था।

अभियोजन पक्ष के अनुसार, इस योजना में वर्तमान राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा और एक सुप्रीम कोर्ट जज की हत्या करने की साजिश भी शामिल थी। कोर्ट ने बोल्सोनारो के सात करीबी सहयोगियों पर भी मुकदमा चलाने का आदेश दिया है। इन पर तख्तापलट की

कोशिश, सशस्त्र आपराधिक संगठन में शामिल होने, लोकतांत्रिक व्यवस्था को हिंसक रूप से समाप्त करने, सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और विरासत संपत्तियों को नष्ट करने के आरोप लगे हैं। बोल्सोनारो ने सभी आरोपों को खारिज करते हुए इसे राजनीतिक प्रतिशोध बताया है। हालांकि उनके वकील ने अभी तक इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की है। ब्राजील के कानून के अनुसार, यदि बोल्सोनारो तख्तापलट के दोषी पाए जाते हैं, तो उन्हें 12 साल तक की जेल हो सकती है, और अन्य आरोपों को मिलाकर यह सजा कई दशकों तक बढ़ सकती है।उल्लेखनीय है कि 08 जनवरी 2023 को पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो के समर्थकों ने सुप्रीम कोर्ट, राष्ट्रपति भवन और संसद पर हमला किया था। जस्टिस फ्लावियो डिनो ने इस मामले पर कहा, तख्तापलट से मौतें होती हैं, चाहे वह आज हो या वर्षों बाद। अब सुप्रीम कोर्ट इस मामले में आगे की कार्यवाही करेगा और दोषियों को सजा तय करेगा।

हमास की इजराइल को धमकी, गाजा में हमले नहीं रोके तो बंधकों को मार दिया जाएगा

एजेंसी

दोहा/गाजा पट्टी। फिलिस्तीनी आतंकवादी समूह हमास ने चेतावनी दी कि अगर इजराइल के गाजा पट्टी पर हमले जारी रहे तो वह बंधकों की हत्या कर देगा। इजराइल का बलपूर्वक बंधकों को छुड़ाने का सपना पूरा नहीं होगा। अरब न्यूज के अनुसार, समूह ने आज दोहा में जारी बयान में कहा कि वह बंधकों को मारना नहीं चाहता। वह उन्हें जीवित रखने के हर संभव प्रयास कर रहा है, लेकिन इजराइल के गाजा में बरसते बम उनके जीवन को पल-पल खतरे में डाल रहे हैं।हमास ने कहा कि इजराइल ने कई बार बंधकों को बलपूर्वक वापस लेने का प्रयास किया है। हर बार उसे अपने लोगों को ताबूतों में ले जाना पड़ा है। इस बीच गाजा पट्टी में इजराइल के जमीनी और हवाई हमले जारी हैं। गाजा पट्टी में हमास के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इजराइल के पिछले सप्ताह शुरू हुए हमले में अब तक कम से कम 830 फिलिस्तीनी मारे गए हैं। इजराइल के ताजा हमलों के बाद संघर्ष विराम टूट चुका है। अल जजीरा न्यूज चैनल के अनुसार, पिछले 24 घंटों में गाजा पर इजराइली हमलों में कम से कम 38 फिलिस्तीनी मारे गए हैं और मलबे से एक शव बरामद किया गया है। इजराइल के सुरक्षा बल (आईडीएफ) सीरिया पर भी बम बरसा रहे हैं। इस बमबारी में डेरा में कम से कम छह लोग मारे गए हैं। कतर और सऊदी अरब ने इसकी निंदा की है। उधर, अमेरिका की सेना यमन पर बम बरसा रही है। इजराइल ने सात अक्टूबर, 2023 को किए गए हमलों के बाद गाजा पट्टी पर हमास के खिलाफ सैन्य अभियान शुरू किया था।

अमेरिका में अब आयातित कारों पर 25 फीसद टैरिफ, कीमतें बढ़नी तय

एजेंसी

न्यूयॉर्क। संयुक्त राज्य अमेरिका में अब आयातित कारों और ट्रकों को 25 प्रतिशत टैरिफ के दायरे में लाया गया है। यह घोषणा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने की। इससे इम्पोर्टेड वाहन की कीमत बढ़ने की पूरी संभावना है। संयुक्त राज्य अमेरिका में बिकने वाले वाहनों में से लगभग आधे आयातित होते हैं। सीएनएन न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, नया ट्रैफिक तीन अप्रैल से प्रभावी हो जाएगा। ट्रंप की इस घोषणा का उद्देश्य अमेरिका की ऑटो विनिर्माण क्षमता का विस्तार करना है। मुक्त व्यापार समझौते के कारण कनाडा, मैक्सिको और अमेरिका के ऑटोमेकर्स अब तक ट्रैफिक की किचकिच से दूर थे। राष्ट्रपति ट्रंप ने ओवल ऑफिस में इस आशय की कार्यकारी घोषणा पर हस्ताक्षर करने से पहले संवाददाताओं से कहा- सच कहूं तो, दोस्त अक्सर दुश्मन से बहुत बुरे होते हैं। और हम जो करने

जा रहे हैं वह संयुक्त राज्य अमेरिका में नहीं बनी सभी कारों पर 25 फीसद टैरिफ लगाना है। संयुक्त राज्य अमेरिका में बनी कारों पर टैरिफ नहीं होगा। नया टैरिफ केवल विदेशी निर्मित कारों पर ही नहीं बल्कि इंजन और ट्रांसमिशन सहित कार के पुर्जों पर भी लागू होगा। कार के पुर्जों पर टैरिफ तीन मई से पहले लागू होगा।% ट्रंप ने कहा कि वह तीन बड़ी ऑटोमेकर कंपनियों, स्टेलेंटिस, फोर्ड और जनरल मोटर्स के संपर्क में हैं। उल्लेखनीय है कि ट्रंप की घोषणा के बाद तीनों कंपनियों के शेयरों में गिरावट आई। जनरल मोटर्स (जीएम) के शेयरों में सात फीसद से अधिक की गिरावट आई। जीप, रैम, क्रिसलर और डॉज कारों का निर्माण करने वाली कंपनियों फोर्ड (एफ) और स्टेलेंटिस (एसटीएलए) के शेयरों में चार प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई। सीएनएन के अनुसार, इस टैरिफ से महत्वपूर्ण विनिर्माण उद्योग को नुकसान पहुंचने का अंदेशा और अमेरिकी उपभोक्ताओं के लिए कीमतें बढ़ने का खतरा है। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि 2024 में अमेरिकियों द्वारा खरीदी गई लगभग 16 मिलियन कारों, एसयूवी और हल्के ट्रकों में से आधे आयातित थे।

अमेरिका में राज्यों को स्वास्थ्य सेवाओं के लिए आवंटित 12 बिलियन डॉलर का अनुदान रद्द

एजेंसी

वाशिंगटन,। ट्रंप प्रशासन ने अमेरिकी राज्यों को स्वास्थ्य सेवाओं के लिए आवंटित लगभग 12 बिलियन डॉलर का अनुदान रद्द कर दिया। यह संघीय अनुदान संक्रामक रोगों, मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं, व्यसन उपचार और अन्य जरूरी सेवाओं पर खर्च किया जा रहा था। प्रशासन ने यह पैसा कोविड-19 महामारी के दौरान संयुक्त राज्य अमेरिका के राज्यों को आवंटित किया था। द न्यूयॉर्क टाइम्स और सीएनएन की खबरों में इस पर विस्तार से चर्चा की गई है। संघीय विभाग और राज्यों के कई अधिकारियों ने ट्रंप प्रशासन के इस कदम की पुष्टि की। यूएस डिपार्टमेंट ऑफ हेल्थ एंड ह्यूमन सर्विसेज का कहना है कि कोविड महामारी अब खत्म हो चुकी है। करदाताओं के इस पैसे को अब बर्बाद नहीं किया जाएगा। प्रशासन को लगभग 30 दिनों में यह पैसा वापस आने की उम्मीद है। नेशनल एसोसिएशन

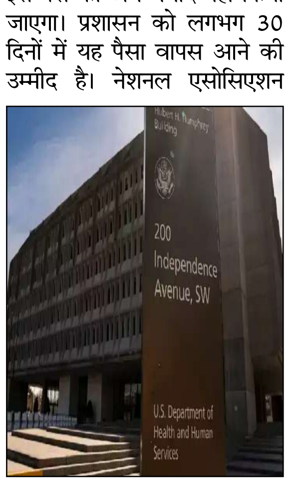

ऑफ काउंटी एंड सिटी हेल्थ ऑफिशियल्स की मुख्य कार्यकारी अधिकारी लोरी ट्रेमेल फ्रीमैन ने कहा कि इस सप्ताह स्थानीय स्वास्थ्य विभागों और संगठनों को फंडिंग में इस समाप्ति के बारे में नोटिस भेजे गए थे। मिनेसोटा स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि राज्य को 226 मिलियन डॉलर का अनुदान प्राप्त हुआ था। गैर लाभकारी संस्था डे ब्यूमोंट फाउंडेशन के अध्यक्ष और सीईओ ब्रायन कैस्ट्रुची ने इस कदम की तीखी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि यह सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए एक विनाशकारी झटका है। टेक्सास में डलास स्वास्थ्य और मानव सेवा के निदेशक डॉ. फिलिप हुआंग ने कहा कि इस कदम से महामारी विज्ञान, संपर्क अनुरेखण और प्रयोगशाला परीक्षण प्रभावित होंगे। स्थानीय सामुदायिक केंद्रों में मधुमेह शिक्षा कार्यक्रमों जैसे प्रयासों पर भी असर पड़ेगा।

आधिपत्यवादी सोच न थोपे अमेरिका : चीन

बीजिंग। चीन ने अमेरिका से अपनी आधिपत्यवादी सोच को उस पर न थोपने का आग्रह किया है और कहा कि चीन-अमेरिका संबंधों को शीत युद्ध की पुरानी मानसिकता से न देखे। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने बुधवार को बीजिंग में अमेरिका की एक रिपोर्ट में चीन को अपने शीर्ष सैन्य और साइबर खतरे के रूप में बताए जाने पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करने हुए ये बातें कहीं। उन्होंने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अमेरिका हर साल इस तरह की गैर-जिम्मेदाराना और पक्षपाती रिपोर्ट जारी करता है, जिससे चीन खतरा जैसी धारणाएं फैलाई जाती हैं।

एक सरकारी कर्मचारी को बर्खास्त करने के कारण विपक्षी दलों ने किया संसद अवरुद्ध

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल सरकार द्वारा एक सरकारी कर्मचारी को बर्खास्त करने के कारण विपक्षी दलों ने दिनभर संसद को अवरुद्ध रखा है। विपक्षी दलों ने प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के तरफ से स्पष्टीकरण देने की मांग करते हुए सदन की कारवाई नहीं चलने दी। प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली की अध्यक्षता वाली कैबिनेट बैठक से नेपाल विद्युत प्राधिकरण के कार्यकारी निदेशक कुलमान घीसिंग को पदमुक्त करने के निर्णय के विरोध में विपक्षी दलों ने सदन की कार्रवाई नहीं चलने दी। प्रमुख विपक्षी दल माओवादी सहित एकीकृत समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी, राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी, जनता समाजवादी पार्टी नेपाल, राष्ट्रीय जनमोर्चा और नेपाल मजदूर किसान पार्टी ने सामूहिक रूप से सदन को अवरुद्ध किया है। माओवादी अध्यक्ष पुष्पकमल दहाल प्रचण्ड ने सदन में नेपाल विद्युत प्राधिकरण के कार्यकारी निदेशक कुलमान घीसिंग की बर्खास्तगी पर प्रधानमंत्री को सदन में आकर जवाब देने की मांग की। सदन की कार्रवाई शुरू होते ही अपने स्थान पर ही खड़े होकर स्पीकर से सदन की कार्रवाई नहीं चलाने और प्रधानमंत्री को सदन में बुलाने की मांग की। उन्होंने कहा

कि जब तक सरकार के तरफ से प्रधानमंत्री ओली स्वयं सदन में आकर जवाब नहीं देते तब तक सदन की कार्रवाई आगे नहीं चलने दी जाएगी। विपक्षी दलों के द्वारा सुबह 11 बजे सदन की कार्रवाई अवरुद्ध करने के कारण स्पीकर देवराज घिमिरे ने पहले सदन की कार्रवाई को 10 मिनट और फिर बाद दोपहर 3 बजे तक के लिए स्थगित किया। उन्होंने सदन की कार्रवाई को चलाने के लिए सत्तापक्ष और विपक्षी दल के प्रमुख सचेतकों की बैठक बुलाई लेकिन सत्तापक्ष के तरफ से एमाले पार्टी के प्रमुख सचेतक महेश बरतौला ने कहा कि विद्युत प्राधिकरण के कार्यकारी निदेशक की बर्खास्तगी पर प्रधानमंत्री को सदन में आने की कोई आवश्यकता नहीं है।

उन्होंने कहा कि यदि विपक्षी दलों को जवाब ही चाहिए तो ऊर्जा मंत्री आकर सदन में जवाब दे सकते हैं। लेकिन सत्तापक्ष के जवाब से विपक्षी पार्टियां संतुष्ट नहीं हुई और उन्होंने सदन की कार्रवाई को नहीं चलने देने की बात पर अडिग रहे। सत्ता पक्ष और विपक्ष में सदन की कार्रवाई को चलाने को लेकर कोई सहमति नहीं बन पाने के बाद स्पीकर घिमिरे ने वृहस्पतिवार सुबह 11 बजे तक के लिए सदन की कार्रवाई को स्थगित होने की सूचना प्रकाशित कर दी। विपक्षी दलों ने कल भी प्रतिनिधि सभा और राष्ट्रीय सभा दोनों सदनों की कार्रवाई को नहीं चलने देने की बात दोहराई है।

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

Police stop Haryanvi singer's concert after he sings controversial track in Leisure Valley

Gurgaon. Cops on Saturday night went upstage to halt a concert in Leisure Valley after Haryanvi singer Masoom Sharma started singing a song, which was taken down on social media earlier this month for allegedly promoting and glorifying gun violence.A video of the concert being called off is circulating online. It shows Sharma telling the crowd he can't sing the song, but they could. As the audience starts singing, Sharma joins in, prompting ACP (DLF) Vikas Kaushik, who was on the stage, to yank the mic from him.The ACP then tells the audience to clear out the venue as the concert time is over. Police said they had given permission to Sharma to perform at the concert, on the condition that he does not sing any tracks that promote gun culture or violence, in line with a 2019 order of the Punjab and Haryana high court. "Some of Masoom Sharma's songs were recently removed from social media for violation of the court order. He complied with the notice during his performance, but at the end, he started singing 'Ek Khatola Jail Ke Bhitar', which was recently removed from social media. So, I took the mic from his hand. By then, it was already 10pm, the permitted time limit

NAME CHANGE
I, BHANU PRASAD KHARBANDA S/o OM PRAKASH KHARBANDA R/o 23/12 B, First Floor, Tilak Nagar, West Delhi, Delhi-110018, have changed the name of my minor son PARTHH KHARBANDA aged 13 years and he shall be hereafter known as AVEER KHARBANDA, for all future purposes.

NAME CHANGE
It is for general information that I, SANJEEV CHOUDHARY S/o MOHINDER SINGH, R/o Flat No. 196, Pocket-1, Sector- B4, Tikri Khurd, North West Delhi, Delhi-110040, declare that name of mine has been wrongly written as SANJEEV CHAUDHARY in my Service Record. The actual name of mine is SANJEEV CHOUDHARY, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, hitherto known as SUNITA D/o RAM SINGH W/o JAI BHAGWAN SHARMA residing at House No. 553, Upper Ground Floor, Sector 9A, Gurgaon, PO: Gurgaon, Dist: Gurgaon, Haryana - 122001 have changed my name and shall hereafter be known as SUNITA SHARMA.

NAME CHANGE
I,No.4574278X, Rank-HAV Matta Krishna R/o.Vill.Dalapalanka, Post>Ramachandra Pur,Tehsi-Chikiti, Distt. Ganjam, Odisha-761010 have changed my name minor son's name from M Purnachandra to Matta Purnachandra vide affidavit dated 26.03.2025 executed before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Digvijay Kumar Shrivasatwa S/O Sri Kanhaiya Prasad Srivastwa R/O B-51, Vrindavan Apartments, Plot No-1 Dwarika Delhi-110075 Have changed my name to Digvijay Kumar Shrivastawa for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SUGANDH GOYAL W/O MOHIT BANSAL R/O HOUSE NO-17,1ST FLOOR,SECTOR-56,NEAR BHARTI INTERNATIONAL CONVENT SCHOOL, GURGAON, HARYANA-122011, HAVE CHANGED MY NAME TO SUGANDH BANSAL FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
It is for general information that I, Ankur Jain S/O Pramod Jain R/O House no-303, 1st Floor, Sector 3A, Vaishali Ghaziabad, uttae Pradesh-201019, declare that the name of my father has been wrongly written as Pramod Kumar Jain in my Educational Document. The actual name of my father is Pramod Jain. which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, KAUSHAL VIMAL S/O RAM BABU VIMAL R/O 46-C, DDA FLATS, MANSAROVER PARK, SHAHDARA, NORTH EAST DELHI, DELHI-110032 have changed my name to KAUSHAL VIMAL SHARMA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, Momita Singh W/O Ankit R/O 59 A 4TH Floor, Flat NO-404, Shera Mohalla Garhi Village-Delhi-110065 Have changed my name to Momita for all future purposes.

NAME CHANGE
I, VIJAY KUMAR S/O DEV RAJ R/O HOUSE NO-793/24,14, BALDEV NAGAR, GURGAON, HARYANA-122001, HAVE CHANGED MY NAME TO VIJAY MUNJAL FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I, Sakuntala Devi Mother of No.4579083W Rank-Hav Narender Kumar R/o Vill.Lakhoh, PO - Balh, Bihal, Teh-Barsar, Hamirpur, Himachal Pradesh - 176040 have changed my name from Sakuntala Devi to Shkuntala vide affidavit dated 24.03.2025 executed before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT ORIGINAL ALLOTMENT LETTER, ORIGINAL POSSESSION LETTER, ORIGINAL SHARE CERTIFICATE & ORIGINAL NO DUES CERTIFICATE ISSUED BY MARUTI EMPLOYEES CO-OP HOUSE BUILDING SOCIETY IN FAVOUR OF MR. ASHOK KUMAR IN RESPECT OF "FLAT/ UNIT NO. 1147-A, AREA MEASURING 533 SQ. FTS. (TYPE -I) SITUATED IN MARUTI EMPLOYEES CO-OP HOUSE BUILDING SOCIETY, MARUTI VIHAR, CHAKKARPUR, DISTT. GURUGRAM." (SAID PROPERTY)., HAVE BEEN LOST BY THE OWNER MR. ASHOK KUMAR SON OF MR. RAM RATTAN R/O HOUSE NO. 1147-A, MARUTI VIHAR, CHAKARPUR (74), GURGAON, HARYANA-122002. AND THIS REGARD LOST REPORT HAS LODGED VIDE LR NO. 2681484/2025 IN PS CRIME BRANCH DELHI. AND THE SAID OWNER IS GOING TO MORTGAGE THE SAID PROPERTY WITH TRU HOME FINANCE LIMITED AS SECURITY AGAINST LOAN. PLEASE SUBMIT THE SAID ORIGINAL DOCUMENTS IF FIND BY ANY PERSON. ALSO PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER WITH RELEVANT DOCUMENTS WITH UNDERSIGNED IF HAVING ANY OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY/DOCUMENTS WITHIN 10 DAYS OF THIS PUBLICATION. ITS USE BY ANYONE IS ILLEGAL.
ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, 1ST & 2ND FLOOR, E-BLOCK, MANSAROVAR PARK, SHAHDARA, DELHI-110032. MOBILE NO. 9999042521 / 9958996685.

NAME CHANGE
I, RANJEET SINGH S/o K P B SINGH R/o RZ-17/236, Gali No. 2, Dayal Park, West Sagar Pur, South West Delhi, Delhi-110046, have changed the name of my minor son REYANSH SINGH aged 09 years and he shall hereafter be known as YUVRAJ SINGH, for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Ku Sadhna singh legally spouse of JC 571813 Rank sub Ranjeet Singh Parihar Residing at VPO Tapa Distt Satna Madhya pradesh 485115 changed my Name From Ku Sadhna Singh to Sadhana Singh vide affidavit dated 22 3 2025 executed before Notaty Public Delhi.

NAME CHANGE
I hitherto known as MILTON AZHINAKKAL HORMESE S/O A.M HORMESE R/O FLAT NO-F3 PLOT NO-A29, FIRST FLOOR, SHALIMAR GARDEN EXT.-2, SHAHIBABAD, PO SAHIBABAD DISTT. GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201005 have changed my name and shall hereafter be known as MILTON A HORMESE.

NAME CHANGE
I,No.4574278X, Rank-HAV Matta Krishna R/o.Vill.Dalapalanka, Post>Ramachandra Pur,Tehsi-Chikiti, Distt. Ganjam, Odisha-761010 have changed my name minor son's name from M Syam to Matta Shyam vide affidavit dated 26.03.2025 executed before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, B.Santoshi legally wife of No.4574278X, Rank-HAV Matta Krishna R/o.Vill. Dalapalanka, Post>Ramachandra Pur,Tehsi-Chikiti, Distt. Ganjam, Odisha-761010 have changed my name from B.Santoshi to Matta Santoshi vide affidavit dated 26.03.2025 executed before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I, AMIT KUMAR S/o RAGHUBIR SINGH, Permanent Resident of Haphua, PO: Haphuwa, IST: Chatra, Jharkhand – 825401 and presently residing at Qtr: DE-35, Chanakya Bagh, Opposite Yashwant Place Shopping Complex, Chanakyapuri, New Delhi – 110021 declare that name of my minor son has been wrongly written as ASHMIT KUMAR in my minor son namely ASHMIT KUMAR SINGH , aged 9 years in his school record. The actual name of my minor son is ASHMIT KUMAR SINGH, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, MANISH TAHIM S/o RAVINDER KUMAR TAHIM R/o K-39, Green Park Main, Green Park, South West Delhi, Delhi-110016, have changed the name of my minor son ARSH TAHIM aged 13 years and he shall hereafter be known as ARSSH TAHIM, for all future purposes.

NAME CHANGE
I, No. 14520611P, Rank – EX CFN, Name – PRADEEP SHARMA, Presently Residing at KOTHI NO-10, JAIN MANDIR ROAD, GOLE MARKET, NEW DELHI, G.P. CENTRAL DELHI, DELHI-110001, have changed my spouse name from SUDESH KUMARI SHARMA, to SUDESH SHARMA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, M Srinu Son of No.4574278X, Rank-HAV Matta Krishna R/o.Vill.Dalapalanka, Post>Ramachandra Pur,Tehsi-Chikiti, Distt. Ganjam, Odisha-761010 have changed my name from M Srinu to Matta Srinu vide affidavit dated 26.03.2025 executed before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I hitherto known as SHEELA DEVI W/O SURESH RAJAK R/O G-12/248, SANGAM VIHAR, PUSHPA BHAWAN, SOUTH DELHI, DELHI - 110062 have changed my name and shall hereafter be known as SUSHELA DEVI.

NAME CHANGE
I hitherto known as LACK KUMAR S/O DINESH KUMAR R/O SB-13, KAMRUDDIN NAGAR, AMAR COLONY, NANGLOI, NILOTHI, WEST DELHI, DELHI-110041 have changed my name and shall hereafter be known as LAKSHEY RATTAN.

PUBLIC NOTICE
My client Bhajan Lal Singh S/o Soran Singh permanently R/o Village, Maharajpur, Post Berpura, distt. Aligarh, U.P., Presently R/o HR-29, B-11, Pul Prahladpur, south Delhi-44 has severed all relations with his son Tarun Kumar and his wife namely Priyanak and disowned them from all movable and immovable properties due to his disobedience. My client will not be responsible for any of their actions or transactions.
Sujit Baisoya, Adovcate
Ch. No. 632, Saket court, New Delhi

PUBLIC NOTICE
MY CLIENT DHARAM RAJ S/O SH. BALI RAJ R/O C-18/12, GALI NO. 18, SHAHABAD DAIRY, NORTH WEST DELHI-110042 SEVERED ALL RELATIONS AND DEBARRED HIS SON VIVEK AND HIS WIFE GUDIYA FROM ENTIRE MOVABLE/IMMOVABLE PROPERTIES AND ASSETS DUE TO THEIR ARROGANT AND HOSTILE BEHAVIOUR. MY CLIENT SHALL NOT BE RESPONSIBLE FOR THEIR ANY ACT, DEBTS AND DEEDS IN FUTURE.
GHANSHYAM ADVOCATE
CHAMBER NO. 221, 2ND FLOOR, LAWYERS CHAMBER BLOCK, ROHINI COURTS, DELHI

Court Notice

IN THE COURT OF THE 3RD ADDL. CIVIL JUDGE (SR. DIVN), CUTTACK

C.S.(III) NO. 311/2015

M/s S. Mohanlal Pvt. Ltd. ..Plaintiff Versus M/s Koutons Retail India Ltd. and others .....Defendants NOTICE UNDER ORDER 5 RULE 20 OF C.P.C., 1908 To, 1. M/s Koutons Retail India Ltd., represented through its Chairman, Mr. D.P.S. Kohli 2. Gurmeet Singh, Whole-time Director 3. Davinder Pal Singh Kohli, Whole-time Director 4. Kailash Chand Sharma, Whole-time Director 5. Ashwini Kumar, Additional Director 6. Munish Kumar Katara, Director 7. Jitendra Mohan Bhardwaj, Additional Director Office At-T-60/1, D.C.M. School Road, New Rohtak Road, Karol Bagh, New Delhi The petitioner has filed the aforesaid suit impleading you all as defendant Nos. 1 to 7. Notice was issued against you and the same was returned unserved with a postal remark" In view of the facts stated, you are hereby directed to appear before this Hon'ble Court on 24.4.25 either in person or through a pleader duly instructed to file the written statement and in default of your appearance on the date fixed, the case shall be heard and determined in your absence. Given under my hand and seal of this Court this day of 11th March 2025.

NORTHERN RAILWAY

NOTICE INVITING TENDER

Name of work and its locations	30-Elect-70-T-2024-25-E3 Electrical work in connection with provision of air-conditioning in SM/Panel room over Delhi Division
Approx. cost of the works in	Rs. 155.00 lacs
Address of the office	Sr. Divil Elect. Engineer/General, New Delhi
Earnest Money	Rs. 2,27,500.00
Date & time of submission of tender	23.04.2025, 12.00 Hrs.
Opening of tender	23.04.2025, 12.00 Hrs.
Website & notice board	www.ireps.gov.in & Sr. Divl. Elect. Engineer/General, New Delhi.

952/2025

SERVING CUSTOMERS WITH A SMILE

NAME CHANGE
I, hitherto known as SUNDEEP S/O ANUP SINGH, R/O 494/29, GALI NO-1, MALVIYA NAGAR, MEHLANA ROAD, SONIPAT, SUB DISTRICT SONIPAT, HARYANA-131001 have changed my name and shall hereafter be known as SANDEEP.

NAME CHANGE
I, ANANTHA LAKSHMI D Wife of No. 2606876Y Rank-CHM Name-DINESH KANTH R Presently residing at VPO-ROBERTSON PET, TK-BANGARAPET, DIST-KOLAR, KARNATAKA-563122, have changed my name from ANANTHA LAKSHMI D to ANANTHALAKSHMI M for all future purposes vide Affidavit dated 27/03/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, PARAVATI ANAND NANDI Wife of No. 2611050P Rank-HAV Name-ANAND NANDI Presently residing at VPO-HIREBAGEWADI, TK+DIST-BELGAUM, KARNATAKA-591109 have changed my name from PARAVATI ANAND NANDI to PARVATI ANAND NANDI for all future purposes vide Affidavit dated 27/03/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, RAHMA M CHAWLA D/O MUMTAZ AHMAD CHAWLA W/O YAHYA HAROON R/O 1336-37, STREET NO.3, FAIZ GANJ, BAHADUR GARH ROAD, DELHI-110006 declare That RAHMA M CHAWLA and RAHMA is the same person i.e. myself, hence both names may kindly be treated for all my correspondences and references.That my correct name is RAHMA M CHAWLA for all future purposes.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Dhanas D S/O R Dineshan R/O 46-D, Pocket-B-7, Mayur Vihar Phase-3, East Delhi, Delhi-110096 declare that name of mine and my father have been wrongly written as Dhanas Dineshan and Ramankunju Pillai Dineshan in my Pan Card No. IZAPD2604C. The actual name of mine and my father are Dhanas D and R Dineshan, which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Charu Jain D/o Satya Prakash Jain Ex W/o Manish Mishra R/o Flat No. B-1307, Dronagiri Apartment, Sector 11 phase 2, Vasundhra, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201012 declare that I got divorce from my husband vide Court Decree No. HMA/2211/2023 dated 18-11-2023. Further I have changed the name of my minor daughter namely Paridhi Mishra aged 11 years and she shall hereafter be known as Paridhi Jain in future for all purposes.

NAME CHANGE
I, MANJU W/O AJAY KUMAR R/O 193, BANK WALI GALI, RITHALA VILLAGE, ROHINI, NORTH WEST DELHI - 110085 HAVE CHANGED MY NAME TO YASHODA FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE
I, KAVITA Wife of JC-473055A Rank-SUB Name-NARESH KUMAR residing at VILL-JHOJHU KALAN, TEHSIL-CHARKHIDADRI, DIST-BHIWANI, HARYANA-127310, have changed my name from KAVITA to KAVITA DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 27/03/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I ROOPESH KUMAR S/O SURESH KUMAR R/O 23, TYPE 3 DTL STAFF COLONY, NEW KILOKARI, NEAR MAHARANI BAGH, ASHRAM, SOUTH DELHI-110014 declare that name of mine has been wrongly written as ROOPESH KUMAR BAGRI in my SC/ST Caste Certificate NO. SC/2/31/1088/10/8/2005/7266. The actual name of mine is ROOPESH KUMAR which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I Sheetu Singh S/O: Mahendra Singh, R/O House Number 2/754 C, Street Number- 17, Nand Nagri, North East Delhi, Delhi-110093, have changed the name of my minor son SUMIT Kumar aged 10 years and he shall hereafter be known as Ritik Kumar.

NAME CHANGE
I, MD IMTIAZ ALI S/O HABIBUR RAHAMAN residing at PLOT NO-79, NAVEEN PLACE EXTN, OPP MASJID NEAR KALI PIAU, NAJAFGARH, DELHI-110043 have changed my name to IMTIAZ ALI for all future purpose.

NAME CHANGE
I, Army No-14847365X, Rank-NK/MT, Name RAMBABU BELLANA residing at 3/92, RAJAVEEDHI, VILLAGE/POST –SATHIVADA, TEHSIL –NELLAMARLA, DIST-VIZIANAGARAM, ANDHRA PRADESH-535218, have changed my mother's name from KANNAMMA to BELLANA KANNAMMA for all future purposes vide Affidavit dated 27/03/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, SRINIVANAS Father of No. 16019411W, Rank-HAV, Name-MUNIRAJ S resident of H. NO.4/346, VILL-CHINNA THABBAI YARIYUR, PO-JITTANDHALLI, TEHSIL-PALACODE, DISTT-DHARMAPURI, TAMIL NADU-636805, have changed my name from SRINIVANAS to SRINIVASAN PERUMAL for all future purposes and in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 20/09/1966 instead of my correct date of birth as 22/07/1965 vide Affidavit dated 26/03/2025 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, BIRHAM PARKASH Father of JC-780128H Rank-NB SUB Name-VINAY KUMAR Presently residing at H NO-256, VPO-MASTAPUR, DIST-REWARI, HARYANA-123401, have changed my name from BIRHAM PARKASH to BRAHAMPRAKASH for all future purposes and in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1962 instead of my correct date of birth as 08/02/1958 vide Affidavit dated 27/03/2025 before Notary Public Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I. ABHAY KUMAR S/O RAVINDER KUMAR R/O House no -1260, Gali no-10, B Block, Nathu Colony, Nathupura, Burari North Delhi, Delhi -110084 declare that name of my father has been wrongly written as RAVINDRA KUMAR in my 10th and 12th class education documents The actual name of my father is RAVINDER KUMAR which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, DIVYA PRAJAPATI Wife of No-15715295A Rank-L/NK Name ASHOK KUMAR PRAJAPATI Residing at H. NO-14 BLOCK-A, VILL-PRATAP VIHAR 3RD KIRARI SULEMAN NAGAR, PO-SULTANPURI C BLOCK, TEHSIL-ROHINI, PS-BEGUMPUR, DIST-NORTH WEST DELHI, DELHI-110086, have changed my name from DIVYA PRAJAPATI to DIVYA KUMARI for all future purposes vide Affidavit dated 27/03/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No. 15428878A, Rank-L/NK Name-PATIL PRASHANT DAYANAND residing at VPO-KHANIWALI, TEHSIL-WADA, DISTT-THANE, MAHARASHTRA-401204, have changed my mother's name from DIPALI to DIPALI DAYANAND PATIL for all future purposes vide Affidavit dated 27/03/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, AYUSHI D/O HUKAM AGGARWAL residence of HOUSE NO-26 BLOCK B-3 FIRST FLOOR PASCHIM VIHAR DELHI-110063 have changed my name to AYUSHI AGGARWAL for all future purpose.

NAME CHANGE
I, Army No-14847365X, Rank-NK/MT, Name RAMBABU BELLANA residing at 3/92, RAJAVEEDHI, VILLAGE/POST –SATHIVADA, TEHSIL –NELLAMARLA, DIST-VIZIANAGARAM, ANDHRA PRADESH-535218, have changed my father's name from SURYA NARAYANA to BELLANA SURYANARAYANA for all future purposes vide Affidavit dated 27/03/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, SANTA Mother of No. 16019411W, Rank-HAV, Name-MUNIRAJ S resident of H. NO.4/346, VILL-CHINNA THABBAI YARIYUR, PO-JITTANDHALLI, TEHSIL-PALACODE, DISTT-DHARMAPURI, TAMIL NADU-636805, have changed my name from SANTA to SANTHA S for all future purposes and in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 20/09/1971 instead of my correct date of birth as 27/11/1969 vide Affidavit dated 26/03/2025 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, NIRMALA DEVI Mother of JC-780128H Rank-NB SUB Name-VINAY KUMAR Presently residing at H NO-256, VPO-MASTAPUR, DIST-REWARI, HARYANA-123401, have changed my name from NIRMALA DEVI to NIRMLA DEVI for all future purposes and in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1964 instead of my correct date of birth as 01/01/1955 vide Affidavit dated 27/03/2025 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I, RAJESH KUMAR S/O AMAR SINGH R/O A-13-14, FRIENDS ENCLAVE, MUNDKA, WEST DELHI, DELHI - 110041 declare that the name of mine has been wrongly written as RAJESH in my minor son namely ISHANT KUMAR aged 10 years in his school record. The actual name of mine is RAJESH KUMAR which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mrs. Sareena purchasing Freehold Residential Upper Ground Floor (LHS) without roof rights on Property no. WZ-419, Built up on Plot no. 42, area admeasuring 67 sq. yds., out of Khasra no. 40/15, situated at Sri Nagar, Shakurbasti Delhi. in the area of Village Shakurpur Delhi-110034. from Mr. Mohan Lal., initially Mrs. Gyan Kaur W/o Late Mr. Jagan Nath owner by virtue of GPA along with SPA & Regd. Will dated 08.06.2000 and same property sold to be Mrs. Sareena our client is declaring that any other Person does not have any right over the said property, which is to be financed by Piramal Capital & Housing Finance Ltd. Branch: NSP New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mrs. Neetu Jain purchasing Freehold Residential Plot Bearing No.127 area measuring 50 Sq. Yds. Out of Khasra No.821/2/1 Situated at Hanuman Khand Gulab Vatika at Village Bahata Hajipur Pargana & Tehsil Loni District Ghaziabad, U.P. from Mr. Rajeev Kumar Jain, Mr. Sushobit Jain & Ms. Sakshi Jain., initially Mrs. Gita Jain W/o Mr. Rajeev Kumar Jain owner by virtue of General Power of Attorney (Notarized) dated 14.09.2022., thereafter Mrs. Geeta Jain had expired on 14.02.2023, and same property sold to be Mrs. Neetu Jain our client is declaring that any other Person does not have any right over the said property, which is to be financed by Piramal Capital & Housing Finance Ltd. Branch: Peeragarhi, New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE
It is for general information that I, ISHWAR SINGH S/o RAM CHARN, R/o House No. E-260, Street No. 5, E - Block, Panchal Vihar, Karawal Nagar, North East Delhi, Delhi-110094, declare that name of mine has been wrongly written as ISWAR SINGH in my PPO No. 08/14/B/02641/1995. The actual name of mine is ISHWAR SINGH, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I SABAR SINGH GUSAIN S/O BHAGWAN SINGH GUSAIN R/O 25, E-BLOCK, SAINIK ENCLAVE PART-3, NEAR RAJLATA PUBLIC SCHOOL, JHARODA KALAN ROAD NAJAFGARH, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110043, declare that name of mine and my father has been wrongly written as SABAR GUSAIN and BHAGWAN SINGH in my 10th class educational documents. The actual name of mine and my father are SABAR SINGH GUSAIN and BHAGWAN SINGH GUSAIN respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I RADHIKA DEVI W/O VINOD KUMAR R/O H. NO-D-1/498, GALI NO-14, HARSH VIHAR, DELHI, NORTH EAST DELHI-110093, have changed the name of my minor daughter KRISHNA KUMARI alias KARISHMA KUMARI aged 14 years and she shall hereafter known as KARISHMA KUMARI.

NAME CHANGE
I MEHRUNISA KHAN W/O JAMAL KHAN R/O C-44/15, GALI NO-12/2, NEAR BILAL MASJID, CHAUHAN BANGAR, GARHI MENDU, NORTH EAST DELHI, DELHI-110053, have changed the name of my minor son MOHD UMAR aged 12 year and he shall hereafter be known as MOHD UMAR KHAN.

NAME CHANGE
It is for general information that I, YOGENDER KUMAR S/o HAZARI LAL, R/o D-501, DELHI-METRO HOUSING COMPLEX, NEAR HALDIRAMS MATHURA ROAD, SARITA VIHAR, DELHI-110076, declare that name of my minor son has been wrongly written as DARSHIL in my minor son namely DARSHIL YADAV, aged 15 years in his school record. The actual name of my minor son is DARSHIL YADAV, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
My client Kamal Jeet Kaur W/o Late Sh. Sawaranjit Singh R/o H.No. 653 Ashoka Apartment, Devli, South Delhi New Delhi-62 has severed all relations and debarred her son Amrit Singh and his wife Bhawna Singh from all moveable & immovable properties due to their disobedience. My client shall not be responsible for their any acts and deeds.
Nisha Gautam (Advocate)
Ch. No.103 Saket Court New Delhi-17

NAME CHANGE
It is for general information that I SABAR SINGH GUSAIN S/O BHAGWAN SINGH GUSAIN R/O 25, E-BLOCK, SAINIK ENCLAVE PART-3, NEAR RAJLATA PUBLIC SCHOOL, JHARODA KALAN ROAD NAJAFGARH, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110043, declare that name of mine and my wife has been wrongly written as SABAR GUSAIN and URMILA GUSAIN in my minor daughter namely SNEHA GUSAIN aged 17 years in her 10th class educational documents. The actual name of mine and my wife are SABAR SINGH GUSAIN and URMILA DEVI respectively which may be amended accordingly.

for the show, and we

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mrs. Meena Saini W/o Mr. Jitender Kumar is the owner of Freehold Residential Property Bearing Municipal No. 2127 (Portion of right-hand side), with Roof/Terrace rights, Land area measuring 80 Sq. Yds., i.e., 66.89 Sq. Mtrs., situated at Mukeempura, Subji Mandi, Delhi-110007. by virtue of Sale Deed Dated 13.06.2018., as Doc. No. 6654, in Book No. 1, Vol. No. 7129, on Pages 1-16, on Dated 13.06.2018, SR- 1, New Delhi. In the chain documents below mentioned document not available i.e. Death Certificate & SMC of Late Mrs. Basanti Devi, Death Certificate & SMC of Late Mr. Suresh Dutt Sharma, Death Certificate & SMC of Late Mrs. Indira Sharma, SMC in the name of Late Mr. Bhagwan Sahai, Death Certificate & SMC in the name of Late Mr. Pyare Lal, & others death Certificate & SMC Our client is declaring that any other Person does not have any right over the said property, and Second floor without roof rights sold too be Mrs. Mallika which is to be financed by Piramal Capital & Housing Finance Ltd. Branch- Burari New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mr. Subhash Chand S/o Late Mr. Som Nath is the owner of Freehold Residential property Bearing No. WA-61 area measuring 112 Sq. yds. i.e. 93.64 Sq. Mtrs. out of Khasra No. 288/178, Gali No.13 Situated in the area of Village Shakarpur Khas, Illaqa Shahdara, Delhi- 110092. by virtue of Relinquishment Deed dated 03.11.2016. Vide Doc No.5660, Book No.1, Volume No.905, on Page Nos.116-122, Registered on 03.11.2016, in S.R-VIII-A Preet Vihar., In the chain documents below mentioned document not available i.e. Surviving member certificate issued by SDM in favour of legal heirs of late Mrs. Krishna Vati had expired on 20.01.2015., Our client is declaring that any other Person does not have any right over the said property, and Third Floor without roof/terrace rights sold too be Mrs. Monika Markan is to be financed by Piramal Capital & Housing Finance Ltd. Branch-Shahdara, Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

News box

In administration shakeup, civic body shifts focus to tackle sewerage & safai concerns in Gurgaon

Gurgaon. The MCG commissioner has ordered administrative restructuring. Additional commissioner Balpreet Singh, who previously managed Swachh Bharat Mission, will now oversee sewerage operations and maintenance, an area that generates numerous grievances.Commissioner Ashok Kumar Garg transferred the SBM responsibilities to the additional commissioner, Mahabir Prasad.The move also implies that files related to development works would now be routed through the concerned additional commissioners.

"Dr Balpreet Singh IAS, additional commissioner-I, MCG, will look after the work of O&M of sewerage. All files relating to O&M of sewerage will be dealt with by him. All payments relating to O&M of sewerage will be made by him strictly as per rules and after following the due prescribed procedures with due diligence. Mahabir Prasad, HCS, additional commissioner-II, MCG, will look after the work of SBM," read the order issued by the MCG commissioner on Wednesday.This came after RWAs recently raised concerns regarding sewer cleaning agencies failing to adhere to their published timetables. Despite the MCG issuing zone-wise schedules for sewer line maintenance, numerous RWAs report that the prescribed cleaning activities weren't carried out.

Passenger steps in as driver, ensures safe journey after cabbie falls sick

Gurgaon. A make-up artist traveling with her daughter, mother and grandmother last week took the wheel after the driver of her cab fell ill and dizzy while they were travelling from the city to Ghaziabad.

Honey Pipal (39) said on Wednesday that the incident occurred on March 18 when she and her family were visiting some relatives in Gurgaon's Sector 130.

They hailed a cab from a ride-aggregator app and while boarding, Pipal said, she saw the driver taking some pills."I asked him the reason and he said he was not feeling too well. I asked him if I could drive on his behalf as I was carrying my driving licence. But he refused, saying it would be an issue because this was a commercial vehicle," Pipal said.The ride ran into traffic on the Dwarka Expressway, and the driver told the family he was feeling dizzy and needed to stop.

"We asked him to have some lemonade and stopped on the expressway for 20 minutes. After that, he asked me to drive, so I took charge," Pipal said.The family reached around 8pm, almost four hours after they started.A week later, Pipal shared a clip of the incident on her social media account, sparking an online discussion on the uncertainties of daily travel and the necessity to act kindly in such situations."I thought of sharing this experience and made a small video, which I also generally do for my social media handle, being a makeup artist," Pipal said.

Inderjeet Kaur Yadav takes charge as 1st Manesar mayor

Gurgaon. Inderjeet Kaur Yadav assumed office as the first mayor of Manesar Municipal Corporation (MCM) on Wednesday, promising to address the needs of "all community segments". She assured round-the-clock accessibility to residents of the municipal area.

During her first address — from her office in the MCM premises in Sector 8 — Inderjeet stressed her "commitment" to advancing the development agenda for Manesar. She expressed her gratitude to the voters of the municipal area, promising to live up to the expectations with which they supported her. This was the first election of the municipal corporation and she would never let the trust placed in her diminish, she said."Every section of society supported me, and hence, development efforts will consider all sections. Work for every group will be done equitably. My priorities include cleanliness, clean drinking water, sewerage, electricity, construction of roads and addressing the problem of stray animals in the municipal area," the mayor said.MCM commissioner Renu Sogan said that the mayor's team would be involved in development efforts. "Priority shall be accorded to development-focused assignments undertaken by members of the mayor's team. Before initiating any projects within the municipal jurisdiction, we will seek input and recommendations from both the mayor and councillors," the MCM commissioner said.

Inderjeet, who claimed the backing of Union minister Rao Inderjit Singh, defeated BJP's nominee Sunder Lal Yadav by 2,293 votes to become the first mayor of Manesar.

Copy-paste job: Schoolbooks changed, not exam questions

Ghaziabad. Govt school students appearing for final primary class exams were a flustered lot after the question papers for different subjects turned out to be almost identical to the year before despite a change in syllabus for 2024-25 academic session.

For instance, the Class 2 paper for Hindi included questions of chapters from the older textbook.

"Generally, the names of books are written on the question paper besides the subject. Students are now being taught from a book titled 'Sarangi', but the question paper mentioned 'Kishalay', the older book. The questions were also the same as the previous year," a teacher at a primary school in Modinagar told TOI on Wednesday.Similarly, mistakes made on question papers in the 2023-24 academic session made their way into the latest exams. A principal of a primary school in Ghaziabad gave the example of the Class 5 social science paper."The papers are exactly the same – questions, markings and even the errors. Last year, there was an error in a multiple-choice question, which asked: 'What was the first domesticated animal of human beings?'.

नूंह की विशेष पॉक्सो अदालत ने 5 वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म के दोषी को सुनाई 20 साल की सजा

नूंह। नूंह जिले की विशेष पोक्सो अदालत ने 5 वर्षीय मासूम बच्ची से दुष्कर्म के दोषी को 20 साल की कठोर कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही अदालत ने दोषी साहिल पर 20 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना नहीं भरने पर दोषी को 6 महीने अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। पुलिस प्रवक्ता कृष्ण कुमार ने बताया कि यह मामला फरवरी 2020 का है। जिले के थाना बिछोर क्षेत्र के एक गांव में रहने वाली 5 साल की बच्ची अपनी मां के कहने पर गांव की ही एक दुकान पर सजावट का सामान लेने गई थी। काफी देर तक बच्ची के घर नहीं लौटने पर मां जब दुकान पर पहुंची तो देखा कि आरोपी दुकानदार बच्ची के साथ जबरन दुष्कर्म कर रहा था। मां को देखते ही आरोपी मौके से फरार हो गया। परिजनों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। वहीं खून से लथ-पथ और बदहवास हालत में बच्ची को अस्पताल में भर्ती कराया । इस मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए केस दर्ज किया और कुछ दिन बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने घटनास्थल से शुरुआती जांच में ही अहम सबूत जुटाए और करीब 12 गवाहों के बयान भी दर्ज कर लिए। हालांकि सुनवाई के दौरान कुछ गवाह अपने बयानों से पलट गए। लेकिन पुलिस द्वारा पेश किए मजबूत सबूतों को अदालत ने पर्याप्त मान लिया।

प्रॉपर्टी टैक्स से जुड़ी आधा दर्जन शिकायतों का हुआ मौके पर ही समाधान

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम के संयुक्त आयुक्त सुमित कुमार ने कहा कि हरियाणा सरकार के निर्देशानुसार नागरिकों की शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर सुनकर उनका त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के लिए नगर निगम गुरुग्राम द्वारा प्रत्येक कार्य दिवस प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक समाधान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। उक्त विचार संयुक्त आयुक्त ने बुधवार को नगर निगम गुरुग्राम कार्यालय में आयोजित समाधान शिविर में जन शिकायतों की सुनवाई के दौरान व्यक्त किए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि समाधान शिविर में आने वाली शिकायतों पर गंभीरता से त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करें, ताकि नागरिकों को किसी भी प्रकार की परेशानी ना हो। उन्होंने कहा कि ऐसी शिकायतें, जिनका समाधान मौके पर ही हो सकता है, उनका त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही वे शिकायतें जिनके समाधान में कुछ समय लगना है, वहां पर अंतरिम राहत प्रदान करते हुए शिकायत का स्थाई समाधान करने की समयसीमा निर्धारित करके कार्य शुरू कराया जाए। बुधवार को आयोजित समाधान शिविर में आधा दर्जन शिकायतें प्रॉपर्टी टैक्स डाटा सुधार से संबंधित आईं। संयुक्त आयुक्त ने मौके पर मौजूद जोनल टैक्सेशन अधिकारियों के माध्यम से तुरंत ही उनका समाधान कराया। इसके अलावा, सीवरेज, सड़क व अतिक्रमण से संबंधित 5 शिकायतों की समयसीमा निर्धारित करते हुए संबंधित अधिकारियों को समाधान के निर्देश दिए।

बस स्टैंड पर यात्रियों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए लगाए गए बैठने के लिए बेंच

गुरुग्राम। गुरुग्राम बस स्टैंड पर परिवहन विभाग द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए बेंच लगाए गए है। बस स्टैंड परिसर में बने अस्थाई बस बूथों पर भी पीले रंग की मार्किंग की गई है। परिवहन विभाग के महाप्रबंधक भारत भूषण गोगिया ने जानकारी देते हुए बताया कि बस स्टैंड परिसर में 45 बेंच लगाए गए और यात्रियों की सुविधाओं में निरंतर इजाफा किया जा रहा है। गुरुग्राम के एक मात्र सरकारी बस स्टैंड में यात्रियों की संख्या को देखते हुए यहां लगातार सुविधाओं में बढ़ोतरी समय समय पर की जाती है। अब इसी कड़ी में यात्रियों को बैठने की व्यवस्था को दुरुस्त किया गया है। बस स्टैंड पर खास तौर से महिला यात्रियों और बुजुर्ग यात्रियों को इस सुविधा से खास फायदा मिलेगा। अब वे लोग बढ़ती गर्मी और उमस में खड़े हो कर नहीं बल्कि आराम से बैठकर अपनी बसों का इंतजार कर सकते है। पूरे बस स्टैंड पर अलग अलग जगहों पर ये सभी 45 बेंच इस हिसाब से लगाई गई है कि सभी बूथों पर आने वाले यात्रियों को बस के इंतजार करते वक्त सुविधाजनक और आरामदायक बैठने की व्यवस्था मिल सके।

पारितोषिक वितरण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में एडीसी ने विजेता बच्चों को किया सम्मानित

गुरुग्राम। एडीसी हितेश कुमार मीणा ने कहा कि बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ खेल, कला, और शारीरिक गतिविधियों में भी शामिल होना चाहिए ताकि वे हर क्षेत्र में विकसित हो सकें और एक संतुलित जीवन जी सकें। साथ ही उन्होंने अभिभावकों से अपील की वें बच्चों को सकारात्मक दृष्टिकोण रखने के लिए प्रोत्साहित करें, ताकि बच्चें चुनौतियों का सामना कर सकें और सफलता प्राप्त कर सकें। ये बातें उन्होंने बाल महोत्सव-2024 के विजेता बच्चों को पुरस्कृत करने हेतु जिला बाल कल्याण परिषद द्वारा पारितोषिक वितरण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता मण्डल बाल कल्याण अधिकारी कमलेश शास्त्री और जिला बाल कल्याण अधिकारी सुरेखा हुड्डा के द्वारा की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि हितेश कुमार मीणा ने बाल महोत्सव-2024 के 487 विजेता बच्चों को पुरस्कृत कर उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए अपनी शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में उन्होंने बाल महोत्सव-2024 के निर्णायक मंडल के सदस्यों को भी सम्मानित कर उनके योगदान की सराहना की।

हरियाणा में अवैध ट्रैवल एजेंटों पर शिकंजा कसेगी सरकार, नया कानून पारित

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने अवैध तरीकों से युवाओं को विदेश भेजने वाले ट्रैवल एजेंटों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विधानसभा में बताया कि अब तक 127 मामले दर्ज किए गए हैं और 102 एजेंटों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। आठ एजेंटों को गिरफ्तार भी किया गया है। विधानसभा में हरियाणा ट्रैवल एजेंटों का पंजीकरण और विनियमन विधेयक 2025 सर्वसम्मति से पारित किया गया। इस विधेयक का उद्देश्य ट्रैवल एजेंटों की गतिविधियों को विनियमित करना, उनकी पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना और युवाओं को उनके शोषण से बचाना है। इसमें ट्रैवल एजेंटों का अनिवार्य पंजीकरण, मानव तस्करी में शामिल एजेंटों के लिए 7 से 10 साल तक की जेल की सजा और विदेशी सहयोग विभाग का गठन, जो युवाओं को सुरक्षित रूप से विदेश भेजने में मदद करने जैसे प्रावधान किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह विधेयक युवाओं को अवैध एजेंटों के जाल में फंसने से बचाएगा और उन्हें सुरक्षित भविष्य प्रदान करेगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की भी सराहना की, जिसने यूक्रेन में फंसे

23,000 युवाओं को सुरक्षित भारत वापस लाया। हालांकि, विपक्षी दलों ने विधेयक के कुछ प्रावधानों पर सवाल उठाए हैं।

उनका तर्क है कि विधेयक में एजेंटों की जवाबदेही तय करने के लिए पर्याप्त प्रावधान नहीं हैं और यह युवाओं को शोषण से बचाने में पूरी तरह से सक्षम नहीं है। युवाओं का एक बड़ा वर्ग विदेश में बेहतर अवसरों की तलाश में है। हालांकि, अवैध एजेंट उन्हें गुमराह करते हैं और उन्हें असुरक्षित परिस्थितियों में भेजते हैं। सरकार का यह कदम युवाओं को इन एजेंटों के चंगुल में फंसने से बचाने में कितना कारगर होगा, यह देखना बाकी है।

दिनेश ओहलान एंटी करप्शन फाउंडेशन ऑफ इंडिया के जिला चेयरमैन नियुक्त

नेशनल सुप्रीमो नरेंद्र अरोड़ा ने सौंपा नियुक्ति पत्र

एजेंसी

करनाल। एंटी करप्शन फाउंडेशन ऑफ इंडिया के नेशनल सुप्रीमो नरेंद्र अरोड़ा ने हरियाणा प्रदेश टीम का विस्तार करते हुए झज्जर के युवा समाजसेवी दिनेश ओहलान को फाउंडेशन का जिला चेयरमैन झज्जर नियुक्त किया। नैशनल सुप्रीमो नरेन्द्र अरोड़ा एवं जिला चेयरमैन करनाल जोगिंद्र मान ने दिनेश ओहलान को नियुक्ति पत्र सौंपकर पद की गरिमा में रहकर भ्रष्टाचार उन्मूलन जागरूकता के लिए कार्य करने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर दिनेश ओहलान ने कहा कि वह अपने पद की गरिमा में रहकर फाउंडेशन के भ्रष्टाचार उन्मूलन जागरूकता के उद्देश्यों को जन जन तक लेकर जायेंगे और अपनी टीम का विस्तार करेंगे, उन्होंने कहा कि वह फाउंडेशन के चैरिटी प्रोजेक्ट में विशेष भूमिका निभाएंगे। इस अवसर पर नरेंद्र अरोड़ा ने कहा कि दिनेश ओहलान झज्जर के जाने माने युवा समाजसेवी हैं जोकि कई वर्षों से समाज सेवा के कार्य कर रहें हैं। एंटी करप्शन फाउंडेशन ऑफ इंडिया देशभर में अवेयरनेस अगेंस्ट करप्शन के लिए कार्य कर रहा है। फाउंडेशन की टीम देश के सभी राज्यों में स्थित है। सत्यनिष्ठा की शपथ दिलवाई जाती हैं एवं उनसे सत्यनिष्ठा की शपथ के फॉर्म भरवाएं जाते हैं। उन्होंने कहा कि

फाउंडेशन द्वारा करप्शन फ्री इंडिया अभियान के माध्यम से शिक्षण संस्थानों में करप्शन फ्री इंडिया शीर्षक पर भाषण,स्लोगन, ड्राइंग, निबंध आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं, हस्ताक्षर अभियान चलाए जाते हैं एवं सत्यनिष्ठा शपथ अभियान के माध्यम से लोगों को फाउंडेशन द्वारा देश भर में सच्चाई एवं ईमानदारी से जीवन जीने का संदेश प्रसारित किया जाता है। उन्होंने कहा कि एंटी करप्शन फाउंडेशन ऑफ इंडिया को भ्रष्टाचार उन्मूलन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड लंदन यूके द्वारा सम्मानित किया गया है ।

छात्रों को दी गई अपना व्यापार शुरू करने बारे जानकारी, स्टार्टअप विचारों का हुआ आदान-प्रदान : डॉ. रेखा त्यागी

पं. चिरंजीलाल शर्मा राजकीय महाविद्यालय में 'आईडिया कृति 7.0 का समापन

एजेंसी

करनाल। विद्यार्थियों को अपने खुद की स्टार्टअप कंपनी स्थापित करने तथा स्टार्टअप की दुनिया में नए आयाम स्थापित करने के उद्देश्य से पं. चिरंजीलाल शर्मा राजकीय महाविद्यालय में स्थित स्टार्टअप इनक्यूबेटर और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में स्टार्टअप इनक्यूबेटर के 7वां संस्करण के अंतर्गत 7 दिवसीय विशेष इवेंट आइडिया कृति 7.0 कार्यशाला का विधिवत समापन हुआ। समापन अवसर पर कॉलेज की प्रधानाचार्या डॉ. रेखा त्यागी ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस मौके पर कॉलेज की प्रधानाचार्या डॉ. रेखा त्यागी ने कहा कि वर्तमान युग प्रतिस्पर्धाओं का युग है, हर कोई व्यक्ति उंचाईयों को छूना चाहता है। इसके लिए पढ़ाई करना जरूरी है तथा साथ ही ऐसी कार्यशालाओं में बढ़-चढक़र भाग लेना चाहिए क्योकि ऐसी कार्यशालाओं में अपने खुद का व्यापार स्थापित करने के उद्देश्य से नई-नई तकनीकों की जानकारी मिलती है। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप इनक्यूबेटर की शुरुआत 2019 में

हुई थी और तब से यह कॉलेज के छात्रों को अपनी खुद की स्टार्टअप कंपनी स्थापित करने के लिए प्रेरित कर रहा है।

इस प्लेटफार्म पर कई छात्रों ने अपने विचारों को साकार किया है और बहुत से छात्र इसके माध्यम से अच्छा मुनाफा भी कमा रहे हैं।कार्यशाला में स्टार्टअप इनक्यूबेटर के सेंटर हेड डॉ. सुन्नत ग्रोवर ने बताया कि इस 7 दिवसीय कार्यशाला में छात्रों को व्यापार की मूलभूत अवधारणाओं से अवगत कराया गया है। प्रत्येक दिन कार्यशाला में छात्रों को नए-नए विषयों पर जानकारी दी गई है कि वें स्टार्टअप की दुनिया में कैसे अपनी खुद की कंपनी स्थापित कर सकतें है। इस कार्यशाला में अभिनव बठला द्वारा समस्या कथन सत्र, डॉ. पीपी अत्रेजा ने मूल्य प्रस्ताव सत्र, अभिनव अरोड़ा द्वारा बाजार अवसर सत्र, मोहित काम्बोज द्वारा बिजनेस मॉडल के नवास सत्र, मनमोहन सिंह द्वारा प्रभावी कहानी सत्र विषय पर जानकारी दी गई जबकि डॉ. सुभाष चंद्र और मैडम अंजली ग्रोवर द्वारा स्टार्टअप आइडिया प्रतियोगिता में विद्यार्थियों से विचार साझा किए गए। इस 7 दिवसीय कार्यशाला में 45 छात्र शामिल हुए, इनमें से 12 छात्रों ने अपने विचार प्रस्तुत किए। इस मौके पर स्टार्टअप इनक्यूबेटर के सेंटर हेड डॉ. सुन्नत ग्रोवर और मुस्कान मिन्हास द्वारा छात्रों का उद्यमशीलता पर मार्गदर्शन किया गया। इस मौके पर कई गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थें।

राज्य सरकार अवैध खनन पर अपना रही जीरो टोलरेंस नीतिः मुख्यमंत्री

संजय अरोड़ा

चंडीगढ़, 27 मार्च। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्य सरकार ने अवैध खनन के विरुद्ध जीरो टोलरेंस नीति अपनाई है और खनन की गतिविधियों को सुचारू करने के लिए हरियाणा माईनिंग जीआईएस पोर्टल विकसित किया है। परिणामस्वरूप सरकार के राजस्व में ब?ोतरी हुई है। मुख्यमंत्री आज यहां हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र में बजट अभिभाषण पर चर्चा के दौरान विपक्ष द्वारा उठाए गए अवैध खनन के मुद्दे पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि वर्तमान में राज्य में 42 खदानें अनुबंधों पर और पट्टों पर चल रही हैं, जिनसे लगभग 600 से 800 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त होता है। वर्ष 2024-25 में खनन क्षेत्र से 730 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं। यदि अवैध खनन होता तो इतनी राशि कैसे प्राप्त होती। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025 ङ्क 26 के लिए इस राजस्व राशि को बढ़ाकर 1400 करोड़ रुपये तक का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों के समय खनन के लाइसेंस जिले को एक इकाई मानकर बांटे जाते थे। इसमें अपने चहेतों को ही लाइसेन्स मिलते थे। उन्होंने सदन को अवगत कराया कि वर्ष 2009 से 2014 के बीच केवल 3 लाइसेंसधारियों को पूरे प्रदेश के खनन का काम सौंपा हुआ था। जबकि वर्तमान सरकार ने खनन में पारदर्शी प्रक्रिया अपनाई, खनन क्षेत्र को छोटे छोटे भागों में बांटा और ऑनलाइन आवेदन मांग कर इनका आवंटन किया। इस समय प्रदेश में खनन के 42 लाइसेंस दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले सरकार को बहुत कम राजस्व आता था। वर्ष 2005 से 2014 तक औसत सालाना लगभग 129 करो? रुपये का राजस्व मिला। जब वर्तमान सरकार ने पारदर्शिता से काम किया तो सालाना औसत राजस्व 391.95 प्रतिशत बढ़कर 637.52 करोड़ रुपये हो गया है। यह बढ़ोतरी अवैध खनन बंद होने के बाद वैध खनन बढ़ने के कारण हुई है उन्होंने कहा कि अवैध खनन पर लगातार सख्ती बरती जा रही है। अवैध खनन पर लगाया गया औसतन जुर्माना 4.73 करोड़ रुपये से बढ़कर 10.75 करोड़ रुपये हुआ है।

तावडू में बाइक व गाडी की भिडंत में बाइक चालक घायल, मामला दर्ज

तावडू। उपमंडल के गांव कलवाडी के समीप एक बाइक व गाडी की भिडंत में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने घायल बाइक चालक के भाई की शिकायत पर अज्ञात वाहन के चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। गांव जौरासी निवासी सुखीराम ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि उसका भाई मुकेश मिस्तुबा कंपनी पथरेडी में सीनीयर एसोसिएट के पद पर कार्यरत है। गत 26 फरवरी को प्रतिदिन की भांति प्रातः साढ़े 5 बजे कंपनी में बाईक पर जा रहा था। जब वह कलवाडी मोड के समीप बिलासपुर रोड की तरफ मुडा तो बिना संकेत व बिना रिफ्लेक्टर के एक गाडी खडी हुई थी।

देश की तीसरी अर्थव्यवस्था बनाने में उधमियों के साथ लोगों का अहम योगदान होगाः राव नरबीर सिंह

अम्बाला। हरियाणा के उद्योग, पर्यावरण एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने तथा देश की तीसरी अर्थव्यवस्था बनाने में उधमियों के साथ लोगों का अहम योगदान होगा। उद्यमी आयात को बढ़ाते हुए देश को आगे ले जाने में अपनी महत्वपूर्ण निभाए, उद्योग मंत्री बधुवार को किंगफिशर पर्यटन स्थल अंबाला शहर में लघु उद्योग भारती द्वारा उतर श्रेत्रीय सम्मेलन में बतौर मुख्यअतिथि पहुंचे थे और यह अभिव्यक्ति उन्होंने अपने संबोधन में कही। इस मौके पर उनके साथ पूर्व राज्यमंत्री असीम गोयल नन्यौला, भाजपा जिला अध्यक्ष मंदीप राणा, मेयर शैलजा सचदेवा, राष्ट्रीय संगठन मंत्री ओमप्रकाश गुप्ता, लघु उद्योग भारती के जिला अध्यक्ष विनोग बंसल व अन्य पदाधिकारीगण मौजूद रहे। इस अवसर पर लघु उद्योग भारती के पदाधिकारियों ने मुख्यअतिथि कैबिनेट मंत्री राव नरवीर सिंह व पूर्व राज्यमंत्री असीम गोयल नन्यौला को पर्यावरण का प्रतीक पौधा व स्मति चिंह भेटकर उनका अभिनंदन किया। उद्योग, पर्यावरण एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने इस मौके पर लघु उद्योग भारती द्वारा आयोजित कार्यक्रम में उन्हें आमंत्रित करने के लिए उनका आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है।

पानीपत के पुराने बस स्टैंड में इलेक्ट्रिक बस डिपो निर्माणाधीन, जुलाई - 2025 तक तैयार तैयार होने की संभावना - अनिल विज

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के परिवहन मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि पुराने बस स्टैंड, पानीपत में इलेक्ट्रिक बस डिपो निर्माणाधीन है जोकि जुलाई - 2025 तक इसके तैयार होने की संभावना है। डिपो के तैयार होने के बाद, शेष सभी 45 इलेक्ट्रिक बसें संचालित कर दी जाएंगी। श्री विज आज चंडीगढ़ में हरियाणा विधानसभा में चल रहे बजट सत्र में लगाए गए एक प्रश्न का उत्तर दे रहे थे।इसके अलावा, पानीपत शहर में मेट्रो सिटी से आए थ्री व्हीलर पॉल्यूशन और ट्रैफिक जाम का कारण बन रहे हैं और सदन में अनुरोध किया गया कि इन थ्री व्हीलर्स को ईंपाउंड किया जाए और गरीबों के हित को ध्यान में रखते हुए उन्हें सस्ती दरों पर लोन उपलब्ध करवाकर इलेक्ट्रिक थ्री व्हीकल खरीदने में सहायता दी जाए। इस पर परिवहन मंत्री श्री अनिल विज ने आश्वासन देते हुए बताया कि नियमों के तहत उचित कार्रवाई की जाएगी।

नकली नोट बनाने का गिरोह काबू

कुरुक्षेत्र। जिला पुलिस की अपराध शाखा-2 की टीम ने नकली नोट देने के बहाने लोगों के साथ धोखाधडी करने के आरोप में शैंकी निवासी अमलोहा, संजीव कुमार उर्फ रिंकू निवासी महमदपुर व राहुल निवासी गुदियानी जिला यमुनानगर को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार गत दिवस अपराध शाखा-2 प्रभारी निरीक्षक मोहन लाल की टीम बराडा चौंक शाहबाद पर मौजूद थी। पुलिस टीम को गुप्त सूचना मिली कि शैंकी, संजीव व राहुल अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर काफी समय से लोगों को डबल पैसे करने का झांसा देकर पैसे ऐंठ लेते हैं।आरोपी अपने हाथ की दस्तकारी से भोले-भाले लोगो को नकली नोट बनाने का नाटक दिखाकर नोट प्रयोग करने के लिये के लोगों को दे देते हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने एक डिकॉय भेजा तथा खुद अनाज मंडी शाहबाद के गेट पर पहुंचकर निगरानी शुरू की।

जिले में सड़क मार्गों से अवैध कट बंद किए जाएं व अतिक्रमण हटाया जाए : विश्राम कुमार मीणा

उपायुक्त व अतिरिक्त उपायुक्त प्रदीप सिंह मलिक की अध्यक्षता में जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की समीक्षा बैठक आयोजित

एजेंसी

नूंह। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि जिला से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्गों व अन्य सड़क मार्गों पर सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभाग जरूरी कार्यवाही करें। जिला में ब्लैक स्पॉट व अन्य एक्सीडेंट प्वाइंट चिन्हित कर वहां पर दुर्घटनाओं की संभावना को रोकने के लिए जरूरी कार्रवाई करें। सड़क मार्गों पर जहां भी अवैध कट बने हुए हैं, उन्हें जल्द बंद किया जाए तथा रोंग साइड व तेज स्पीड से चलने वाले वाहनों के चालान किए जाएं। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा बुधवार को लघु सचिवालय स्थित कांफ्रेंस हाल में जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति एवं सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी की मासिक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए अधिकारियों को निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति का मुख्य उद्देश्य आमजन सहित वाहन चालकों के सफर को सुरक्षित, सुगम व आरामदायक बनाना है, ताकि जिला

में सड़क मार्गों पर दुर्घटनाओं की सभी संभावनाओं को खत्म किया जा सके। उन्होंने बताया कि सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त प्रदीप सिंह मलिक ने कहा कि जिला में जहां अधिक दुर्घटनाएं घटित होती हैं, वहां पर विशेष ध्यान देकर आवश्यक कदम उठाते हुए दुर्घटनाओं में कमी लाई जाए। संबंधित एजेंसियां सड़कों पर स्पीड ब्रेकर बनवाने, अवैध कटों का बंद करवाने, पीली पट्टी लगवाने, साइन बोर्ड लगवाने सहित मार्किंग का कार्य पूरा करवाएं। उन्होंने सड़क मार्गों पर अतिक्रमण, अवैध निर्माण सहित अवैध होटल व ढाबों को हटवाने, रोड साइड रेलिंग लगवाने सहित जाम की समस्या से निजात दिलवाने व सड़कों पर पानी की निकासी करवाने के भी निर्देश दिए। पैचवर्क संबंधी कार्यों को समय-समय पर पूरा किया जाए तथा केएमपी पर बने गड्ढों का स्थाई समाधान किया जाए, ताकि सड़क दुर्घटनाओं की संभावना को खत्म किया जा सके। उन्होंने कहा कि हाइवे पर कहीं पर भी अनावश्यक रूप से ट्रकों को जमावड़ा नहीं होना चाहिए। सड़क के किनारे खड़े ट्रक दुर्घटना का कारण बनते हैं। अतिरिक्त उपायुक्त ने बताया कि गत तीन महीनों में एक्सप्रेस-वे पर करीब 12 हजार से अधिक तेज स्पीड के चालान किए गए हैं। इसी तरह के चालान अन्य सड़क मार्गों पर भी किए जाएं।

यातायात नियमों की अहवेलना करने वालों के अधिक से अधिक चालान किए जाएं। उन्होंने कहा कि दुर्घटना संभावित क्षेत्रों को चिन्हित कर सांकेतिक बोर्ड एवं निर्धारित गति सीमा को नियंत्रित करने के लिए गति अवरोधक लगाएं तथा दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में दुर्घटना रोकने के लिए विशेष ध्यान देना सुनिश्चित करें।

भिवानी रेलवे स्टेशन को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चयन सराहनीय कदम : किरण चौधरी

एजेंसी

भिवानी। राज्यसभा सांसद श्रीमती किरण चौधरी ने भिवानी रेलवे स्टेशन को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चयन करने पत्र लिखकर केंद्रीय रेल मंत्री का आभार व्यक्त किया है। राज्यसभा सांसद ने कहा कि रेल मंत्रालय द्वारा ये सराहनीय कदम है और इससे भिवानी तथा आसपास के क्षेत्र का सर्वांगीण विकास होगा। इससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। परिवहन के साथ-साथ आधुनिक बुनियादी ढांचे में भी विकास होगा। इससे सुविधाओं का आधुनिकीकरण होगा। राज्यसभा सांसद ने केंद्रीय रेल मंत्रालय को रेलवे स्टेशन के विकास और आमजन के हित के लिए रेल मंत्रालय को सुझाव दिए हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की है कि रेल मंत्रालय इन सुझाव पर सकारात्मक रूख रखते हुए अमल में लाए जाएंगे। राज्यसभा सांसद ने कहा कि इससे नए बुनियादी ढांचे के विकास के साथ, भिवानी स्टेशन को एक शहर के केंद्र के रूप में देखना आवश्यक है जो आर्थिक विकास को बढ़ावा देता है, रोजगार पैदा करता है और स्थानीय व्यवसायों को मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूहों, महिला उद्यमियों और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के व्यक्तियों को स्टेशन पर स्टॉल अलॉट की जाए ताकि इन वर्गों को फायदा मिलेगा। विकास और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देगा।उन्होंने रेल मंत्रालय को सुझाव दिया कि एक स्टेशन एक उत्पाद और जन औषधि केंद्र की पहल से स्थानीय कारीगरों और उद्यमियों को भी फायदा होगा। स्थानीय व्यवसायों को आर्थिक अवसर प्रदान करेगा और साथ ही सस्ती दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करेगा। स्टेशन पर स्वयं सहायता समूहों/महिलाओं के लिए खाद्य स्टाल - प्रस्तावित फूड कोर्ट में खाद्य स्टाल स्थापित करने से स्वयं सहायता समूहों और महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित करने से उनके आर्थिक सशक्तिकरण में सहायता मिलेगी उन्होंने कहा कि निर्दिष्ट पार्किंग व्यवस्था से भीड़भाड़ कम होगी, पहुंच में सुधार होगा और यात्री सुविधा बढ़ेगी। समर्पित ऑटो/रिक्शा/टैक्सी स्टैंड स्टेशन परिसर के भीतर ऑटो, रिक्शा और टैक्सियों के लिए एक निर्धारित क्षेत्र यात्रियों के लिए परेशानी मुक्त आवागमन का अनुभव सुनिश्चित करेगा।

उपायुक्त ने ली सडक़ सुरक्षा समिति एवं सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी को लेकर बैठक

नारनौल। सरकार के निर्देश अनुसार जिला महेंद्रगढ़ में सडक़ हादसों को रोकने तथा हादसों में घायल लोगों को तुरंत इलाज देने के लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। अब सडक़ हादसे में घायल कोई भी नागरिक प्राइवेट सूचीबद्ध अस्पतालों में 1.50 लाख रुपये तक कैशलेस इलाज का हकदार है। इसके लिए अस्पतालों को निर्देशित कर दिया गया है।

यह बात उपायुक्त डा. विवेक भारती ने आज लघु सचिवालय में सडक़ सुरक्षा समिति एवं सुरक्षित स्कूल वाहन पालिसी की मासिक समीक्षा बैठक के दौरान कहीं। उन्होंने बताया कि पुलिस द्वारा लगातार यातायात नियमों की अवहेलना करने वालों के चालान काटे जा रहे हैं, ताकि सडक़ दुर्घटनाओं पर अंकुश लगे और वाहन चालकों का सुरक्षित सफर सुनिश्चित हो। उन्होंने सडक़ हादसों में घायल नागरिकों को कैशलेस की योजना के बारे में जागरूकता बढ़ाने और अस्पतालों को इसका सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए। डीसी ने बारी-बारी से सभी एजेंडों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने जिले में सडक़ दुर्घटना संभावित जगहों की पहचान कर उन्हें ठीक करने के लिए संबंधित विभागों को निर्देश दिए। इस दौरान सचिव आरटीए मनोज कुमार ने बताया कि फरवरी माह में आरटीए की तरफ से 276 स्कूल बसों की चेकिंग की गई। इनमें 36 बसों के चालान किए गए। इसी प्रकार ट्रैफिक पुलिस की ओर से 203 स्कूल बसों की चेकिंग की गई। इनमें 6 के चालान किए गए। इस बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त डा. आनंद कुमार शर्मा, नगर परिषद चेयरपर्सन कमलेश सैनी, नांगल चौधरी के एसडीएम मनोज कुमार, कनीना के एसडीएम डॉक्टर जितेंद्र सिंह, नारनौल के एसडीएम रमित यादव, डीएसपी सुरेश कुमार, नगराधीश मंजीत कुमार तथा सीएमओ डॉ अशोक कुमार के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

NAME CHANGE

I, hitherto known as SUNITA D/o RAM SINGH W/o JAI BHAGWAN SHARMA residing at House No. 553, Upper Ground Floor, Sector 9A, Gurgaon, PO: Gurgaon, Dist: Gurgaon, Haryana - 122001 have changed my name and shall hereafter be known as SUNITA SHARMA.

रिलायंस फाउंडेशन और यूएन इंडिया सम्मेलन में अर्ली वार्निंग सिस्टम को मजबूत करने पर जोर

इंदौर।

भुज (गुजरात)। रिलायंस फाउंडेशन और संयुक्त राष्ट्र भारत द्वारा मंगलवार को भुज के स्मृति वन भूकंप संग्रहालय में आयोजित सम्मेलन में विशेषज्ञों ने आपदा प्रबंधन को मजबूत करने और अर्ली वार्निंग सिस्टम को प्रभावी बनाने पर जोर दिया। 'अर्ली वार्निंग एंड अर्ली एक्शन - मल्टी-हैज़र्ड, मल्टी-स्टेकहोल्डर अप्रोच' विषय पर हुए इस सम्मेलन में गुजरात सहित विभिन्न राज्यों और वैश्विक दक्षिण के देशों के विशेषज्ञों ने भाग लिया। गुजरात सरकार की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. जयंती एस. रवि ने कहा, ÷कच्छ ने कई आपदाओं का सामना किया है, लेकिन यहां के लोगों की संकल्प शक्ति प्रेरणादायक है। हमारा लक्ष्य स्मृति वन को मल्टी-हैज़र्ड प्रशिक्षण केंद्र के रूप में विकसित करना है।' रिलायंस फाउंडेशन के मुख्य विकास अधिकारी सुदर्शन सुची ने कहा, समुदायों को सशक्त बनाने के लिए हम प्रौद्योगिकी और डेटा का उपयोग कर रहे हैं। रिलायंस की 'वी केयर' नीति हमारी आपदा प्रबंधन के प्रति प्रतिबद्धता दर्शाती है। गुजरात राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सीईओ आईएएस अनुपम आनंद ने कहा कि राज्य में प्रभावी समन्वय के कारण आपदाओं में शून्य हताहत सुनिश्चित किए गए हैं। संयुक्त राष्ट्र के रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर शोंबी शार्प ने कहा, 2050 तक 1.2 अरब लोग आपदाओं के कारण विस्थापित हो सकते हैं।

बीएलएस इंटरनेशनल ने स्पेन में भारतीय दूतावास से किया करार

नई दिल्ली। वीजा प्रोसेसिंग और कांसुलर सेवाओं में अग्रणी कंपनी बीएलएस इंटरनेशनल ने स्पेन में भारतीय दूतावास के साथ एक महत्वपूर्ण अनुबंध पर हस्ताक्षर कर मैड्रिड, बार्सिलोना और टेनेरिफ में तीन नए भारतीय कांसुलर आवेदन केंद्र खोलने की घोषणा की है। कंपनी ने जारी बयान में कहा कि यह विस्तार कांसुलर सेवाओं को और सुलभ बनाने के उसके मिशन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। ये नए केंद्र पासपोर्ट सेवाएं, ओसीआई (भारत के विदेशी नागरिक) कार्ड, वीजा आवेदन और अन्य कांसुलर सुविधाओं के साथ-साथ विशेष सेवाएं जैसे ग्लोबल एंट्री प्रोग्राम (जीईपी) सत्यापन, पुलिस क्लीयरेंस सर्टिफिकेट (पीसीसी), भारतीय नागरिकता त्याग के लिए प्रमाण पत्र और सत्यापन सेवाएं प्रदान करेंगे। कंपनी के संयुक्त प्रबंध निदेशक शिखर अग्रवाल ने इस उपलब्धि पर कहा, हमारा लक्ष्य उत्कृष्टता की खोज और विश्वास के साथ सीमाओं को जोड़ना है। ये नए केंद्र प्रत्येक आवेदक के लिए कांसुलर अनुभव को बेहतर बनाने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं। लोगों के करीब सेवाएं पहुंचाकर हम वैश्विक गतिशीलता को सहज बनाने के अपने वादे को पूरा कर रहे हैं। स्पेन में यह रणनीतिक विस्तार बीएलएस इंटरनेशनल के वैश्विक कांसुलर समाधान प्रदान करने के व्यापक विजन का हिस्सा है। कंपनी की तकनीकी विशेषज्ञता और समर्पण यह सुनिश्चित करता है कि आवेदकों को तेज, सुरक्षित और संतुष्टिजनक सेवाएं मिलें।

एनबीसीसी और महाप्रीट ने 25000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं के लिए किया करार

मुंबई। देश की प्रमुख बुनियादी ढांचा कंपनी एनबीसीसी (इंडिया) ने महाराष्ट्र में 25 हजार करोड़ रुपये की आवासीय और शहरी परियोजनाओं के लिए महात्मा फुले अक्षय ऊर्जा और बुनियादी ढांचा प्रौद्योगिकी (महाप्रीट) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी ने बयान जारी कर बताया कि इस सहयोग का लक्ष्य परामर्श, शुल्क-आधारित, ईपीसी (इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण) और पुनर्विकास परियोजनाओं को शुरू से अंत तक संयुक्त रूप से पूरा करना है। एनबीसीसी ने कहा कि दिल्ली में अपने सफल पुनर्विकास अनुभव के बाद अब वह पहली बार महाराष्ट्र में इस क्षेत्र में कदम रख रही है, जिससे राज्य के शहरी परिदृश्य में बदलाव की उम्मीद है।इस साझेदारी के तहत ठाणे नगर निगम में क्लस्टर विकास, डेटा सेंटर, नवीकरणीय ऊर्जा पहल, मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में झुग्गी पुनर्वास और प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) के तहत किफायती आवास जैसी प्रमुख परियोजनाओं पर काम होगा। एनबीसीसी के अनुसार, ÷इन 25 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाओं को अगले तीन से पांच वर्षों में चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा।

विप्रो को ब्रिटेन के बीमा करोबारी समूह फीनिक्स से 50 करोड़ पौंड का ठेका

बेंगलुरु। विप्रो लिमिटेड को पेंशन को एवं दीर्घकालिक बचत का करोबार करने वाले ब्रिटेन के दिग्गज कंपनी समूह- फीनिक्स से 50 करोड़ पौंड का एक 10-वर्षीय अनुबंध प्राप्त हुआ है। कंपनी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि यह करार 10 वर्ष के लिए है और एक रणनीतिक सौदा है। विप्रो इसके तहत फीनिक्स के पुनर्बीमा कारोबार में जीवन बीमा और पेंशन संबंधी व्यवसायों के व्यावसायिक प्रशान के लिए सूचना प्रौद्योगिकी सेवाओं से संबंधित है। कंपनी का कहना है कि इससे फीनिक्स ग्रुप के परिचालन में बदलाव को गति देने के लिए डिज़ाइन की गई है। फीनिक्स ग्रुप के मुख्य अधिशासी (सीईओ) एंडी ब्रिग्स ने कहा, प्रौद्योगिकी और सेवा में विप्रो की विशेषज्ञता उन्हें हमारे रीएश्योर (पुनर्बीमा) ग्राहकों को उनकी सेवानिवृत्ति की यात्रा में उत्कृष्ट सेवा और मूल्य प्रदान करने में हमारी मदद करने के लिए आदर्श बनाती है।

बेंगलुरु की टेक कंपनियों को भाया छत्तीसगढ़, 3700 करोड़ से अधिक के हुए करार

एजेंसी

रायपुर/ बेंगलुरू। देश की सिलिकॉन वैली के रूप में प्रसिद्ध बेंगलुरु की कई बड़ी टेक कंपनियों ने छत्तीसगढ़ में निवेश को लेकर रूचि दिखाई है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बुधवार को बेंगलुरु में आयोजित इन्वेस्टर कनेक्ट मीट में देश के शीर्ष उद्योगपतियों और बिजनेस लीडर्स से संवाद कर राज्य में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा की। इस दौरान इंजीनियरिंग, टेक्सटाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी-आईटीईएस, खाद्य प्रसंस्करण और ग्रीन फ्यूल जैसे क्षेत्रों के कई बड़ी कम्पनियों ने 3700 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव सौंपें हैं। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ सरकार ने आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर में निवेश को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नैसकॉम, इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स एंड सेमीकंडक्टर एसोसिएशन (आईईएसए) और द इंडस एंटरप्रेन्योर्स (टाई) बैंगलोर के साथ महत्वपूर्ण एमओयू भी साइन किए हैं। सम्मेलन में मुख्यमंत्री साय ने राज्य

में निवेश के लिए आमंत्रित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ निवेश और उद्योगों के लिए देश के सबसे उभरते हुए राज्यों में से एक है। देश के सबसे समृद्ध खनिज संसाधन, सेंट्रल इंडिया की शानदार लोकेशन और कनेक्टिविटी के लाभ के साथ ही छत्तीसगढ़ में भरपूर बिजली-पानी, मानव संसाधन जैसी बुनियादी सुविधाएं हैं। डिजिटल टेक्नोलॉजी से छत्तीसगढ़ सुशासन का मॉडल स्टेट बन रहा है। सरकार ने अब निवेश के लिए कागजी झंझट खत्म कर दिया है। बस एक क्लिक में एनओसी मिलेगी और फैसला भी डिजिटल तरीके से होगा। नई औद्योगिक नीति से निवेश प्रक्रिया को आसान और पारदर्शी बनाया गया है। उन्होंने बताया कि नई उद्योग नीति में निवेश एवं रोजगार के अवसरों में वृद्धि के लिए एक हजार करोड़ रुपये अथवा एक हजार लोगों को रोजगार देने वाले उद्योगों को बी-स्पोक नीति का अवसर प्रदान किया गया है। इस नीति में 30 से 50 प्रतिशत तक एवं 200 से 450 करोड़ रुपये तक स्थायी पूंजी निवेश की प्रतिपूर्ति का प्रावधान किया गया है। पांच से 12 वर्ष तक नेट एसजीएसटी प्रतिपूर्ति, रोजगार एवं ईपीएफ प्रतिपूर्ति तथा प्रशिक्षण व्यय की प्रतिपूर्ति के लिए आकर्षक प्रावधान किये गये हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि नई औद्योगिक नीति में हमने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, रोबोटिक्स, कंप्यूटिंग, ग्रीन हाइड्रोजन जैसे क्षेत्रों में निवेश के लिए आकर्षक प्रावधान रखे गये हैं। इसके साथ ही इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रानिक्स, फार्मा, टैक्सटाइल, फूड एंड एग्रो प्रोसेसिंग जैसे क्षेत्रों में भी विशेष रियायत दी गई है।

भारती एयरटेल ने 5,985 करोड़ रुपये की स्पेक्ट्रम देनदारियों का किया भुगतान

एजेंसी

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल लिमिटेड और इसकी सहायक कंपनी भारती हेक्साकॉम लिमिटेड ने उच्च ब?याज वाली 5,985 करोड़ रुपये की स्पेक्ट्रम देनदारी का भुगतान दूरसंचार विभाग (डॉट) को कर दिया है। एयरटेल ने एक बयान में कहा कि दूरसंचार विभाग को अतिरिक्त 5,985 करोड़ का भुगतान किया गया है, जिससे 2024 की नीलामी से संबंधित 8.65 फीसदी की उच्च लागत वाली ब्याज देनदारियों का पूरा भुगतान हो गया है। एयरटेल की सहायक कंपनी नेटवर्क आई2आई लिमिटेड ने भी स्वेच्छा से एक अरब डॉलर के परपेचुअल नोट्स मंगाए और भुनाए हैं।

दूरसंचार कंपनी ने बताया कि हालिया भुगतान के साथ एयरटेल ने अब चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए उच्च लागत वाली स्पेक्ट्रम देनदारियों के 25,981 करोड़ रुपये का प्रीपेड भुगतान कर दिया है। इसके साथ कंपनी ने अबतक संचयी रूप से स्पेक्ट्रम देनदारी के मद में 66,665 करोड़ रुपये का भुगतान किया है। कंपनी के मुताबिक एयरटेल ने अपनी उच्च लागत वाली स्पेक्ट्रम देनदारियों का पूर्व भुगतान जारी रखा है, जिससे उसका कर्ज और कर्ज की लागत कम हो रही है।

सर्राफा बाजार में तेजी से महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। लगातार तीन दिन की गिरावट के बाद घरेलू सर्राफा बाजार में आज मजबूती नजर आ रही है। आज के कारोबार में सोना और चांदी दोनों चमकीली धातुओं की कीमत में उछला आया है। सोना आज 120 रुपये से लेकर 130 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। आज की तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 89,410 रुपये से लेकर 89,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 81,960 रुपये से लेकर 82,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,02,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 89,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 82,110 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 89,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 81,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 89,460 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 82,010 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 89,410 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 81,960 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 89,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 81,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 89,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 82,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 89,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 82,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 89,560 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 82,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 89,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 81,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

मदर डेयरी ने पेश किया उच्च प्रोटीनयुक्त दूध, कीमत 70 रुपये प्रति लीटर

एजेंसी

नई दिल्ली। मदर डेयरी ने प्रोटीन से भरपूर दूध उत्पाद 'प्रोमिल्क' लॉन्च किया है, जिसकी कीमत 70 रुपये प्रति लीटर है। यह उत्पाद दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में प्रोटीन की कमी से जूझ रहे लोगों को ध्यान में रखकर बनाया है। मदर डेयरी का ये नया उत?पाद गुरुवार से ऑफलाइन और ऑनलाइन खुदरा दुकानों के माध्यम से 500 मिली और एक लीटर की पैकेजिंग में उपलब्ध होगा। कंपनी ने जारी एक बयान में कहा कि मदर डेयरी ने दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में प्रोटीन की कमी वाली आबादी को लक्षित करते हुए 70 रुपये प्रति लीटर की कीमत वाला प्रोटीन युक्त दूध उत्पाद 'प्रोमिल्क' पेश किया है। गाय के दूध वाले इस नए उत्पाद में प्रति लीटर 40 ग्राम प्रोटीन, चार फीसदी वसा और 11.5 फीसदी ठोस-वसा-नहीं (एसएनएफ) है, जो विटामिन-ए और डी से भरपूर है। मदर डेयरी के प्रबंध निदेशक (एमडी) मनीष बंदलिश ने कहा कि इस उत्पाद का उद्देश्य पोषण संबंधी चुनौतियों का समाधान करना है। उन्होंने कहा कि 70-80 फीसदी भारतीय दैनिक प्रोटीन की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संघर्ष करते हैं, तथा 93 फीसदी लोग अपनी पोषण संबंधी जरूरतों से अनभिज्ञ हैं। बंदलिश ने लॉन्चिंग के अवसर पर कहा कि प्रोटीन संतुलित आहार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने कहा कि 'प्रोमिल्क' मानक दूध की तुलना में 30 फीसदी अधिक प्रोटीन प्रदान करता है, जो परिचित स्वाद को बनाए रखते हुए एक सुविधाजनक पोषण समाधान प्रदान करता है। कंपनी का प्रारंभिक लक्ष्य प्रतिदिन 50 हजार लीटर है। बंदलिश ने कहा कि शुरुआती बाजार

प्रतिक्रिया के आधार पर दिल्ली-एनसीआर से आगे विस्तार करने की योजना है। मदर डेयरी तीन महीने के भीतर दही और पनीर जैसे अतिरिक्त 'प्रो' रेंज के उत्पाद पेश करने का भी इरादा रखती है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड की एक सहायक कंपनी, मदर डेयरी 12 राज्यों के 10 लाख किसानों से दूध एकत्र करती है। यह कंपनी देशभर में 4 लाख खुदरा दुकानों का संचालन करती है।

वाणिज्यिक कोयला खदानों की 12वें दौर की नीलामी की शुरुआत आज

एजेंसी

नई दिल्ली। कोयला मंत्रालय 28 को वाणिज्यिक खदानों की नीलामी के 12वें दौर की शुरुआत करेगा। इस नीलामी में 25 कोयला ब्लॉक को बिक्री के लिए रखा जाएगा। यह पहल देश में घरेलू कोयला उत्पादन बढ़ाने, आयात निर्भरता कम करने और दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कोयला मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि मंत्रालय 27 मार्च को वाणिज्यिक कोयला खदान नीलामी के 12वें चरण की शुरुआत करने जा रहा है। इस अवसर पर केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी मुख्य अतिथि होंगे, जबकि केंद्रीय राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। मंत्रालय के मुताबिक नीलामी के 12वें दौर के

तहत कुल 25 कोयला खदानों की पेशकश की जा रही है, जिनमें से सीएमएसपी (कोयला खदान (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 2015) के तहत 7 खदानें और एमएमडीआर (खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1957) के तहत 18 खदानें शामिल हैं।'' इनमें से 2 लिग्नाइट खदानें भी शामिल हैं, जो विभिन्न ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में सहायक होंगी। इसके अलावा 13 कोयला खदानें पूरी तरह से खोजी जा चुकी हैं, जबकि 12 आंशिक रूप से खोजी गई हैं, जिससे तत्काल और भविष्य के विकास दोनों के लिए अवसर मिलेंगे। इसके अलावा नीलामी के 11वें दौर के दूसरे प्रयास के तहत कोयला मंत्रालय एमएमडीआर अधिनियम के अंतर्गत तीन आंशिक रूप से खोजी गई कोयला खदानों की पेशकश कर रहा है, जिससे निवेशकों को महत्वपूर्ण अवसर मिलेंगे और घरेलू कोयला उत्पादन एवं ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ावा मिलेगा। वाणिज्यिक कोयला खदान नीलामी के 12वें चरण से घरेलू और अंतरराष्ट्रीय निवेशकों की बड़ी भागीदारी की उम्मीद है।

विनियमनों से वित्तीय समावेश में अनपेक्षित बाधाएं उत्पन्न नहीं होनी चाहिए: संजय मल्होत्रा

नई दिल्ली/मुंबई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि विनियमनों को वित्तीय समावेशन को गहरा करने के लिए अनपेक्षित अवरोध पैदा नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि वैध गतिविधियों को रोका नहीं जाना चाहिए। मल्होत्रा ने नियामकों के लिए चेतावनी भी दी। आरबीआई गवर्नर ने यहां वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ)) के कार्यक्रम में कहा कि मनी लॉन्ड्रिंग के बदलते पारिदृश्य में नियामकों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग (एमएल) आदि के जरिए असेसमेंट फ्रेमवर्क को लगातार मजबूत करना चाहिए।

मल्होत्रा ने कहा कि नीति निर्माताओं को भी सावधान रहना चाहिए और अपने उपायों के साथ अति उत्साही नहीं होना चाहिए, वैध गतिविधियों को दबाया नहीं जाना चाहिए। मल्होत्रा ने केंद्रीय बैंकों से वित्तीय दुनिया में नवीनतम रुझानों और विकास को समझने का भी आग्रह किया, जिसका आपराधिक तत्वों द्वारा फायदा उठाया जा सकता है। मल्होत्रा ने कहा कि भारत ने वित्तीय समावेशन पर पर्याप्त प्रगति की है। अब 94 फीसदी वयस्कों के पास बैंक खाता है।उल्लेखनीय है कि वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ)) एक अंतर-सरकारी संगठन है, जो मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवादी वित्तपोषण को रोकने के लिए भी काम करता है। इसके फ्रेंच नाम, ग्रुप डी एक्शन फाइनेंसियर (जीएएफआई) से भी जाना जाता है। इसे 1989 में जी-7 द्वारा स्थापित किया गया था।

पर्यटन क्षेत्र भारत की जीडीपी में बहुत बड़ा योगदानकर्ता बन सकता है : गजेंद्र सिंह शेखावत

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने की अपील करते हुए आज कहा कि यह क्षेत्र आने वाले वर्षों में भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि में सबसे बड़ा योगदान दे सकता है। श्री शेखावत ने यहां फेडरेशन ऑफ होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन्स ऑफ इंडिया (एफएचआरएआई) के पर्यटन सतत शिखर सम्मेलन 2025 में कहा कि पर्यटन क्षेत्र आने वाले वर्षों में भारत की जीडीपी वृद्धि में सबसे बड़ा योगदान दे सकता है। उन्होंने उद्योग के हितधारकों से इस क्षेत्र को बड़े पैमाने पर बढ़ाने की अपील की। केंद्रीय मंत्री ने कहा, ÷पर्यटन हमारे देश का विकास इंजन है। भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है और पर्यटन में भी उसी रफ्तार से आगे बढ़ने की अपार संभावनाएं हैं।÷ उन्होंने वैश्विक मंच पर भारत की बढ़ती पहचान का उल्लेख करते हुए कहा कि दावोस सम्मेलन में चर्चा हुई थी कि अगले आठ वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था दोगुनी हो सकती है। श्री शेखावत ने हालांकि जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों पर चिंता जताई और कहा, जलवायु परिवर्तन हमारे सामने खड़ा है- ग्लेशियर सिकुड़ रहे हैं और हमें तुरंत कदम उठाने होंगे। उन्होंने उद्योग से इस मुद्दे पर गंभीर विचार-मंथन और जिम्मेदारी लेने का आग्रह करते हुए कहा, ÷हमें अपने लक्ष्य तय कर उनके अनुसार काम करना होगा तभी हम सफल होंगे। इस मौके पर पर्यटन मंत्रालय के अपर सचिव सुमन बिल्ला ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर्यटन क्षेत्र को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकती है क्योंकि पर्यटक अब ऐप-आधारित सेवाओं का खूब इस्तेमाल कर रहे हैं। भारत वर्ष 2047 तक पर्यटन में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा देश बनना चाहता है। हमें अतुल्य भारत को वैश्विक मानकों के अनुरूप ढालना होगा। श्री बिल्ला ने सवाल उठाया कि क्या हम सिर्फ बड़े होने की ओर बढ़ रहे हैं या सतत और बेहतर विकास की दिशा में कदम उठा रहे हैं। अनियंत्रित पर्यटन से सांस्कृतिक नुकसान हो सकता है। हमें अपनी विरासत को मजबूत करते हुए पर्यटन को बढ़ाना होगा। उन्होंने मिशन लाइफ पर जोर देते हुए कहा कि यह बिना सोचे-समझे उपभोग से सचेत जीवनशैली की ओर बढ़ने का आह्वान है। उन्होंने उद्योग से स्थानीय शिल्प को बढ़ावा देने, जलवायु-अनुकूल मॉडल अपनाने और समुदायों को शामिल करने की अपील की और कहा, ÷हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि परियोजनाएं रोजगार, आजीविका और समुदायों की भागीदारी को बढ़ाएं। मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग के प्रधान सचिव शिव शंकर शुक्ला ने बताया कि राज्य में 14 यूनेस्को स्थल, 25 प्रतिशत वन क्षेत्र, 12 राष्ट्रीय उद्यान और दो ज्योतिर्लिंग हैं, जो इसे पर्यटकों के लिए खास बनाते हैं। नर्मदा नदी पर बने बांधों और सांस्कृतिक विविधता के कारण पर्यटकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। राज्य सरकार ग्रामीण और आदिवासी पर्यटन को बढ़ावा दे रही है, जिसमें होमस्टे और 50 नए पर्यटन स्थल शामिल हैं।

मारुति हरियाणा के खरखौदा में तीसरा संयंत्र लगाने के लिए 7410 करोड़ का करेगी निवेश

नई दिल्ली। कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) के निदेशक मंडल ने हरियाणा के खरखौदा में तीसरा संयंत्र स्थापित करने के लिए 7410 करोड़ रुपये के निवेश को मंजूरी दे दी है। इससे कंपनी के उत्पादन में प्रति वर्ष 2.5 लाख वाहन जुड़ जाएंगे मारुति सुजुकी इंडिया ने शेयर बाजार को नियामक फाइलिंग में दी जानकारी में बताया कि कंपनी के बोर्ड ने खरखौदा में तीसरा प्लांट लगाने को अपनी मंजूरी दे दी है। इसके लिए 7410 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। इस नई सुविधा से कंपनी के उत्पादन में प्रति वर्ष 2.5 लाख वाहन जुड़ जाएंगे। प्रस्तावित संयंत्र के 2029 तक पूरा होने की उम्मीद है। कंपनी ने कहा कि खरखौदा में मौजूदा उत्पादन क्षमता 2.5 लाख इकाई प्रति वर्ष है, जबकि 2.5 लाख इकाई सालाना उत्पादन क्षमता वाला एक और संयंत्र निर्माणाधीन है।

खरखौदा में 2.5 लाख वाहन प्रति वर्ष क्षमता वाले तीसरे संयंत्र की स्थापना के साथ वाहनों की उत्पादन सालाना 7.5 लाख इकाई तक पहुंचने की संभावना है।मारुति सुजुकी इंडिया ने कहा है कि वह यह निवेश आंतरिक स्रोतों से करेगी। खरखौदा में तीसरे संयंत्र की स्थापना की मुख्य वजह निर्यात सहित बाजार की मांग में वृद्धि है।

पूर्व ईडी प्रमुख संजय कुमार मिश्रा प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य नियुक्त

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के पूर्व प्रमुख संजय कुमार मिश्रा को प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद का पूर्णकालिक सदस्य नियुक्त किया है। संजय कुमार मिश्रा को सचिव स्तर का दर्जा दिया गया है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि सरकार ने मंगलवार को ईडी के पूर्व निदेशक संजय कुमार मिश्रा को प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद का पूर्णकालिक सदस्य नियुक्त करने को अपनी मंजूरी दे दी। उन्हें सचिव स्तर का दर्जा दिया है। मिश्रा 1984 बैच के सेवानिवृत्त आईआरएस अधिकारी हैं। उन्होंने आयकर विभाग और प्रवर्तन निदेशालय में लंबा कार्यकाल बिताया है। अब वे जांच एजेंसी की भूमिका से हटकर नीति निर्धारण की भूमिका में आ गए हैं। आर्थिक सलाहकार परिषद एक स्वतंत्र संस्था है, जो प्रधानमंत्री को आर्थिक और उससे जुड़े मुद्दों पर सलाह देने का काम करती है।उल्लेखनीय है कि मिश्रा को सबसे पहले 2018 में ईडी प्रमुख नियुक्त किया गया था। उन्हें केंद्र द्वारा कई बार सेवा विस्तार दिया गया था। उनके कार्यकाल के दौरान ईडी को विजय माल्या, नीरव मोदी और हथियार डीलर संजय भंडारी जैसे भगोड़ों के प्रत्यर्पण की मंजूरी मिली। ईडी ने मिश्रा के कार्यकाल के दौरान कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा के पति रॉबर्ट वाड्रा सहित प्रमुख राजनीतिक हस्तियों से जुड़ी जांच शुरू की।

स्टॉक मार्केट में जारी तेजी पर लगा ब्रेक, गिरावट के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में पिछले 7 कारोबारी दिन से जारी तेजी का सिलसिला आज थम गया। आज के कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक गिरावट का शिकार हो गए। अमेरिका की टैरिफ पॉलिसी को लेकर लगातार बढ़ती अनिश्चितता के कारण आज बाजार में नकारात्मक माहौल बना रहा, जिसकी वजह से निवेशकों ने लगातार बिकवाली करके दबाव की स्थिति बना दी। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.93 प्रतिशत और निफ्टी 0.77 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए।आज दिनभर के कारोबार के दौरान आईटी, फार्मास्यूटिकल और एनर्जी सेक्टर में लगातार बिकवाली होती रही। इसी तरह बैंकिंग, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, एफएमसीजी, मेटल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, ऑयल एंड गैस और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, ऑटोमोबाइल और कैपिटल गुड्स सेक्टर के कुछ चुनिंदा शेयरों में खरीदारी होती रही। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.67 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.45 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में साढ़े तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 411.43 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन मंगलयानी वार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 414.94 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 3.51 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,143 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 922 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 3,114 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 107 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,619 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 485 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 2,134 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 5 शेयर बढ़त के साथ और 25 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 9 शेयर हरे निशान में और 41 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 4.26 अंक की सांकेतिक तेजी के साथ 78,021.45 अंक के स्तर पर खुला। पहले 10 मिनट के कारोबार में ही खरीदारी के सपोर्ट से यह सूचकांक 150.68 अंक उछल कर 78,167.87 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक ने थोड़ी ही देर में लाल निशान में गोता लगा दिया। लगातार हो रही बिकवाली के दबाव की वजह से शाम 3 के करीब यह सूचकांक ऊपरी स्तर से 970 अंक से ज्यादा टूट कर 822.97 अंक की कमजोरी के साथ 77,194.22 अंक तक गिर गया।

कारोबार के आखिरी वक्त में दिन के सौदों के निपटारे के कारण हुई खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स निचले स्तर से करीब 100 अंक की रिकवरी करके 728.69 अंक की गिरावट के साथ 77,288.50 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

मखाने से 10 मिनट में बनाएं ये टेस्टी चीजें, सेहत के लिए भी फायदेमंद

मखाना जिसे ÷फॉक्स नट्स÷ के नाम से भी जाना जाता है. मखाना न केवल स्वाद में लाजवाब होता है, बल्कि ये सेहत के लिए भी तरह से फायदेमंद होता है. मखाना में कैल्शियम, मैग्नीशियम, आयरन और फास्फोरस के साथ ही प्रोटीन और फाइबर जैसे पोषक तत्व भी अच्छी मात्रा में पाए जाते हैं. इसमें कैलोरी कम होती है. ये सेहत के लिए कई तरह से फायदेमंद हो सकता है.

मखाना में कैलोरी कम और फाइबर ज्यादा होता है, जिससे यह वजन कम करने में मदद करता है, फाइबर युक्त आहार पेट को लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराता है, जिससे ज्यादा खाने की इच्छा कम होती है. ये पाचन के लिए भी सही होता है. इसके अलावा इसमें कैल्शियम और फास्फोरस होता है, जो हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है. मखाने को ज्यादातर लोग दूध के साथ खाना पसंद करते हैं , लेकिन आप इसे बहुत ही स्वादिष्ट चीजें बनाकर स्नैक्स की तरह भी खा सकते हैं.

रोस्टेड मखाना

सबसे आसान तरीका है मखाने को एक पैन में इसका रंग सुनहरा होने तक भून लें. इसमें आप ऊपर से नमक भी डालकर खा सकते हैं. मखाने को रोस्ट करने के लिए कई लोग देसी घी का भी उपयोग कर सकते हैं. आप अपनी पसंद के मुताबिक इसे रोस्ट कर इस सिंपल या फिर इसपर नमक और चाट मसाला डालकर चटपटा बनाकर उसे खा सकते हैं.

मखाना रायता

मखाने को तवे पर हल्का सा भून लें. अब एक बाउल में दही डालें और उसमें चाट मसाला, जीरा पाउडर, नमक और हरी मिर्च डालकर अच्छे से मिला लें. भुने मखाने साथ ही बारीक कटे हुए प्याज, टमाटर और हरे धनिया को इस दही में डालें. अच्छे से मिक्स करें और ऊपर से थोड़ा चाट मसाला छिड़कें. लीजिए तैयार है मखाना रायता, इसे स्नैक्स की तरह भी खाया जा सकता है.

मखाना और ड्राई फ्रूट्स

एक पैन में घी डालकर उसमें मखाने भून लें और इसे एक प्लेट में निकाल लें. इसके बाद फिर इसी तरह से मूंगफली को भून लें. अब पैन में घी डालकर काजू, बादाम, करी पत्ता और ड्राई कोकोनट डालकर भूनें. इसके बाद इसमें किशमिश डालें. अब इसमें भुनी हुई मूंगफली और मखाने डालकर अच्छे से मिक्स करें. अब इसमें नमक और काली मिर्च पाउडर डालकर अच्छे से मिक्स करें. लीजिए बनकर तैयार है मखाना और ड्राई फ्रूट्स की हेल्दी और टेस्टी नमकीन.

मखाना सलाद

मखाना सलाद भी एक स्वादिष्ट और हेल्दी स्नैक्स ऑप्शन है. इसे बनाने के लिए सबसे पहले तो मखाने को हल्का सा भून लें. इसके बाद ककड़ी, टमाटर, हरा धनिया, नींबू का रस, काली मिर्च और नमक डालकर अच्छे से मिला लें. लीजिए बनकर तैयार है मखाना सलाद. आप चाहें तो इसपर नमक और चाट मसाला भी डाल सकते हैं.

मखाना नमकीन

इसे बनाने के लिए एक कढ़ाई में घी या तेल गर्म करें. इसमें मखाना डालें और धीमी आंच पर हल्का सा सेंक लें जब तक वह कुरकुरा न हो जाए. मखाना अच्छे से सेंकने के बाद उसमें नमक, हल्दी, लाल मिर्च पाउडर, जीरा, और काली मिर्च डालें. अच्छे से मिला लें और 2-3 मिनट तक पका लें ताकि सारे मसाले मखाने में अच्छे से समा जाएं. अब इसे एक प्लेट में निकालकर ठंडा होने दें.

एक कॉमेडियन से सरकार का डरना अपने आप में कॉमेडी है

यह विधिसम्मत है। अब यह भी सोचें कि जो भाजपा, शिंदे की शिवसेना तथा अजित पवार कह रहे हैं या कर रहे हैं वह संविधानसम्मत या कानून के अंतर्गत है? बिलकुल नहीं! आयोजनस्थल की तोड़-फोड़ करना कानूनी तौर पर सही नहीं है क्योंकि मामले की अभी तक पुलिस जांच भी प्रारम्भ नहीं हुई है। यदि न्यायालय कुणाल कामरा की कॉमेडी में कुछ भी आपत्तिजनक नहीं पाता और कॉमेडियन को क्लीन चिट देता है तो क्या सरकार या महानगरपालिका उस होटल व स्टूडियो को मुआवजा देगी?

ठाणे की रिक्शा, चेहरे पे दाढ़ी, आंखों में चश्मा हाय...ठाणे की रिक्शा, चेहरे पे दाढ़ी, आंखों में चश्मा हाय...एक झलक दिखलाए कभी गुवाहाटी में छिप जाए...मेरी नजर से तुम देखो गद्दार नजर वो आए।

ठाणे की रिक्शा, चेहरे पे दाढ़ी, आंखों में चश्मा हाय।मंत्री नहीं वो दलबदलू है और कहा क्या जाए...

जिस थाली में खाए उसमें ही छेद कर जाए...

मंत्रालय से ज्यादा फडणवीस की गोदी में मिल जाए...तीर कमान मिला है इसको बाप मेरा ये चाहे...

ठाणे की रिक्शा...ठाणे की रिक्शा, चेहरे पे दाढ़ी, आंखों में चश्मा हाय...।मनोरंजन करके गुजारा करने वाले एक अदने से स्टैंडअप कॉमेडियन ने मुम्बई में एक शो के दौरान प्रसिद्ध हिन्दी मूवी %दिल तो पागल है% के एक गीत की केवल 10 पंक्तियों की पैरोडी क्या सुना दी, महाराष्ट्र सरकार मानों सुलग उठी है। इस सरकार को चलाने वाली भारतीय जनता पार्टी, अजित पवार गुट की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना बौखलाई हुई हैं। पुलिस एफआईआर दज़ॅकर कामरा के खिलाफ एक्शन ले रही है, मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने बयान दिया है कि %स्टैंडअप कॉमेडी की आजादी है लेकिन कोई भी जो चाहे वह नहीं बोल सकता। उनके अनुसार %कुणाल को माफी मांगनी चाहिये। इसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। एक उप मुख्यमंत्री अजित पवार कहते हैं कि %किसी को भी कानून व संविधान से बाहर नहीं जाना चाहिये%, तो दूसरे उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, जिन पर यह पैरोडी रची गयी है, का कहना है- %किसी पर हास्य-व्यंग्य करना, कटाक्ष करना गलत नहीं है, लेकिन इसकी एक मर्यादा होती है। कुणाल कामरा ने जो किया, लगता है कि उन्होंने सुपारी लेकर किया है। कटाक्ष करते समय एक शिष्टाचार बनाए रखा जाना चाहिए, वर्ना एक्शन का रिएक्शन भी होता है। पहले तो शिंदे को पता करना चाहिये कि सुपारी किसने दी है। खैर...

बहरहाल, रिएक्शन होता दिख रहा है। शो का

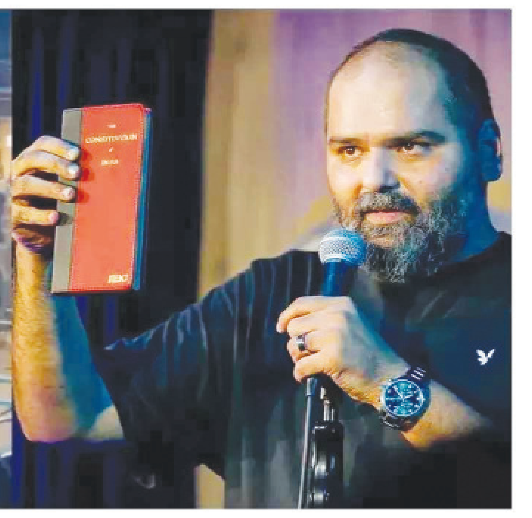

आयोजन खार के जिस यूनिकांटिनेंटल क्लब में हुआ था उस आयोजन स्थल पर शिंदे गुट के कार्यकर्ताओं ने तोड़-फोड़ कर दी, मुम्बई महानगरपालिका ने वहां हथौड़ा चला दिया, कार्यकर्ता पहले ही धमकी दे चुके हैं कि वे महाराष्ट्र तो क्या देश भर में कामरा को घूमने-फिरने तथा शो नहीं करने देंगे। पार्टी प्रवक्ता साफ कर चुके हैं कि %कॉमेडियन से शिवसेना स्टाइल में निपटा जायेगा।% इतना ही नहीं, कामरा के साथ कुछ कार्यकर्ता फोन पर गाली-गलौज कर रहे हैं। मार्के की बात यह है कि मर्यादा व कानून में रहकर कॉमेडी करने की सलाह सरकार के तीनों ही धड़े निहायत ही अमर्यादित ढंग से और कानून को हाथ में लेकर दे रहे हैं। यही अपने आप में कॉमेडी है जो ऐसी ही सरकार कर सकती है जिसका बनना और चलना साक्षात कॉमेडी सर्कस है।देखना यह है कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, लोकतंत्र भारत के डीएनए में है% और आलोचना लोकतंत्र का हिस्सा है% जैसे संवाद बार-बार राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कहने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की भाजपा के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार कॉमेडियन कुणाल कामरा के साथ क्या करती है। जो भी करे, वह भविष्य की बात होगी लेकिन मुम्बई के खार पुलिस स्टेशन का सम्मन कुणाल को भिजवा दिया गया है। कामरा ने साफ कर दिया है कि वे माफी नहीं मांगेंगे और न ही भीड़ से डरकर बिस्तर के नीचे छिपकर माहौल शांत होने का इंतज़ार करेंगे। उनका यह दावा तो सही है कि वे जो कर रहे हैं वह सब कुछ संविधान के दायरे में रहकर ही कर रहे हैं। वैसे भी जिस शो को लेकर यह सारा बखेड़ा खड़ा हुआ है, उसे देखें तो शो के अंत में तालियों की गड़गड़ाहट के बीच कामरा संविधान की प्रति दिखला रहे हैं और कह रहे हैं कि वे जो कुछ कह रहे हैं वह इसके अनुकूल है।यानी यह विधिसम्मत है। अब यह भी सोचें कि जो भाजपा, शिंदे की शिवसेना तथा अजित पवार कह रहे हैं या कर रहे हैं वह संविधानसम्मत या कानून के अंतर्गत है? बिलकुल नहीं! आयोजनस्थल की तोड़-फोड़ करना कानूनी तौर पर सही नहीं है क्योंकि मामले की अभी तक पुलिस जांच भी प्रारम्भ नहीं हुई है। यदि न्यायालय कुणाल कामरा की कॉमेडी में कुछ भी आपत्तिजनक नहीं पाता और कॉमेडियन को क्लीन चिट देता है तो क्या सरकार या महानगरपालिका उस होटल व स्टूडियो को मुआवजा देगी? वैसे सुप्रीम कोर्ट ऐसी कार्रवाई के प्रति नाराज़गी जता चुका है। दूसरे, शिंदे द्वारा यह कहना, जो खुद भी मुख्यमंत्री रह चुके हैं, कि एक्शन का रिएक्शन होता ही है, अपने कार्यकर्ताओं को उकसाना ही कहलायेगा। फिर, शिवसेना (शिंदे गुट) के प्रवक्ता तथा कई नेताओं द्वारा कामरा से शिवसेना स्टाइल% में निपटने की बात कहना तो सीधे-सीधे कानून अपने हाथों में लेना ही है। हिन्दुस्तान भर में कामरा को घूमने-फिरने नहीं देने की धमकी भी हिंसात्मक उपाय अपनाने की चेतावनी है। सरकार को क्या इसका संज्ञान लेकर उन कार्यकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई नहीं करनी चाहिये?भाजपा, शिंदे की शिवसेना और अजित की एनसीपी तीनों की नाराज़गी इसलिये स्वाभाविक है क्योंकि कामरा ने अपनी कॉमेडी में तीनों को एक हमाम में नहला दिया है- चाहे पैरोडी मुख्यत÷ शिंदे पर रची गयी हो। इस सरकार के बनने का इतिहास जो जानते हैं उन्हें उनकी बौखलाहट पर कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिये। अवमानना मामले में सत्य ही बचाव है। यह सच है कि पिछली वाली महाराष्ट्र सरकार अनैतिक तरीकों का इस्तेमाल करके बनाई गयी थी। शिंदे व अजित पवार की धोखेबाजी से उद्धव ठाकरे की सरकार गिरी थी। पहले शिंदे सीएम थे और फडणवीस डिप्टी सीएम। यह भी कॉमेडी से कुछ कम नहीं कि पहले पांच साल मुख्यमंत्री रहे फडणवीस शिंदे के तहत उप मुख्यमंत्री रहे, फिर दोनों के स्थान परस्पर बदल गये। सत्ता के लिये ऐसी अपमानजनक व हास्यास्पद स्थिति से कोई और राज्य या राजनेता स्वतंत्र भारत में कभी नहीं गुजरे। ऐसे में यह सरकार और उसके कार्यकलाप किसी कॉमेडियन के प्रहसन के ही विषय हो सकते हैं। इसी कार्यक्रम में, जिसके वीडियो जमकर वायरल, लाइक और शेयर हो रहे हैं, मोदी को कामरा ने तानाशाह कहा है। साथ ही इटली की उनकी हाल की यात्रा का जिक्र भी था जिसकी कामरा ने खिल्ली उड़ाई है। यह भाजपा की नाराजगी का कारण हो सकता है। वैसे मोदी व भाजपा को याद रखना चाहिये कि संसद के जारी सत्र में मोदी ने यह कहकर एक तरह से नेहरू को तानाशाह बतलाया था कि, एक तरह से नेहरू का अपना ही संविधान था।दरअसल मोदी का पिछला 11 वर्षों का कार्यकाल निहायत अकर्मण्यता भरा व उपलब्धिविहीन रहा है। विपक्ष को गरियाने, अतीत को कोसने, भविष्य के सब्ज़बाग दिखाने, खुद की छवि बनाने, अनैतिक तरीकों से सरकारें गिराने-बनाने तथा अपने कारोबारी मित्रों को लाभ पहुंचाने मात्र का उनका राजनीतिक कैरियर होने से वे मामूली सी आलोचना से भी डरते हैं। उन्हें जानना चाहिये कि सत्ता व शोहरत के शिखर पर बैठे जवाहरलाल नेहरू भी अपने विरोधियों को अपनी आलोचना करने हेतु आमंत्रित करते थे। कार्टूनिस्ट शंकर ने उन्हें जब गधे के रूप में चित्रित किया तो नेहरूजी ने उन्हें यह कहकर आमंत्रित किया था कि क्या वे एक गधे के साथ चाय पीना पसंद करेंगे?आरके लक्ष्मण को इंदिरा गांधी ने स्वयं पर बनाये कार्टून पर कहा था- बाकी तो ठीक है पर तुमने मेरी नाक कुछ ज्यादा ही लम्बी कर दी है।

विपक्षियों पर अश्लील व भद्दे मज़ाक करने वाली पूरी बिरादरी आज एक सामान्य से कॉमेडियन से थरथरा रही है। 56 इंच की छाती का दावा करने वाले इस डरे हुए समूह का नेतृत्व करते हैं- यह सबसे बड़ी कॉमेडी है।

संपादकीय

शिक्षा व्यवस्था की विसंगतियों के खिलाफ आवाज़

सोमवार को इंडिया ब्लॉक के छात्र संगठनों ने शिक्षा के निजीकरण, भगवाकरण के विरोध और छात्र संघ की बहाली को लेकर जंतर मंतर पर प्रदर्शन किया। छात्रों का आरोप है कि सरकार आरएसएस की विचारधारा थोप रही है और शिक्षा को व्यापार बना रही है। इस प्रदर्शन में एनएसयूआई, आईसा, एसएफआई, एआईएसएफ, एमएसएफ, सीआरजेडी और समाजवादी छात्रसभा ये सभी छात्र संगठन एक बैनर के तले पहुंचे। छात्र संगठनों का कहना है कि सरकार की नीतियों से शिक्षा महंगी हुई है. गरीब बच्चों की पहुंच से अच्छी शिक्षा दूर होती जा रही है। छात्रों ने आरोप है कि शिक्षा का निजीकरण और केंद्रीकरण किया जा रहा है। गरीब विरोधी नीतियों का असर मध्यम वर्ग के छात्रों की शिक्षा पर पड़ रहा है।

धांधली और पेपर लीक जैसी समस्याओं के खिलाफ छात्र संगठनों ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए हैं। इसके अलावा विश्वविद्यालयों में चुनावों की बहाली, प्रशासन में पारदर्शिता और आरक्षण से जुड़े मुद्दों पर भी छात्रों ने सरकार का ध्यान आकर्षित किया। इस प्रदर्शन को लेकर एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी ने कहा,

%सरकार शिक्षा प्रणाली को कमजोर कर रही है। छात्र संघों के चुनावों पर रोक से साफ है कि सरकार शिक्षित और जागरूक युवाओं से डरती है। अगर सरकार हमारी मांगें नहीं मानती, तो आंदोलन और बड़ा होगा और देशभर में गूंज सुनाई देगी।%

महीने भर के भीतर दूसरी बार इस तरह से अलग-अलग छात्र संगठन जंतर-मंतर पर एकत्र हुए हैं। इधर अलग-अलग विश्वविद्यालयों में जागरुक छात्र अन्याय के खिलाफ आवाज़ उठाते ही रहते हैं। लेकिन इस वक्त जिस तरह से सरकार की नीतियों के खिलाफ छात्र संगठन एकजुट हो रहे हैं, वह देश में बड़े बदलाव की आहट देता है। इतिहास गवाह है कि जब भी युवा शक्ति ने आवाज़ उठाई है, तब सत्ताधीशों को बड़ी चोट पहुंची है। फिलहाल छात्र संगठनों ने आंदोलन बढ़ने की जो चेतावनी दी है, उसे मोदी सरकार को सुनना चाहिए। क्योंकि जो सवाल छात्र उठा रहे हैं, वो बेमानी नहीं हैं, न ही इनमें किसी एक पार्टी का एजेंडा बढ़ाया जा रहा है। बल्कि यह समाज के समग्र विकास और युवा पीढ़ी की बेहतरी के लिए ही है। इसी बेहतरी का दावा नरेन्द्र मोदी कई बार करते रहे हैं। संकल्प, ऊर्जा, दृढ़ विश्वास, जैसे शब्दों के दोहराव अलग-अलग तरीके से करते हुए श्री मोदी कई मंचों से यह बात कह चुके हैं कि उनकी सारी नीतियां और फैसले देश को विकास की राह पर ले जा रहे हैं, जिसमें नयी पीढ़ी के लिए सब कुछ अच्छा ही अच्छा है। लेकिन हकीकत कुछ और ही है। छात्रों के सामने अब केवल डिग्री हासिल करने के बाद नौकरी मिलने की चिंता ही नहीं है, बल्कि उस डिग्री की राह में भी अब कई रोड़े आ रहे हैं। पेपर लीक और परीक्षाओं में कई किस्म की धांधलियां तो एक बड़ी समस्या है ही, इसके अलावा अब वैचारिक मतभेद रखने पर भी छात्र अन्याय का शिकार हो रहे हैं।

ताजा प्रकरण नयी दिल्ली से ही सामने आया है, जहां डॉ. बीआर आंबेडकर विश्वविद्यालय में अंतिम वर्ष की एमए छात्रा को इस वर्ष गणतंत्र दिवस पर विश्वविद्यालय की कुलपति अनु सिंह लाठर द्वारा दिए गए भाषण व कथित रूप से आलोचना करने के लिए निलंबित क दिया गया है। खबर के मुताबिक कुलपति लाठर ने अप भाषण में कहा था कि राम जन्मभूमि आंदोलन 52 साल पुराना है और यह कोई नया मुद्दा नहीं है। कुलपर्ि ने राम मंदिर की स्थापना के लिए राज्य की सराहना व और डॉ. बीआर आंबेडकर को सिफ़र्ॅ दलित समुदाय व व्यक्ति न मानकर राष्ट्रीय व्यक्ति बनाने की बात कही र्थ इस भाषण के बाद 28 जनवरी को आईसा से जु छात्रा ने कुलपति द्वारा की गई टिप्पणियों की निंदा व थी। जिस पर 21 मार्च को प्रॉक्टोरियल बोर्ड के ए आदेश में विश्वविद्यालय ने %अनुशासनहीनता% अ संस्थान प्रमुख के खिलाफ %अपमानजनक भाषा% इस्तेमाल का आरोप लगाया। इस कार्रवाई परिणामस्वरूप छात्रा को छह महीने (पूर्ण शीतकाली सेमेस्टर) के लिए निलंबित कर दिया गया है तथा इ अवधि के दौरान परिसर में प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दि गया है।

श्रम संहिताओं के खिलाफ दो महीने का अभियान शुरू, 20 मई को हड़ताल

राष्ट्रीय सम्मेलन ने कहा कि श्रम संहिताओं को लागू करने का निर्णय कॉर्पोरेट वर्ग की चल रही परियोजना का अभिन्न अंग है, जो आम लोगों के बुनियादी लोकतांत्रिक और संवैधानिक अधिकारों पर भारी अंकुश लगाने के लिए हैं, जिसमें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और असहमति के अधिकार शामिल हैं। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के नवीनतम संस्करण सहित यूएपीए, पीएमएलए जैसे कई अधिनियमों के माध्यम से सामूहिक असहमति पर अंकुश भी इसी का अंग है।

10 केंद्रीय ट्रेड यूनियनों और स्वतंत्र क्षेत्रीय संघों और संगठनों के संयुक्त मंच द्वारा आयोजित राष्ट्रीय श्रमिक सम्मेलन में विवादास्पद चार श्रम संहिताओं के खिलाफ घोषणा को अपनाने के बाद श्रमिकों इसके विरोध में अभियान फिर से शुरु हो गया है जो दो महीनों तक चलेगा तथा जिसके समापन के दिन 20 मई को श्रमिकों की राष्ट्व्यापी आम हड़ताल होगी।उधर केंद्र सरकार, जो 1 अप्रैल, 2025 से श्रम संहिताओं को लागू करने की संभावना का आकलन करने के लिए पहले से ही उच्च स्तरीय बैठकें कर रही थी, अब यह जानने के लिए जमीनी स्तर की स्थिति का पुनर्मूल्यांकन कर रही है कि क्या वित्तीय वर्ष 2025-26 की शुरुआत से श्रम संहिताओं को लागू करना अभी भी संभव है?

18 मार्च, 2025 को नई दिल्ली में आयोजित श्रमिकों के राष्ट्रीय सम्मेलन द्वारा अपनायी गयी घोषणा में कहा गया है कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार श्रम संहिताओं को लागू करने में अत्यधिक सक्रिय हो गये है। ये संहिताएं उनके कार्यस्थलों पर श्रमिकों के लगभग सभी अधिकारों और हकों को छीन लेंगी।

सीटीयू/फेडरेशन इसे काम के घंटे, न्यूनतम मजदूरी, सामाजिक सुरक्षा आदि सहित परिभाषित कार्य स्थितियों से संबंधित श्रमिकों के सभी बुनियादी अधिकारों के लिए एक गंभीर चुनौती के रूप में लेते हैं, और साथ ही मानते हैं कि इस तरह उनके संघीकरण, मान्यता, सामूहिक सौदेबाजी, आंदोलन/संघर्ष और हड़ताल आदि के अधिकार सहित विरोध के किसी भी रूप की सामूहिक अभिव्यक्ति को छीनने की कोशिश की जा रही है। उनके अनुसार श्रमिकों द्वारा किसी भी सामूहिक असहमति के खिलाफ क्रूर और प्रतिशोधात्मक दंडात्मक उपाय किये जा रहे हैं। संक्षेप में, श्रम संहिताएं कॉर्पोरेट/नियोक्ता वर्ग के हितों में कामकाजी लोगों पर आभासी गुलामी की स्थिति थोपने का खाका हैं।

घोषणापत्र में कहा गया है, %गठबंधन व्यवस्था के माध्यम से तीसरी बार केंद्र में सत्ता में आने के बाद सरकार मेहनतकश आबादी के भारी बहुमत के जीवन और आजीविका पर अपनी कॉर्पोरेट गुलामी नीति को

लागू करने के लिए बेहद बेताब हो गयी है। इसके परिणामस्वरूप गरीबी बढ़ती जा रही है, भुखमरी और कुपोषण का प्रसार गरीबी के स्तर से नीचे हो रहा है,बेरोज़गारी में बेतहाशा वृद्धि हो रही है और साथ ही नौकरियों की गुणवत्ता में भारी गिरावट अमानवीय स्तर तक पहुंच गयी है।%

घोषणापत्र में कहा गया है कि इसके साथ ही कॉर्पोरेट और बड़े-व्यापारियों का मुनाफ़ा अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। नवीनतम आधिकारिक आर्थिक सर्वेक्षण का हवाला देते हुए इसमें कहा गया है कि अनौपचारिक अर्थव्यवस्था के श्रमिकों का वेतन वर्ष 2017-2018 के स्तर से 2023-2024 में गिर गया है। इसके विपरीत रोजगार में वृद्धि केवल 1.5 प्रतिशत थी। आकस्मिक पुरुष श्रमिक प्रतिदिन 203 रुपये से 242 रुपये के बीच कमा रहे थे, जबकि महिलाओं को प्रतिदिन 128 से 159 रुपये के बीच मेहनताना मिल रहा था। इसी सर्वेक्षण रिपोर्ट में यह भी दर्शाया गया है कि कॉर्पोरेट क्षेत्र के मुनाफे में 22.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

जहां तक असमानता का सवाल है, घोषणापत्र में कहा गया है, %हमारे देश में असमानताएं बढ़ रही हैं। 5 प्रतिशत शीर्ष आबादी के पास 70 प्रतिशत संपत्ति है, जबकि नीचे से 50 प्रतिशत लोगों के पास संपत्ति में केवल 3 प्रतिशत हिस्सा है। सबसे अमीर भारतीय यूरोपीय अरबपतियों से भी अधिक अमीर हैं, जबकि सबसे गरीब भारतीय मेडागास्कर से भी अधिक गरीब हैं, जहां वर्तमान शासन के दस वर्षों से अधिक के दौरान गरीबी में 17 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। प्रतिष्ठित संस्थानों द्वारा किये गये अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों के अनुसार 2018 में 90 प्रतिशत परिवारों को अंतरराष्ट्रीय मानकों से भी अधिक गरीब माना गया।%

राष्ट्रीय सम्मेलन ने कहा कि श्रम संहिताओं को लागू करने का निर्णय कॉर्पोरेट वर्ग की चल रही परियोजना का अभिन्न अंग है, जो आम लोगों के बुनियादी लोकतांत्रिक और संवैधानिक अधिकारों पर भारी अंकुश लगाने के लिए हैं, जिसमें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और असहमति के अधिकार शामिल हैं। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के नवीनतम संस्करण सहित यूएपीए, पीएमएलए जैसे कई अधिनियमों के माध्यम से सामूहिक असहमति पर अंकुश भी इसी का अंग है। लगभग सभी प्रकार के शासन को फासीवादी इरादे से उग्र रूप से अधिनायकवादी बनाने के उद्देश्य से कई प्रशासनिक और कार्यकारी उपाय किये जा रहे हैं। इनका उद्देश्य राष्ट्रीय हित के खिलाफ कॉर्पोरेट समर्थक नीतियों के सभी लोकतांत्रिक और सामूहिक विरोध को कुचलना है। घोषणा में कहा गया है कि सामूहिक कार्रवाई, यहां तक कि श्रमिकों और उनके यूनियनों द्वारा सामूहिक शिकायत दर्ज करने को बीएनएस की धारा 111 के अनुसार %संगठित अपराध% के रूप में व्याख्या करने की कोशिश की जा रही है, जिसके परिणामस्वरूप श्रमिकों और उनके यूनियन नेताओं की गैर-जमानती कारावास सहित कठोर पुलिस कार्रवाई हो रही है। कई राज्यों में प्रबंधन या श्रम विभाग के समक्ष अपनी शिकायत सामूहिक रूप से प्रस्तुत करने पर श्रमिकों और यूनियन नेताओं के विरुद्ध आपराधिक कार्रवाई की ऐसी घटनाएं पहले ही शुरू हो चुकी हैं, जिनमें ट्रेड यूनियन नेताओं और कार्यकर्ताओं को अनेक मामलों में फंसाया गया है।

इन मांगों को ध्यान में रखते हुए, घोषणापत्र में कहा गया कि श्रम संहिताओं के क्रियान्वयन को राष्ट्रीय स्तर पर एकजुट कार्रवाई और साथ ही एकजुट क्षेत्रीय प्रतिरोध के माध्यम से मजदूर वर्ग द्वारा देशव्यापी एकजुट विरोध और प्रतिरोध के माध्यम से रोका जाना चाहिए और निर्णायक रूप से पराजित किया जाना चाहिए। यह मजदूर वर्ग के आंदोलन के साथ-साथ देश के शासन के संवैधानिक और लोकतांत्रिक ढांचे की रक्षा के लिए जीवन-मरण का प्रश्न है।

10 केंद्रीय ट्रेड यूनियनों-इंटक, एटक, एचएमएस, सीटू, एआईयूटीयूसी, टीयूसीसी, सेवा, एआईसीसीटीयू, एलपीएफ, और यूटीयूसी - और स्वतंत्र राष्ट्रीय क्षेत्रीय महासंघों और संघों द्वारा तैयार किये गये श्रमिक अभियान में अप्रैल 2025 के मध्य तक राज्य, जिला और क्षेत्रीय सम्मेलनों का आयोजन शामिल है। श्रम संहिताओं के कार्यान्वयन की घोषणा के अगले दिन ही प्रतिरोध प्रदर्शन आयोजित किये जायेंगे और उसके बाद 20 मई, 2025 को आम हड़ताल तक व्यापक अभियान चलाया जायेगा। अप्रैल और मई 2025 के दौरान पूरे देश में पैदल, साइकिल और मोटर वाहन मार्च का आयोजन किया जायेगा। राष्ट्रीय, राज्य, जिला और स्थानीय स्तर के अलावा कार्यशालाओं में भी विरोध प्रदर्शनों की योजना बनायी गयी है।

अधिकांश राज्यों ने पहले ही चार श्रम संहिताओं के तहत नियम बना लिये हैं, लेकिन कई केंद्रीय और राज्य नियमों में अंतर बना हुआ है। मतभेदों के साथ, एक बार में श्रम संहिता को सुचारू रूप से लागू करना असंभव है। श्रम संहिताओं को लागू करने के खिलाफ श्रमिकों के आंदोलन ने अब केंद्र को अपनी मौजूदा रणनीति पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर कर दिया है, हालांकि उसने पहले ही श्रम संहिताओं के कुछ प्रावधानों को अधिसूचित कर दिया है। इसलिए आने वाले दो महीने देश में औद्योगिक संबंधों के लिए महत्वपूर्ण हैं।

कठिन चुनौती है वर-वधू का चुनाव

मीता और मोहन दोनों ने प्रेम विवाह किया और विवाह के कुछ समय बाद दोनों में तलाक हो गया। रीता और रमेश दोनों का विवाह माता-पिता ने अपनी पसंद से किया लेकिन उनमें भी नहीं बनी और उनका भी तलाक हो गया। अब प्रश्न उठता है कि वर-वधू का चुनाव किस तरह किया जाए कि उनका वैवाहिक जीवन सफल व खुशियों से भरा-पूरा हो।

आधुनिक युग में जिस तेजी से तलाक की घटनाएं बढ़ रही हैं, उन्हें देखते हुए चाहे प्रेम विवाह हो अथवा माता-पिता की सहमति से वर-वधू एक-दूसरे को पसंद कर शादी करें पर इस बात की कोई ग्यारंटी नहीं कि दोनों का वैवाहिक जीवन सफल ही हो। माता-पिता द्वारा वर-वधू को पसंद कर की गई शादी तो अब दूर की बात हो गई है। अब न तो माता-पिता के भरोसे वर-वधू का चुनाव छोड़ा जाए और न ही पूर्णत: लड़के-लड़कियों के भरोसे।

वर्तमान समय में ये दोनों ही व्यवस्थाएं अपने आप में अपूर्ण हैं। वैवाहिक जीवन की गाड़ी लड़के-लड़की द्वारा ही चलेगी, माता-पिता द्वारा नहीं। इसलिए यह जरूरी है कि मध्य मार्ग का अनुसरण करते हुए वर और वधू को शादी से पहले एक-दूसरे के विचार, पसंद, नापसंद, भावनाएं, रुचियां, शिक्षा-दीक्षा और संस्कार आदि को भली प्रकार जानने-समझने की आवश्यकता होती है।

इस समस्या को हल करने के लिए कोई बीच का रास्ता अपनाया जाए। लड़के-लड़कियों को एक-दूसरे को जानने, समझने का मौका दिया जाए, एक-दूसरे की रूचियों, स्वभाव, संस्कार आदि सभी बातों को अच्छी तरह समझ लिया जाए पर यह स्वतंत्र रूप से नहीं वरन माता-पिता की सहमति से ही होना चाहिए।

इस संबंध में एक उदाहरण ध्यान देने योग्य है देवदास गांधी (महात्मा गांधी के पुत्र) और राजगोपालाचारी की पुत्री, दोनों के निकट संपर्क होने के कारण प्रेम हो गया और दोनों ने शादी की इच्छा जतलाई। गांधीजी और राजगोपालाचारीजी ने इस समस्या पर विचार कर यह निर्णय दिया कि यदि आगे पांच साल तक दोनों का प्रेम स्थायी रहा तो विवाह कर देंगे। दोनों ने पांच साल तक प्रतीक्षा की और पवित्र जीवन बिताया। इस परीक्षा के बाद जब दोनों का प्रेम स्थायी रहा तो विवाह कर दिया गया। इस तरह हम देखते हैं कि जब तक प्रेम की परीक्षा न हो जाए, वह आंतरिक और शुद्ध न हो तब तक प्रेम विवाह को टालना ही हितकारी है। भावावेश में लिया गया निर्णय कभी वास्तविक प्रेम नहीं हो सकता।

आधुनिक युग में जिस तेजी से तलाक की घटनाएं बढ़ रही हैं, उन्हें देखते हुए चाहे प्रेम विवाह हो अथवा माता-पिता की सहमति से वर-वधू एक-दूसरे को पसंद कर शादी करें पर इस बात की कोई ग्यारंटी नहीं कि दोनों का वैवाहिक जीवन सफल ही हो। माता-पिता द्वारा वर-वधू को पसंद कर की गई शादी तो अब दूर की बात हो गई है।

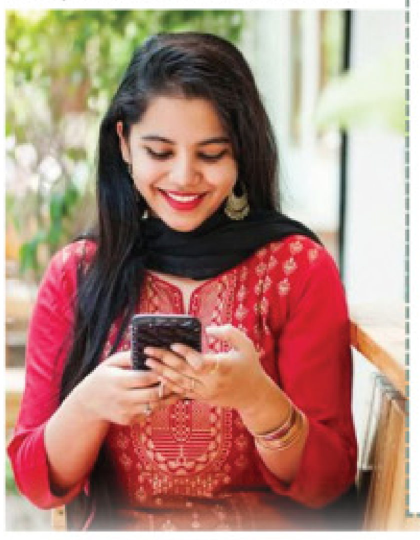

अनुभवहीन लड़के

लड़कियां, बिना जाने-समझे आस-पड़ोस या कहीं निकट संपर्क में आने पर इस तथाकथित प्रेम के चक्कर में फंसकर प्रेम-विवाह कर लेते हैं तो आगे चलकर कुछ समय बाद उनका वैवाहिक जीवन प्राय: कष्टकारी ही बीतता है। वर-वधू का चुनाव करते समय एक महत्वपूर्ण बात यह ध्यान में रखने योग्य है कि इसमें धन को विशेष महत्व न दिया जाए। इस दृष्टि से विवाह करना कि वर पक्ष अधिक धन-संपत्ति वाला है या वधू पक्ष से अधिक दहेज मिलेगा, यह बहुत बड़ी भूल है। अधिकांश लोग धन के लालच में पड़कर वर या वधू के न तो गुण, कर्म, स्वभाव, स्वास्थ्य या योग्यता को महत्व देते हैं और न ही उनके चरित्र, संस्कार व आदर्शों को। परिणामस्वरूप ऐसा वैवाहिक जीवन प्राय: कष्टकारी, नारकीय अथवा असफल जैसा ही हो जाता है। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि वर-वधू का चुनाव करते समय देखने वाली महत्वपूर्ण बाते ये हैं कि दोनों का शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य उत्तम हो। दोनों के आचार-विचार मिलते हों, जरूरी समझ और पैनी दृष्टि हो। इसके अतिरिक्त शिक्षा-दीक्षा, उत्तम संस्कारों का मेल एवं सूझबूझ वर-वधू के चयन में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सकते हैं।

हाल ही में सोशल मीडिया में एक पति का लिखा वो पत्र लोगों को भावुक कर गया, जिसमें उसने अपनी पत्नी को समर्पण के लिए शुक्रिया कहा और कृतज्ञता जताई। पति ने लिखा कि एक गृहिणी होने के नाते मुझे लगता था कि मेरी पत्नी घर पर रहती है तो उसके पास काम ही क्या है? इसलिए मैंने उसे कभी उसके काम का क्रेडिट नहीं दिया। वह दिनभर घर और बच्चे की देखभाल में थकी रहती। लेकिन मुझे घर लौटने पर हमेशा अपनी ही थकान दिखती।

गृहिणियों का श्रम भी मान का हकदार

ऑफिस से लौटकर मैं उसे अक्सर यही कहता कि तुमने क्या किया दिनभर? लेकिन अब गंभीरता से सोचने पर लगता है कि यह महिला कितनी गजब की है। जो बच्चे और घर की अनगिनत जिम्मेदारियां अकेले ही संभालती है। इतना सोचा तो खुद पर ही गुस्सा आया। इसलिए सबसे कहूंगा कि अपने बच्चों की मां का सम्मान करें। जो घर-परिवार के लिए अपनी हर खुशी से नाता तोड़ लेती हैं।

हर मोर्चे पर है डटी

चिंता में डूबी पत्नी, नसीहतें और समझाइशें देती मां, बड़ों की देखभाल का जिम्मा उठाने वाली बहू और नाते रिश्तेदारी के बुलावे और दिखावे की रीति-नीति निभाने वाली एक जिम्मेदार स्त्री। वह हर मोर्चे पर डटी रहती है। भागती है, दौड़ती है, हांफती है, थकती है। भीतर ही भीतर जूझती भी है। बस, मन की नहीं कहती कभी। गृहिणी जो है। सामाजिक-पारिवारिक छवि कुछ ऐसी कि वह सब कुछ करती है पर कुछ नहीं कहती। वाकई, गृहिणी के रूप में स्त्री की यह भूमिका साधारण होकर भी कितनी असाधारण है। रोजमर्रा की अनगिनत जिम्मेदारियों को निभाते हुए समय के साथ कितना कुछ रीत जाता है गृहिणियों के मन के भीतर। लेकिन इसे समझने का अवकाश ना उसे मिलता है और ना ही उसके अपनों को।

बदलते समय में बढ़ी जिम्मेदारियां

समय के साथ गृहिणी की भूमिका भी बदल गई है। लेकिन उसके हिस्से आई जिम्मेदारियां कम नहीं हुई हैं। आज हर काम के लिए घरों में मशीनें मौजूद हैं पर उसकी भागमभाग अब भी जारी है। पहले जिम्मेदारियां तो थीं लेकिन दायरा सीमित था। मगर आज दायरा असीमित है घर से लेकर बाहर की जिम्मेदारी के अलावा बच्चों की पढ़ाई से लेकर फ्यूचर इंवेस्टमेंट की तैयारियों में वह जुटी रहती है। फिर भी वह हर बात में तालमेल बैठा ही लेती है।

सबके लिए कुछ न कुछ

चाहे गांव हो या शहर सुबह सबसे पहले बिस्तर छोड़ने और रात को सबके बाद अपने आराम की सोचने वाली महिलाएं पति, बच्चों और घर के अन्य सदस्यों की देखरेख में इतनी व्यस्त हो जाती हैं कि खुद को हमेशा दोयम दर्जे पर ही रखती हैं। दूसरों की शर्तों, इच्छाओं और खुशियों के लिए जीने की उन्हें न केवल आदत-सी हो जाती है बल्कि किसी काम में जरा-सी भी कमी रह जाए तो, वे अपराधबोध से ग्रस्त हो जाती हैं। लेकिन फिर भी देखने में आता है कि उन्हें ताने ही सुनने को मिलते हैं। उनके काम का श्रेय और सम्मान उनके हिस्से नहीं आता। कुल मिलाकर कहा जाए तो वो एक ऐसा 'सपोर्ट सिस्टम है जो हमें जीने का हौसला देती हैं। न कोई छुट्टी ना कोई वेतन। सच कहें तो कोई गृहिणी वेतन चाहती भी नही। पर वो अपनों की जो सेवा सहायता करती है उसके बदले सम्मान की अपेक्षा तो करती ही है जो कि उसका मानवीय हक भी है। एक राष्ट्रीय सर्वे के मुताबकि 45 प्रतिशत ग्रामीण और 56 प्रतिशत शहरी महिलाएं जिनकी उम्र पंद्रह साल या उससे ज्यादा है पूरी तरह से घरेलू कार्यों में लगी रहती हैं। यह आंकड़ा हैरान करने वाला है कि 60 साल से ज्यादा की उम्र वाली एक तिहाई महिलाएं ऐसी हैं, जिनका सबसे ज्यादा समय इस आयु में भी घरेलू कार्यों को करने में ही जाता है।

भागीदारी का आर्थिक पहलू

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट के मुताबिक सिर्फ भारत में ही महिलाएं दिनभर में 352 मिनट अवैतनिक कार्यों को करने में बिताती हैं। यानी इन कामों के लिए उन्हें कोई आर्थिक लाभ नहीं मिलता। जबकि कुछ सालों पहले अमेरिका में हुए एक अध्ययन ने वहां गृहिणियों द्वारा किए गए घरेलू कामों की सालाना कीमत 57 लाख रुपए के बराबर आंकी थी। गौरतलब है कि पश्चिमी देशों में घर की जिम्मेदारियां केवल महिलाओं के हिस्से नहीं हैं। इसलिए वहां गृहिणी के रूप में भी महिलाओं के श्रम और आर्थिक भागीदारी के पक्ष को महत्व दिया जाता है। जबकि हमारे यहां का रहन-सहन और सामाजिक ढांचा कुछ इस तरह का है कि घर पर रहने वाली महिलाओं के हिस्से में काम विकसित देशों से ज्यादा हैं और सुविधाएं कम हैं। सबसे बड़ी बात तो यह है कि हमारे यहां घरेलू कार्य का जिम्मा पूरी तरह से महिलाओं का ही होता है। पुरुषों का सहयोग नाममात्र को ही मिलता है। हमारे यहां घरेलू कामकाज में पुरुषों की भागीदारी प्रतिदिन केवल 19 मिनट है।

अनदेखी की शिकार

गृहिणी हर परिवार की पृष्ठभूमि तैयार करती है। किसी कलाकृति को उकेरने के लिए जो स्थान कैनवास का होता है घर के सदस्यों के जीवन में वही भूमिका होती है गृहिणियों की। ये बात और है कि तस्वीर बन जाने पर वे भी कैनवास की तरह ही कहीं पीछे छुप जाती हैं। शायद यही वजह है कि इस रूप में महिलाओं की भागीदारी को हर जगह और हर हाल में अनदेखा करने की ही कोशिश की जाती है। घर का कोई भी सदस्य किसी भी समय कह देता है कि 'तुम दिन भर घर में करती ही क्या हो?'

मनोवैज्ञानिक आधार

मनोवैज्ञानिक रूप से देखा जाय तो यह अनदेखी एक अपराधबोध के भाव को जन्म देती है। वे सबके साथ होकर भी अकेली हो जाती हैं। उनके मन में सब कुछ करके भी खुद को कुछ भी करने योगय ना समझने का भाव इतना गहरा जाता है कि वे तनाव और अवसाद की शिकार बन जाती हैं। एक हालिया अध्ययन में भी सामने आया है कि 96 फीसद महिलाएं दिन में कम से कम एक बार खुद को दोषी या अपराधी मानती हैं। अपराधबोध से जुड़ा उनका यह भाव अधिकतर मामलों में बच्चों की परवरिश या परिवार की संभाल से ही जुड़ा होता है। इसके बावजूद उनके कार्यों का आकलन ठीक से नहीं किया जाता है।

पेरेंट्स को शर्मिंदगी से बचाती है टॉयलेट ट्रेनिंग, और भी कई काम आती है ये सीख

बच्चों को अगर टॉयलेट ट्रेनिंग दी जाए, तो इससे पेरेंट्स का काफी काम आसान हो जाता है। बच्चे कभी भी कहीं भी पेशाब या पॉटी नहीं करते हैं जिससे घर साफ रहता है।

छोटे बच्चों यानि टॉडलर एज में बच्चों को पॉटी ट्रेनिंग दी जाती है। इसमें बच्चों को खुद टॉयलेट जाना सिखाया जाता है। आप 8 से तीन साल के बच्चे को पॉटी या टॉयलेट ट्रेनिंग सिखा सकते हैं। 18 महीने के होने के बाद बच्चे का अपने ब्लैडर यानि मूत्राशय पर कंट्रोल आता है। इसलिए एक साल के होने बाद ही आप बच्चे को पेशाब और पॉटी करना सिखाना शुरू कर दें। बच्चे के लिए क्यों जरूरी है पॉटी ट्रेनिंग बच्चे के लिए उसकी उम्र के हिसाब से पॉटी सीट लाएं। इन्हें बच्चे के कंफर्ट के हिसाब से ही डिजाइन किया जाता है। हालांकि, बच्चे को ये ट्रेनिंग देने के लिए आपको बहुत समय और धैर्य की जरूरत होगी।

कैसे दें पॉटी ट्रेनिंग

आप ध्यान दें कि बच्चा दिन में कितनी बार पेशाब या पॉटी करता है और उसका समय क्या है। क्या पेशाब या पॉटी आने से पहले कोई आवाज करता है या मुंह बनाता है। जब आप इस पैटर्न को समझ जाएंगे, तब आसानी से बच्चे को ट्रेन कर पाएंगे।

साउंड का करें इस्तेमाल

जब बच्चे को पॉटी आती है, तो आप एक आवाज निकालें। बच्चे को सिखाएं कि ये आवाज सुनने पर उसे पॉटी करनी है। कई लोग बच्चे को पेशाब करने के लिए 'स्स्स्स' की आवाज निकालते हैं। जब भी बच्चे को टॉयलेट जाना हो, तो आप ऐसी आवाज निकालें।

थोड़ी-थोड़ी देर में टॉयलेट ले जाएं

बच्चे को थोड़ी-थोड़ी देर में टॉयलेट लेकर जाएगा। सुबह उठने के बाद या खाना खाने के बाद बच्चे को टॉयलेट लेकर जाएं। ऐसा करने पर बच्चे को समझ आने लगेगा कि टॉयलेट में आने पर उसे पेशाब या पॉटी करनी है। टॉयलेट में आपको बच्चे से बात भी करनी है। उसे गाना सुनाएं या उसकी पसंद का खिलौना दें। उसकी पसंद की चीज पर ध्यान देने से बच्चा पॉटी ट्रेनिंग की प्रक्रिया को आसानी से समझ पाएगा।

साइन आएंगे काम

जब भी बच्चे को पेशाब या पॉटी आए तो आप कुछ साइन यानि संकेतों का इस्तेमाल कर सकते हैं। बच्चा जल्दी ही इन संकेतों को समझने लग जाएगा और पेशाब या पॉटी आने पर आपको इन संकेतों की मदद से बता देगा।

क्यों जरूरी है पॉटी ट्रेनिंग

जन्म के बाद शुरुआती कुछ महीनों में शिशु दूध पीता है और थोड़ी-थोड़ी देर में पॉटी करता है। लेकिन जब बच्चा थोड़ा बड़ा हो जाता है और खेलने-कूदने लगता है या आपके साथ कहीं बाहर या किसी के घर जाने लगता है, तो उसे पॉटी या टॉयलेट ट्रेनिंग देनी बहुत जरूरी होती है। सोचिए, आप अपने बच्चे को किसी रिश्तेदार या दोस्त के घर लेकर गई हैं और वहां पर बच्चे ने उनके सोफे या पलंग पर ही पेशाब या पॉटी कर दी तो आपको कितनी शर्मिंदगी महसूस होगी। इस तरह की परिस्थितियों से बचने के लिए ही बच्चों को टॉयलेट ट्रेनिंग दी जाती है। टॉयलेट ट्रेनिंग के बाद बच्चे खुद ही कुछ संकेतों की मदद से आपको बता देंगे कि उन्हें टॉयलेट जाना है।

क्या बारिश में आपके भी तौलिए से बदबू आती है? कैसे दूर करें

बारिश के दौरान अक्सर तौलिए में से बदबु आने लगती है जिससे पूरा मूड ऑफ हो जाता है। इतना ही नहीं त्वचा की निखार पर भी असर पड़ सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि गिले या नमी वाले तौलिये में बैक्टीरिया पनप जाते हैं। इस वजह से त्वचा संबंधित परेशानी भी हो सकती है। तो आइए जानते हैं कैसे आसान तरीकों से तौलिए से आ रही बदबू को भगाएं।

- सबसे पहली बात, कई लोग टॉवेल को ठीक करके उन्हें बाथरूम में रख देते हैं। लेकिन नमी के कारण उनमें बैक्टीरिया पनप जाते हैं। और वह बदबू मारने लगते हैं। इसके बाद वहीं टॉवेल का उपयोग त्वचा संबंधित कुछ भी परेशानी हो सकती है। इसलिए तौलिए को बारिश के दिनों में सुखी जगहों पर ही रखें।
- अक्सर नहाने के बाद लोग तौलिए को कही भी डाल देते हैं। ऐसे में बहुत बदबू आने लगती है। मौसम कोई-सा भी हो नहाने के बाद तौलिए को हमेशा किसी भी स्टैंड या रस्सी पर ही डालें। जिससे टॉवेल का गीलापन सुख जाएगा और बदबू भी नहीं आएगी।
- बारिश में दो तौलिए का इस्तेमाल कीजिए। और तौलिए को हर 2 दिन में धोते रहिए। जिससे बदबू नहीं आएगी और बैक्टीरिया भी नहीं पनपेंगे। मानसून सीजन में धूप बहुत कम निकलती है लेकिन जब भी धूप निकलती है तो गीले कपड़ों को धूप में जरूर डालें। इससे किसी भी कपड़ों में से बदबू नहीं आएंगी। साथ ही तौलिए को धूप में जरूर रखें।
- बारिश के सीजन में कपड़ें अगर नहीं सूखते हैं तो उन्हें आप पंखे की हवा में सुखा लीजिए। इससे बदबू नही आएगी।
- बारिश के दौरान सर्फ का इस्तेमाल थोड़ा अधिक कर लीजिए। इससे कपड़ों में से सर्फ की सुगंध के बीच बदबू दब जाएगी। साथ ही आप कपड़ों को धोने के दौरान हल्का सा डेटॉल का प्रयोग भी कर सकते हैं इससे भी कपड़ों में से बहुत कम दुर्गंध आएंगी। हल्की बदबू आने पर आप हल्का स्प्रे भी कर सकते हैं।

5 मिनट में तैयार करें नेल सीरम बढ़ जाएगी हाथों की खूबसूरती

बड़ें और मजबूत नाखून हाथों की शान को बढ़ा देते हैं। नाखून लंबे होने पर उंगलिया भी लंबी लगती है और नाजुक दिखती है। साथ ही हाथ खूबसूरत लगते हैं। अक्सर लड़कियां अपने नाखूनों पर लंबे वक्त तक नेल पेंट लगाकर रखती है। इतना ही नहीं नेल आर्ट भी दो या तीन महीने के लिए करवाती है। लेकिन क्या आप जानते हैं चेहरे की तरह नाखून की केयर करना भी जरूरी है। वरना नाखून भी बेजान हो जाते हैं और वह टूटने लगते हैं। जरूरी यह भी नहीं है कि हमेशा महंगे प्रोडक्ट का इस्तेमाल कर नाखून को सुंदर बनाया जा सकता है। दादी - नानी के नुस्खें आज भी बहुत कारगर है। तो आइए जानते हैं कैसे घर पर नेल सीरम तैयार करें ताकि नाखुनों को भी चेहरे की तरह ग्लो मिले।

सामग्री - 1 छोटा चम्मच एलोवेरा जेल, 2 विटामिन ई कैप्सूल, 1 छोटा चम्मच नारियल तेल

विधि - सभी को एक कटोरी में मिलाएं।

- इसके बाद किसी कंटेनर में भर लें।
- आपका सीरम तैयार है। अब इसे फ्रीज में स्टोर कर सकते हैं।

नेल सीरम लगाने का तरीका

- सबसे पहले अपने नाखून को अ[illegible] से धो कर पोंछ लें।
- इसके बाद एक कच्ची लहसुन की कली लें, छिलकर।
- उसे हल्के हाथों से रगड़े। क्योंकि तेज रगड़ने पर जलन भी हो सकती है।
- 10 मिनट के लिए छोड़ दें।
- इसके बाद तैयार नेल सीरम से मसाज करें।
- 10 मिनट लगा रहने दे और बाद में धो लें।
- फिर देखिए आपके नेल कितने साफ और सुंदर दिखेंगे।

नेल सीरम के फायदे

- नेल सीरम लगाने के बाद नाखूनों की सफाई होती रहेगी।
- नाखूनों की चमक बढ़ेगी।
- वह मजबूत होंगे और सुंदर दिखेंगे।

रसोई में छुपा है सेहत का खजाना

आधुनिक किचन में भी सेहत का खजाना छुपा है। चरक संहिता ने देश में पैदा होने वाली हर वनस्पति को औषधि माना है। यह और बात है कि हम उगने वाली कई सब्जियों और मसालों को कई कारणों से अपने आहार में शामिल नहीं कर पाते। मसलन लहसुन और प्याज अनेक धार्मिक समुदायों में वर्जित मानकर नहीं खाया जाता। लहसुन से उच्च रक्तचाप नियंत्रित किया जा सकता है, यह आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी मान चुका है। भारतीय आहार में सदियों से शामिल नमक से लेकर राई, जीरा, हल्दी, धनिया, मेथीदाना जैसे मसालों के चिकित्सकीय गुण-दोषों से हम बहुत कम वाकिफहैं। देशी नुस्खों के नाम पर नाक-भौं सिकोड़ने वाले नहीं जानते कि कई असाध्य बीमारियों को केवल खान-पान के बदलाव से ही नियंत्रित किया जा सकता है। उच्च रक्तचाप भी इनमें से एक है, लेकिन जरा रुकिए! बात उतनी सरल भी नहीं है, जितनी दिखाई दे रही है। उच्च रक्तचाप जैसे जिद्दी घोड़े पर सिर्फवैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों से ही लगाम नहीं लगाई जा सकती है।

यह सच है कि खानपान और नियमित कसरतों से रक्तचाप नियंत्रित होता है, लेकिन सिर्फ युवावस्था में ही। समस्या तो तब शुरू होती है, जब आप बुजुर्ग हो जाते हैं। जैसे-जैसे हमारा शरीर बूढ़ा होता जाता है हमारी रक्त नलिकाएँ सख्त होती जाती हैं। उच्च रक्तचाप की समस्या का मुख्य कारण भी यही है यानी रक्त नलिकाओं का सख्त हो जाना। समझने वाली बात यह है कि हमें एक लचीला कार्डियोवैस्कूलर सिस्टम चाहिए। दूसरे शब्दों में कहें तो हैल्दी लाइफस्टाइल चाहिए, जब तक आप अपने लिए हैल्दी लाइफस्टाइल की खोज करें तब तक खड़ा अनाज, मैग्नेशियम, विटामिन सी और पोटेशियम की भारी खुराक लेना शुरू कर दें। आप देखिए कि किचन में आपके मतलब का क्या है, मसलन लहसुन, हरी पत्तेदार सब्जियाँ, फल और केले हैं या नहीं, यदि नहीं हैं तो आप इन्हें मँगवा लें, क्योंकि हम अब आपके लिए उच्च रक्तचाप पर नियंत्रण का कार्यक्रम शुरू कर रहे हैं।

मैग्नेशियम

300 से 500 मिलीग्राम मैग्नेशियम प्रतिदिन खाना चाहिए। इसके दो विकल्प हैं, या तो आप भरपूर हरी पत्तेदार सब्जियाँ खाएँ या फिर इसकी गोलियाँ ले लें।

हेल्थ प्लस

मैग्नेशियम क्या करेगा? रक्त नलिकाएँ नर्म मांसपेशियों के बीच रहती है। मैग्नेशियम मांसपेशियों को शिथिल करता है। जब मांसपेशियाँ शिथिल होती हैं तो रक्तनलिकाओं को फैलने का अवसर मिल जाता है। इससे स्वतः रक्तचाप नियंत्रित होता है। अधिकांश लोगों में मैग्नेशियम की कमी पाई जाती है, जबकि इलाज आपके किचन में मौजूद है।

पोटेशियम

केला पोटेशियम का बड़ा स्त्रोत है। आप याद कीजिए कि केला आपने कब खाया था। आमतौर पर वजन पर नजर रखने वाले केले से दूरी बनाए रखते हैं, लेकिन वे भूल जाते हैं कि यह कितना महत्वपूर्ण है। यदि आप पहले से ही उच्च रक्तचाप के मरीज हैं और चिकित्सक की सलाह पर दवाएँ ले रहे हैं तो जान लीजिए कि चिकित्सक ने आपको पोटेशियम की खुराक पर्चे पर लिखी होगी। यदि गोलियों के रूप में पोटेशियम नहीं खाना चाहते हैं तो आपको हरी सब्जियों और केले की खुराक बढ़ा देना चाहिए। किडनी के मरीजों को पोटेशियम की खुराक लेने से पहले चिकित्सक की सलाह जरूर लेना चाहिए, क्योंकि हो सकता है कि उन्हें मूत्रवर्धक दवाएँ दी जा रही हों।

नमक

किचन का सबसे बड़ा दोस्त नमक है, जो उच्च रक्तचाप के रोगियों का उतना ही बड़ा दुश्मन है। नमक की रोजाना की खुराक में नियमित कमी करें। नमक कम करने का सबसे अच्छा उपाय है पैकेज्ड फूड से तौबा करना। अचार, पापड़, चाइनीज फूड सभी में नमक अधिकता से वापरा जाता है। किचन में ऑर्गेनिक फूड साल्ट ले आएँ। सब्जियाँ या दालें जब पक जाएँ, तब ऑर्गेनिक फूड साल्ट डालें। भोजन का स्वाद बढ़ाने के लिए रसदार फलों का प्रयोग शुरू करें, मसलन मौसंबी, नीबू, चकोतरा आदि। कच्चा नमक बंद कर दें। सब्जी या दाल में नमक कम लगे, तब भी कम से ही काम चला लें।

लहसुन

लहसुन खूब खाएँ, लेकिन कच्चा हो तो बेहतर। वजह यह है कि लहसुन को पकाने पर इसमें मौजूद 'एलिसिन' कम हो जाता है। जाहिर है कि यदि आप खूब सारा कच्चा लहसुन खाएँगे तो आपके पास बैठने वाले दोस्तों की संख्या कम ही रहेगी। खैर, यदि आप लहसुन के कैप्सूल ले रहे हों तो आपको चिकित्सक की सलाह मानना चाहिए। लहसुन ही क्यों तो इसका जवाब है कि अनेक शोधों से तय हुआ है कि इससे रक्तचाप कम होता है। यदि आप मधुमेह के रोगी हैं तो आपको मालूम होना चाहिए कि लहसुन से रक्तशर्करा भी घटती है। इसलिए मधुमेह के रोगियों को लहसुन की वैकल्पिक चिकित्सा के दौरान उच्च रक्तचाप की मॉनिटरिंग भी करनी चाहिए। यदि आपने हैल्दी लाइफस्टाइल जीने का मन बना ही लिया है तो खड़े अनाज का आहार भी शुरू कर दिया होगा। यदि नहीं तो आप कई महत्वपूर्ण पौष्टिक तत्वों से महरूम हो रहे होंगे, जो आपके लिए निहायत जरूरी है।

क्या करें जब...

परिस्थितियाँ कभी भी कहकर नहीं आती हैं। बच्चे की सामान्य देखभाल में पूरा ध्यान देने के बाद भी कई बार आप ऐसी स्थिति में उलझ जाते हैं, जब परिस्थिति से निपटने का साध न आपको मालूम होना चाहिए। इस लेख का उद्देश्य यही है कि जब आकस्मिक स्थितियों से आपका सामना हो तो आपको क्या करना चाहिए।

बच्चे को तेज बुखार हों

टेपिड स्पंजिंग अर्थात सामान्य नल के पानी अथवा हलके कुनकुने पानी से बच्चे के शरीर को पोंछें। अक्सर पालक बच्चे के सिर पर ठंडे पानी की पट्टी रख देते हैं, जो गलत होता है। तेज बुखार की अवस्था में बच्चे के कपड़े उतारकर पूरे शरीर को गीले कपड़े से पोंछें।

जब कोई पालतू या आवारा जानवर बच्चे को काट ले

- यदि काटे गए स्थान से खून बह रहा हो तो सबसे पहले उसे रोकें। इसके लिए उस जगह को सख्ती से दबाकर रखें। उसके बाद घाव को 10 मिनट तक साबुन और पानी से खूब अच्छी तरह से धोएँ। यह सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है।
- इसके बाद डॉक्टर को दिखाकर उनसे समझ लें कि बच्चे को किसी तरह के टीकाकरण की आवश्यकता है या नहीं?

बच्चा कोई जहरीला पदार्थ छू या चख ले

- सबसे पहले उस जहरीले पदार्थ-को बच्चे के मुँह में से या शरीर पर से निकालने की कोशिश करें। यदि बच्चे की समझ अच्छी है तो उसे थूकने को कहें या मुँह में उँगली डालकर निकालने की कोशिश करें।
- इसके बाद यदि संभव हो तो तुरंत अपने डॉक्टर से फोन पर सलाह लें कि उसे उल्टी करवाना ठीक है या नहीं। याद रखें सभी जहरीले पदार्थ को उल्टी करवाकर उसे निकालना ठीक नहीं होता है विशेष तौर पर बच्चे ने यदि एसिड अथवा बर्तन साफकरने का लिक्विड पी लिया हो तो उसे उल्टी नहीं करवाना चाहिए।
- यदि जहरीला पदार्थ शरीर से छू रहा है तो कपड़े हटाकर उसे पानी से अच्छी तरह से धोएँ। जो भी जहरीला पदार्थ उसने उल्टी में निकाला हो अथवा आपको मालूम हो कि उसने जो खाया है तो उसे संभालकर रखें। इसके तुरंत बाद बच्चे को अस्पताल ले जाएँ।

जब बच्चे को डायपर रैश हो रहे हों

- सबसे महत्वपूर्ण है शिशु की नैप्पी गंदी होते ही तुरंत बदल दी जाए।
- डिस्पोजेबल डायपर के बजाय कपड़े की नैप्पी का प्रयोग अधिक करें।
- बाहर आते-जाते समय भी शिशु को कपड़े की नैप्पी पहनाएँ एवं उसके ऊपर प्लास्टिक का कवर लगाएँ। नैप्पी के गीला होने पर उसे तुरंत बदलें।
- शिशु के मल-मूत्र विसर्जन करने के बाद उसके निचले हिस्से को पानी से धोयें लेकिन उस पर साबुन न लगाएँ।
- जब तक शिशु की त्वचा पूरी तरह सूख न जाए दूसरा डायपर न पहनाएँ।
- डायपर को शरीर पर थोड़ा ढीला बाँधें।
- कपड़े के डायपर को साबुन/डिटर्जेंट से धोने के बाद कम से कम 3-4 बार सिर्फ साफ पानी से धोएँ ताकि साबुन पूरी तरह से निकल जाए।
- शिशु की कपड़े की नैप्पी को धोने के बाद प्रेस करें तो बेहतर होगा। प्रेस करने से नैप्पी में मौजूद नमी स्वतः ही खत्म हो जाएगी।
- शिशु को कुछ समय के लिए बगैर नैप्पी के रहने दें। हवा लगने पर रैश जल्दी ठीक होंगे। टैल्कम पावडर का उपयोग न करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां आज पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-2-5-8

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
आय के अच्छे योग बनेंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। शुभांक-5-6-7

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा
प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ्ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-6-7-8

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आत्मचिंतन करें। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। योग्यताएं सम्मान दिलायेगी। शुभांक-3-6-9

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-7-8

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-2-6-7

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। यात्रा परिणाम सुखद रहेगा। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति साथ रहेगी। शुभांक-5-8-9

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। मन उदास रहेगा। कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। नौकरी में अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। शुभांक-3-5-9

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-1-2-3

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-2-6-9

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गवाएं। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। शुभांक-4-7-8

काकुरो पहेली - 2020

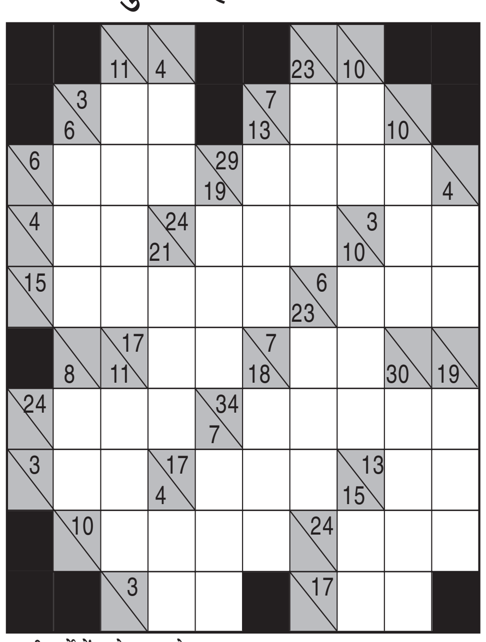

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 2019 का हल

लॉफिंग ज़ोन

गीता (अपने प्रेमी से)- रमन देखो! सामने खिड़की में जो तोता-मैना बैठे हैं, दोनों रोजाना यहाँ आते हैं। साथ-साथ बैठते हैं, प्यार भरी मीठी-मीठी बाते? करते हैं और चहचहाते रहते हैं और एक हम हैं कि हमेशा लड़ाई-झगड़ा करते ही रहते हैं।

प्रेमी (प्रेमिका से)- हाँ सही है! लेकिन तुमने उनकी एक खास बात पर ध्यान नहीं दिया, देखो यहाँ बैठने वाले जोड़े में से रोजाना तोता तो वही होता है, पर मैना रोज नई-नई होती है।

□ □ □

एक बार एक कार्यस्थल पर तीन छोटे-छोटे बंदर उधम मचाते हुए अंदर घुस गए। उनके गले में तीन तख्तियाँ टंगी हुई थी, जिनमें लिखा हुआ था, बुरा देखो, बुरा सुनो और बुरा बोलो। वहाँ बैठे एडिटर साहब गाँधीजी के तीन वाक्यों का अनादर होते देख उबल पड़े और बोले- ये वाक्य उल्टे कैसे हो गए?

तभी एक शरारती बंदर बोला- आप जानते नहीं अब हम भी एडिटर हो गए है।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 2020

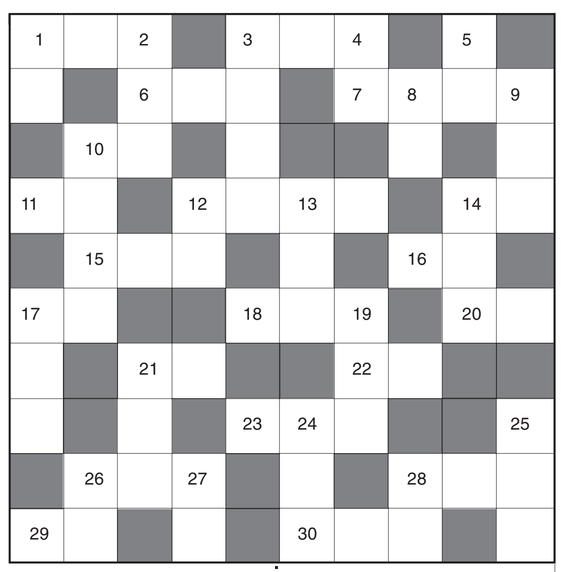

बायें से दायें:-

१. अमोल पालेकर, जरीना की 'दो दीवाने शहर में' गीत वाली फिल्म-३
३. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली अक्षयकुमार, मधु की फिल्म-३
६. सुनीलदत्त, नूतन की 'सावन का महीना' गीत वाली फिल्म-३
७. 'ये हवाएं सर्द हैं' गीत वाली राजेश, मिथुन, शबाना की फिल्म-४
१०. फिल्म 'नरसिम्हा' में नायक कौन था-२
११. 'तुम को कितना है प्यार' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'आवाज दे कहाँ है दुनिया मेरी जवां है' की गायिका कौन थी-४
१४. 'अनपढ़' में धर्मेन्द्र की नायिका-२
१५. फिल्म 'देवदास' में 'चंद्रमुखी' कौन बनी है?-३
१६. 'दिन प्यार के आये रे' गीत वाली शेखर, कामिनी कौशल की फिल्म-२
१७. अमिताभ, शशिकपूर, शत्रुघ्न, राखी, परवीन, बिंदिया गोस्वामी की फिल्म-२
१८. शशिकपूर, जीनत की 'लैला ने भी प्यार किया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'सुना था देखा न था' गीत वाली आफताब, उर्मीला की फिल्म-२
२१. आमिर, माधुरी की 'खभे जैसी खड़ी हैं' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिल्म 'ब्लैकमेल' में नायिका कौन थी?-२
२३. अक्षय, माधुरी की 'अब तेरे दिल में' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'ऊपरवाला दुखियों की' गीत वाली दिलीप, सायरा बानो की फिल्म-३
२८. प्रसिद्ध बालगीत 'आओ बच्चों तुम्हें दिखायें' किस फिल्म का हैं?-३
२९. 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली गोविंदा, नीलम की फिल्म-२
३०. प्रदीपकुमार, वैजयंती की 'जादूगर सैंया' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'आजकल पाँव जमीं पर' गीत वाली फिल्म-२
२. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली फिल्म-३
३. अक्षय कुमार, करिश्मा की 'सच कहते हैं हम' गीत वाली फिल्म-४
४. 'काली नागिन के जैसी' गीत वाली फिल्म-२
५. राज कपूर, नर्गीस की 'ये शाम की तनहाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
८. 'बात बात में रूठो ना' गीत वाली बलराज साहनी, नूतन की फिल्म-२
९. 'शोला और शबनम' में नायिका कौन थी-३
१०. फिल्म 'सनम बेवफा' में चांदनी के साथ नायक कौन था?-४
१२. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख शेख, पूनम की फिल्म-२
१३. संजय कपूर, शिल्पा की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'काले लिबास में बदन' गीत वाली इंद्रकुमार, आयशा की फिल्म-३
१७. जॉय मुखर्जी, सायरा की 'उड़ के पवन के संग' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'ऐ दीवाने दिल' गीत वाली अक्षय कुमार, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-३
२१. 'हाँ हाँ ये प्यार है' गीत वाली फिल्म-३
२४. फिल्म 'अंखियों से गोली मारे' की नायिका कौन है?-३
२५. 'काश तुम मुझ' गीत वाली संजय, रवीना, करिश्मा की फिल्म-३
२६. 'सपने में मिलती है' गीत वाली फिल्म-२
२७. फिल्म 'भूत' में पुलिस इंस्पेक्टर की भूमिका किसने की है?-२
२८. 'नैनों में महबूब के' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 2019

सूडोकु -2020

4					1	9		
						8	5	
			7	3				
			3				4	7
9								2
8	5				6			
				5	8			
	7	4						
		6	2					5

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2019 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

शब्द पहेली - 2020

बाएँ से दाएँ

1.ईष्ट कृपा,वर-4
3.मान का विलोम-4
8.शैतानी करना-4,3
10.झगड़ा,बैर-3
11.जंगल,वन-3
13.सर्दी से बचने के लिये जलाई गई लकड़ियों का ढेर-3
15.जलने के बाद बचे अवशेष-2
17.कार्य-2
18.पतवार-2
19.नमाज से पहले हाथ-पांव धोना-2
21.नमस्कार-3
25.बूंद-3
26.जिज्ञासा,लगन-3
27.आत्मोत्सर्ग करना-4,3
30.मां के माता-पिता-2,2
31.रपटना-4

ऊपर से नीचे

2.वलय,घेरा-3
4.तीन घंटे का समय-3
5.खिसकना-4
6.उन्मादी,मदमस्त-4
7.यज्ञ,होम-3
8.नगर-3
9.तिरस्कृत-3
12.रूप अभिमान-3
13.शांति-3
14.प्रतिज्ञा-3
16.सहभोज-3
20.मोजा, पायताबा-3
22.उदारता-4
23.परवरिश करना-3
24.वचन तोड़ना-4
25.लेखनी-3
28.लिखावट-3
29.अमीर,धनवान-3

शब्द पहेली -2019 का हल

चित्तौड़गढ़ पुलिस की बड़ी कार्रवाई : अवैध मादक पदार्थों की कमाई से अर्जित अवैध संपत्ति को कराया गया फ्रिज

एजेंसी

चित्तौड़गढ़। अवैध मादक पदार्थों की काली कमाई से खरीदी गई अवैध संपत्ति को फ्रीज करने की कार्रवाई पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी के निर्देशन में थानाधिकारी पारसोली द्वारा की गई। अपराधी देवीलाल गुर्जर द्वारा अवैध मादक पदार्थ का व्यापार कर खरीदी गई अवैध संपत्तियों को एनडीपीएस एक्ट की धारा 68F के तहत फ्रीज करने की कार्रवाई थानाधिकारी पारसोली प्रेमसिंह (उ. नि.) द्वारा की गई। फ्रिज की गई संपत्ति के समस्त दस्तावेज संबंधित अथॉरिटी को भिजवाए गए हैं। अपराधी की फ्रिज की गई संपत्ति की कीमत करीब दो करोड़ रुपए है। पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने बताया कि अवैध मादक पदार्थों की खरीद फरोख्त से अर्जित की गई सम्पति को फ्रिज करने की कार्यवाही के क्रम में अवैध मादक पदार्थों की खरीद फरोख्त से अर्जित की गई सम्पतियों को एनडीपीएस एक्ट की धारा 68 स्न(1) के तहत् फ्रिज करने की कार्यवाही धानाधिकारी प्रेम सिंह उप निरीक्षक पारसोली जिला चित्तौडगढ़ द्वारा की गई। समस्त दस्तावेज संबंधित कंपीटेट अर्थोरिटी को भिजवाये गये। अभियुक्त देवीलाल पुत्र नारायण लाल गुर्जर निवासी इटावा थाना पारसोली जिला चित्तौडगढ के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज है।

बिहार में डॉक्टर तीन दिन की हड़ताल पर, ओपीडी सेवाएं ठप

पटना । बिहार के सरकारी अस्पतालों के डॉक्टरों ने गुरुवार से तीन दिन की हड़ताल शुरू कर दी है। इसके कारण राज्य भर में बाहरी मरीजों के इलाज (ओपीडी) की सेवाएं ठप हो गई हैं। डॉक्टरों का कहना है कि सरकार उनकी वेतन, सुरक्षा और स्टाफ की कमी जैसी समस्याओं का समाधान नहीं कर रही है। हड़ताल से मरीजों को बहुत परेशानी हो सकती है। खासकर गांवों के मरीजों को, जो सरकारी अस्पतालों पर निर्भर होते हैं। बिहार स्वास्थ्य सेवा संघ (बीएचएसए) ने बायोमेट्रिक हाजिरी, प्रशासनिक दबाव और कर्मचारियों की कमी जैसे मुद्दों का विरोध करते हुए हड़ताल बुलाई थी। हालांकि, हड़ताल सिर्फ ओपीडी सेवाओं तक ही सीमित है और आपातकालीन और ट्रॉमा सेवाएं सामान्य रूप से चलती रहेंगी। बीएचएसए के प्रवक्ता डॉ. विनय कुमार के मुताबिक, डॉक्टरों की सुरक्षा, वेतन, गृह जिलों में पोस्टिंग और जरूरी सुविधाओं की कमी जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से कई बार की गई अपीलों का कोई जवाब नहीं मिला है। डॉ. कुमार ने कहा, सरकार हमारी मांगों पर चुप है, जिससे हमें काम छोड़ने का फैसला करना पड़ा। हमने गुरुवार से तीन दिन की हड़ताल करने का निर्णय लिया है।

आतिशी के आरोपों पर आशीष सूद का पलटवार, कहा- 'भाजपा सरकार में शिक्षा प्रणाली बेहतर हो रही है'

नई दिल्ली । दिल्ली सरकार के बजट पर विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। शिक्षा बजट को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) के आरोपों पर अब दिल्ली सरकार में कैबिनेट मंत्री आशीष सूद ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में एजुकेशन सिस्टम बेहतर हो रहा है। दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री आशीष सूद ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, 'आम आदमी पार्टी का एजुकेशन सिस्टम ऐसा था कि दिल्ली के नॉर्थ-ईस्ट जिले में मौजूद 48 स्कूलों में एक लाख 48 हजार बच्चे पढ़ते थे, यानी एक स्कूल में ढाई हजार बच्चे शिक्षा हासिल कर रहे थे, जिनमें से अधिकांश बच्चे अल्पसंख्यक समाज से आते हैं। 'आप' ने ऐसा सिस्टम बनाया कि अल्पसंख्यक समाज की बेटियों को 7 से 8 किलोमीटर दूर पढ़ने जाना पड़ता था। ये उनका एजुकेशन सिस्टम था।' उन्होंने आतिशी के आरोपों का जिक्र करते हुए आगे कहा, 'आतिशी आजकल कुछ ऐसी बातें कर रही हैं, जैसे पहले क्रिकेट खेलते समय बच्चे करते थे। सत्ता चली गई, फिर भी वह समझ नहीं पाई हैं कि भाजपा सरकार में एजुकेशन सिस्टम कितना बेहतर हो रहा है। हम नरेंद्र मोदी के सिपाही हैं और दिल्ली की मुख्यमंत्री ने बजट को 31 प्रतिशत तक बढ़ाया है, जिससे साफ है कि हमारी सरकार कैसे खेलेगी।

राहुल गांधी ही नहीं, बल्कि किसी भी विपक्षी नेता को बोलने नहीं दिया जाताः प्रमोद तिवारी

नई दिल्ली । लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने स्पीकर पर आरोप लगाया कि जब भी मैं सदन में खड़ा होता हूं, मुझे बोलने नहीं दिया जाता। उनके इस आरोप का कांग्रेस के राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि न केवल राहुल गांधी, बल्कि किसी भी विपक्षी नेता को बोलने नहीं दिया जा रहा है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बयान पर कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने बातचीत में कहा, जो बात राहुल गांधी बोल रहे हैं, वह 100 फीसदी सही है। पूरा देश राहुल गांधी को देखता और सुनता है। लोकसभा का सीधा प्रसारण होता है, लेकिन भाजपा फिर भी झूठ बोल रही है। न केवल राहुल गांधी, बल्कि किसी भी विपक्षी नेता को बोलने नहीं दिया जा रहा है। ऐसा लगता है कि देश में लोकतंत्र नहीं है। भाजपा तानाशाही पार्टी बन गई है और वे लोकतंत्र में विश्वास नहीं करते, मैं भाजपा की निंदा करता हूं। यूपी के संभल में किसी भी सड़क या छत पर नमाज अदा न किए जाने पर प्रमोद तिवारी ने कहा, मैं वहां के हिंदुओं और मुसलमानों से विनम्र निवेदन करता हूं ।

घबराइए मत, हर समस्या का होगा समाधान : सीएम

एजेंसी

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में आए फरियादियों से लोगों से आत्मीयता से संवाद किया। उन्होंने कहा कि आप घबराइए नहीं, हर समस्या का समाधान सुनिश्चित कराया जाएगा। हर पीड़ित की शिकायत का प्रभावी निस्तारण होगा। वह बुधवार की सुबह गोरखपुर में जनता दर्शन के दौरान प्रदेश भर से आए फरियादियों की समस्याएं सुन रहे थे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान दें और उसका समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण व पारदर्शी निस्तारण कराएं।

गोरखनाथ मंदिर परिसर में महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री ने करीब 200 फरियादियों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने के निर्देश दिए। जनता दर्शन में महिलाओं की संख्या अधिक रही। कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे। एक-एक कर और इत्मीनान से सबकी समस्याएं सुनीं। उन्हें आश्वस्त किया कि वह सभी की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कराएंगे। किसी को भी घबराने की आवश्यकता नहीं है। प्रार्थना पत्रों को उन्होंने अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए। कुछ लोगों द्वारा जमीन कब्जाने की शिकायत पर उन्होंने कठोर कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अफसरों को यह निर्देश भी दिए कि यदि किसी प्रकरण में पीड़ित को लगातार परेशानी का सामना करना पड़ा है तो इसकी भी जांच कर जवाबदेही तय की जाए।

जनता दर्शन में कुछ लोग इलाज में आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि इलाज में धन की कमी बाधक नहीं होगी। अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज में अस्पताल के इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द पूर्ण कराकर शासन में भेजें। मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से इलाज के लिए पर्याप्त राशि दी जाएगी। उन्होंने जनता दर्शन में परिजनों के साथ बच्चों पर खूब प्यार-दुलार बरसाया। बच्चों से बात कीं और उनकी पढ़ाई के बारे में जानकारी ली । साथ ही चॉकलेट गिफ्ट करते हुए आशीर्वाद भी दिया।

मेरठ में सड़क पर नमाज पढ़ी तो पासपोर्ट व लाइसेंस होगा जब्तः एएसपी

एजेंसी

मेरठ। जुमा अलविदा और ईद की नमाज को लेकर पुलिस ने सख्त आदेश जारी किए हैं। अपर पुलिस अधीक्षक नगर (एएसपी सिटी) आयुष विक्रम ने बुधवार को बताया कि अगर कोई सड़क पर नमाज पढ़ता हुआ पाया गया तो उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाएगी। साथ ही उसका पासपोर्ट और ड्राइविंग लाइसेंस जब्त कर लिया जाएगा। रमजान के आखिरी अलविदा की नमाज और ईद-उल-फितर पर अदा की जाने वाली नमाज के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। एएसपी सिटी ने सभी मुस्लिमों से कहा है कि ईदगाह और मस्जिद के अलावा कहीं भी नमाज न अदा करें। अगर कोई नमाजी सड़क पर नमाज पढ़ता हुआ पाया गया तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। सड़क पर नमाज पढ़ने पर पासपोर्ट और ड्राइविंग लाइसेंस भी जब्त किया जाएगा। पिछले साल भी नमाज पढ़ने वाले 200 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की कार्रवाई की गई थी। उन्होंने बताया कि संवेदनशील और अति संवेदनशील इलाकों में सतर्कता बढ़ा दी गई है। ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जा रही है। पुलिस सोशल मीडिया पर भी नजर रख रही है। लोकल इंटेलीजेंस को भी सक्रिय किया गया है।

अमित शाह के खिलाफ कांग्रेस ने दिया विशेषाधिकार हनन का नोटिस

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यसभा में कांग्रेस के मुख्य सचेतक जयराम रमेश ने आज केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस पेश किया। इसमें अमित शाह पर राज्यसभा सदस्य सोनिया गांधी पर आक्षेप लगाने का आरोप है। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ को दिए गए अपने नोटिस में जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि अमित शाह ने राज्यसभा सदस्य एवं कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी पर आक्षेप लगाया है। जयराम रमेश ने 25 मार्च, 2025 को आपदा प्रबंधन विधेयक, 2024 पर बहस के दौरान अमित शाह के जवाब का हवाला दिया है। जयराम रमेश ने दावा किया कि उस दिन अमित शाह ने कहा, कांग्रेस के शासनकाल में पीएम राहत कोष बनाया गया था और एनडीए यानी मोदी के शासनकाल में पीएम केयर्स फंड बना। कांग्रेस के शासनकाल में केवल एक परिवार का नियंत्रण होता था और कांग्रेस अध्यक्ष इसके सदस्य थे। कांग्रेस अध्यक्ष सरकारी कोष का हिस्सा हैं, वे इस देश के लोगों को क्या जवाब देंगे। क्या कोई इसे पढ़ता

या देखता नहीं है? कांग्रेस नेता ने कहा कि जैसा कि उपरोक्त के अवलोकन से देखा जा सकता है कि गृहमंत्री ने सोनिया गांधी का नाम नहीं लिया, लेकिन उन्होंने स्पष्ट रूप से उनका उल्लेख किया था और प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (एनपीएमआरएफ) के कामकाज के संबंध में उनकी मंशा पर संदेह जताया था। उन्होंने तर्क दिया कि सदन के किसी भी सदस्य पर टिप्पणी करना या अपमानजनक बातें कहना विशेषाधिकार का उल्लंघन तथा सदन की अवमानना है। जयराम रमेश ने कहा कि इस मामले में गृहमंत्री ने सोनिया गांधी की प्रतिष्ठा को धूमिल करने के लिए पूर्व नियोजित उद्देश्य से उनके खिलाफ निराधार आरोप लगाए थे। गृहमंत्री का बयान सरासर झूठा और मानहानिकारक है। यह सोनिया गांधी के विशेषाधिकार का हनन है। इसलिए यह विशेषाधिकार का हनन और सदन की अवमानना का भी मामला बनता है। इसलिए विशेषाधिकार हनन का नोटिस राज्यसभा में प्रक्रिया एवं कार्य संचालन के नियम 188 के तहत सोनिया गांधी पर आक्षेप लगाने के लिए दिया गया। इसके मद्देनजर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ विशेषाधिकार हनन की कार्यवाही शुरू की जा सकती है।

संभल में सड़कों-छतों पर नहीं पढ़ सकेंगे जुमा अलविदा और ईद की नमाजः एएसपी श्रीशचंद

एजेंसी

संभल। जिले में जुमा अलविदा और ईद की नमाज सड़क पर नहीं पढ़ी जाएगी। ना हीं छतों पर नमाज अदा होगी। लाउडस्पीकर को लेकर भी सरकार के गाइडलाइन का पालन करना होगा। यह कहना है कि अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) श्रीशचंद्र का है। सदर कोतवाली में बुधवार को एएसपी, एसडीएम डॉ. वंदना मिश्रा और सीओ अनुज चौधरी के नेतृत्व में अमन कमेटी की बैठक हुई। इसमें त्योहारों को शांतिपूर्वक एवं भाईचारे के साथ मनाने की अपील की गई। एएसपी ने कहा कि शांति समिति की बैठक में सभी धर्मों के लोगों के साथ की गई। इसमें स्पष्ट रूप से अवगत और सुनिश्चित कराया गया है कि मस्जिद एवं ईदगाह के अंदर ही नमाज अदा की जाएगी। परिसर के बाहर सड़क पर कोई नमाज अदा नहीं की होगी। साथ ही बिजली, पानी की समस्या से भी अवगत कराया गया, जिसे समय रहते दूर कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने समय अनुसार लाउडस्पीकर की मांग की थी, उसके संदर्भ में उचित कार्यवाही के लिए अवगत कराया गया। जोनल व

सेक्टर व्यवस्था पूर्व की तरह लागू है। पर्याप्त पुलिस बल भी लगाया जाएगा। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सड़कों के साथ ही छतों पर नमाज अदा नहीं हो। उपजिलाधिकारी डॉ. वंदना मिश्रा ने कहा कि शांति समिति की बैठक में जिन-जिन लोगों ने बिजली, पानी आदि की समस्या बताई थी। संबंधित विभाग को निर्देशित किया गया है कि शीघ्र ही समस्या का समाधान कर लिया जाए। लाउडस्पीकर की अनुमति नहीं दी गई है।

भाजपा नेता की हत्या के बाद रांची बंद, जगह-जगह सड़क जाम, कई नेता गिरफ्तार

एजेंसी

रांची । रांची में स्थानीय भाजपा नेता और जिला परिषद के पूर्व सदस्य अनिल टाइगर की हत्या के खिलाफ गुरुवार को आहूत रांची बंद का व्यापक असर दिख रहा है। रांची शहर में 15 से भी अधिक स्थानों पर बंद समर्थकों ने सड़कों पर जाम लगा दिया है। शहर के कई प्रमुख बाजार और व्यावसायिक प्रतिष्ठान भी बंद करा दिए गए हैं। रांची पुलिस ने बंद के समर्थन में सड़कों पर उतरे 20 से अधिक भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया है। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री और रांची के सांसद संजय सेठ भाजपा नेता की हत्या के विरोध में रातू रोड में बीच सड़क पर अपने समर्थकों और कार्यकर्ताओं के साथ धरने पर बैठे हैं। रांची के कांके चौक पर भाजपा नेता अनिल महतो टाइगर की हत्या शाम करीब चार बजे उस वक्त गोली मारकर कर दी गई थी, जब वह एक होटल में बैठे थे। वारदात को अंजाम देकर बाइक से भाग रहे अपराधियों का स्थानीय लोगों ने पीछा किया था और इसी दौरान पुलिस ने शूटर रोहित वर्मा को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया था, जबकि दूसरा अपराधी अमन कुमार भागने में सफल रहा था। इस घटना के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी, आजसू पार्टी, जदयू और झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा ने बंद बुलाया है। बंद समर्थक सुबह आठ बजे से ही रांची में सड़कों पर उतर आए। उन्होंने बूटी मोड़, पिठोरिया, पिस्का मोड़, रातू रोड, कांके चौक समेत कई प्रमुख इलाकों की सड़कों को जाम कर दिया गया है।

कांग्रेस विधायक के बिगड़े बोल- सांड से की साधु-संत और महामंडलेश्वर की तुलना

एजेंसी

सतना। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश के सतना जिले की अमरपाटन विधानसभा सीट से विधायक डॉ. राजेंद्र कुमार सिंह का विवादित बयान सामने आया है। उन्होंने बुधवार को सतना में आयोजित जिला स्तरीय कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम में साधु-संत और महामंडेश्वर की तुलना सांड से कर दी है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने इन्हें प्रचार करने के लिए जनता के बीच छोड़ दिया है और ये सांड दूसरों के खेत चर रहे हैं।कांग्रेस विधायक डॉ. राजेंद्र कुमार सिंह ने कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा ने साधु-संत, संन्यासी, बाबा बैरागी और महामंडलेश्वरों को जनता के बीच छोड़ दिया। जाओ हिंदुत्व की बात करो, भाजपा का प्रचार करो, सनातन की बात करो। और ये सांड.. चर रहे हैं दूसरों का खेत। ये जो भारत की पहचान है, धर्म निरपेक्षता की, समाजवाद की। संवैधानिक संस्थाओं की मजबूती, सब कुछ चरमरा रही है। बहुत बड़ी चुनौती. जिसे मंजिल समझ रहे हो जीतू भाई वो बसेरा है। मशाल जलाओ, अभी बहुत अंधेरा है।

इस अवसर पर कार्यक्रम के मंच पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और प्रदेश कांग्रेस प्रभारी हरीश चौधरी, पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह समेत कई वरिष्ठ नेता मंच पर मौजूद थे। कांग्रेस विधायक राजेंद्र सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि आज हम विपरीत परिस्थितियों में हिमालय के सामने खड़े हो गए हैं। भारतीय जनता पार्टी अब वो पार्टी नहीं रही। गोलवलकर जी, श्यामा प्रसाद मुखर्जी और उनके जो अधिष्ठाता थे, उन्होंने जो बीज बोया था, हिंदू राष्ट्र बनाने का, धर्म के नाम पर भारत की पहचान बनाने का। वह बीज आज पनपकर पौधा बन गया है और वृक्ष बन रहा है। उस विचार धारा को बढ़ाने के लिए वे निरंतर वे प्रयास करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि संयोग ऐसा कि राम मंदिर आ गया, महाकुंभ आ गया। कितना प्रचार हुआ, मैंने तो गणित लगाया। 10-12 करोड़ से ज्यादा लोग नहीं गए। मैं विज्ञान का विद्यार्थी रहा हूं, इंजीनियर हूं। 60 करोड़ लोग, वाट्सएप यूनिवर्सिटी ने लोगों के दिमाग में भर दिया। उन्होंने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी से कहा कि जिसे मंजिल समझ रहे हो जीतू भाई वो बसेरा है। मशाल जलाओ, अभी बहुत अंधेरा है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पीछे की बातें भूलो। प्याज के छिलके निकालने से कुछ नहीं होगा। अब संगठन में परिवर्तन की जरूरत है। तेरा-मेरा मत देखना। ईमानदार और हक वाले को पद देना है। अभी कोई चुनाव नहीं है, यह संगठन की बात है। उन्होंने संगठन में बदलाव का ऐलान करते हुए कहा कि तीन साल से जमे ब्लॉक अध्यक्षों को बदला जाएगा और अच्छा काम करने वालों को ऊपर लाया जाएगा। आज एक साथ चलने की जरूरत है।

राणा सांगा की वीरता और देशभक्ति पर कोई सवाल नहीं: अखिलेश यादव

एजेंसी

लखनऊ। सपा के राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन के आगरा स्थित आवास पर हुए हमले के बाद अखिलेश यादव एक तरह से बैकफुट पर दिखाई दिए। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि समाजवादी पार्टी (सपा) मेवाड़ के राजा राणा सांगा की वीरता और राष्ट्रभक्ति पर कोई सवाल नहीं कर रही। हमारा उद्देश्य किसी इतिहास पुरुष का अपमान करना नहीं हो सकता। लेकिन साथ ही उन्होंने सरकार पर भी सवाल दागा। कहा कि क्या पीडीए सांसद पर इस तरह का हमला जीरो टॉलरेंस के अंतर्गत आएगा। ऐसा करने वालों की एआई से पहचान कर दंडित किए जाए।

राज्यसभा में सपा सांसद रामजी लाल सुमन ने 21 मार्च को कहा था कि भारत में बाबर को

राणा सांगा ने इब्राहीम लोदी पर हमला करने को बुलाया था। इस बयान के बाद करणी सेना के कार्यकर्ताओं ने बुधवार को सांसद के आगरा स्थित पर हमला कर दिया। इसके बाद सपा मुखिया ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि हमारे सांसद ने सिर्फ एक पक्षीय लिखे गये इतिहास और एक पक्षीय की गई व्याख्या का उदाहरण देने की कोशिश की है। हमारा कोई भी प्रयास राजपूत समाज या किसी अन्य समाज का अपमान करना नहीं है। आज के समय में बीते कल की मतलब 'इतिहास' की घटनाओं की व्याख्या नहीं की जा सकती। राज-काज के निर्णय अपने समय की परिस्थियों की मांग के हिसाब से लिए जाते थे। इतिहास की घटनाओं के आधार पर आज की लोकतांत्रिक व्यवस्था नहीं चल सकती। भाजपा सरकार को अपनी भेदकारी आदत को सुधार कर जनता के रोज़ी-रोज़गार, स्वास्थ्य और सुरक्षा पर कुछ ध्यान देना चाहिए। भाजपा ने इतिहास के कुछ विषयों को सदैव राजनीतिक लाभ उठाने के लिए और देश को धार्मिक-जातिगत आधार पर विभाजित करने के लिए इस्तेमाल किया है। सपा सामाजिक न्याय और समतामूलक समाज की स्थापना में विश्वास करती है। हम कमज़ोर से कमज़ोर हर एक व्यक्ति को भी सम्मान दिलाना चाहते हैं।

नक्सली संगठन नाबालिगों को दे रहे गुरिल्ला वार व बम बनाने की ट्रेनिंग

एजेंसी

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर में नक्सली संगठन नाबालिग बच्चे-बच्चियों के हाथों में हथियार पकड़ा रहे हैं। साथ ही जंगल में इनको बम बनाना सिखाने व गुरिल्ला वार की भी ट्रेनिंग दे रहे हैं। इसका खुलासा दंतेवाड़ा-बीजापुर जिले की सीमा पर मंगलवार को हुए मुठभेड़ में मारे गये 25 लाख रुपये के इनामी नक्सली सुधीर उर्फ सुधाकर के पास से बरामद चार पन्नों के पत्र से हुआ है। पत्र में मिले सबूत के अनुसार जंगल में नाबालिक बच्चों को हथियार चलाना (स्नाइपर चलाना) और आईईडी बनाना भी सिखा रहे हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नक्सली लीडर सुधाकर उर्फ मुरली के पास से पुलिस ने सामान के साथ तेलुगु भाषा में लिखा एक पत्र भी बरामद हुआ है, जिसमें नक्सल संगठन में नए लड़कों की भर्ती और नक्सली लीडर्स के साथ बैठक सहित कई बातें लिखी हुई हैं। पत्र में लिखा है कि कुछ दिन पहले नक्सलियों की उत्तर बस्तर ब्यूरो में माड़ इलाके में सीसीएम, डीकेएसजेडसी कैडर के नक्सलियों की हाई लेवल मीटिंग हुई थी। इस बैठक में नक्सल संगठन के काम, नुकसान, कामयाबी और चुनौतियों की समीक्षा की गई, उसकी रिपोर्ट तैयार की गई, जिसका उल्लेख पत्र में किया गया है। पत्र में लिखा है कि जिन लड़कों की भर्ती की गई है, वे अभी लड़ने योग्य नहीं हैं। नक्सल संगठन को लड़ाके चाहिए, जो भर्ती हुए हैं, उन्हें नक्सल नीति, राजनीति, लड़ाई लड़ने की ट्रेनिंग दी गई है। उनको अभी लड़ने योग्य बनाने में समय लगेगा। जो संगठन में हैं, उनमें ज्यादातर लोगों ने आत्मसमर्पण कर दिया और कुछ मारे गए हैं। अगर नक्सल संगठन में नई भर्तियां नहीं होती हैं तो नक्सलवाद का अस्तित्व खतरे में है। पत्र को अलग-अलग एरिया कमेटी में भेजकर उन्हें नई भर्ती और मीटिंग में हुई समीक्षा की जानकारी दी गई है। नक्सलियों के चार पन्नों के तेलुगु भाषा में हाथ से लिखे पत्र में पूरा लेखा-जोखा है। लिखा है कि माड़ डिवीजन के इंद्रावती एरिया कमेटी और नेलनार एरिया में 130 लोगों की नई भर्ती हुई है, जिन्हें गुरिल्ला युद्ध की ट्रेनिंग दिए हैं। 18 से 22 उम्र के युवक-युवतियों को हथियार थमाया गया है, लेकिन 9 से 17 उम्र तक के अभी बच्चे हैं। उन्हें पढ़ाई कराई गई है, जो अनपढ़ हैं उन्हें अक्षर ज्ञान दिया गया है। भौगोलिक स्थिति के बारे में नक्सल संगठन, नक्सलवाद के इतिहास और क्रांति के बारे में जानकारी देने की बात लिखी है। नक्सलियों के इस पत्र में लिखा है कि अगर कोई युवक-युवती नक्सल संगठन में शामिल होते हैं, हथियार पकड़ते हैं, तो वे अब गांव न जाएं। क्योंकि उन्हें डर है कि कहीं लड़ाके आत्मसमर्पण् न कर दें, या फिर पुलिस उन्हें गिरफ्तार न कर ले, इसलिए नक्सलियों ने इस तरह का फरमान जारी किया है। बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने मारे गए इनामी नक्सली से बरामद पत्र में नक्सली संगठन नाबालिकों को गुरिल्ला वार ट्रेनिंग देने के संबंध में कहा कि नक्सलियों का यह तरीका नया नहीं है।

भवन निर्माण विभाग के चीफ इंजीनियर के घर ईडी की रेड, महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त

एजेंसी

पटना । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने भवन निर्माण विभाग के चीफ इंजीनियर तारिणी दास के पटना के फुलवारी शरीफ स्थित पूर्णेंदु नगर के आवास पर गुरुवार सुबह छापेमारी की। कई गाड़ियों में सवार होकर जांच टीम पूर्णेंदु नगर में स्थित तारिणी दास के घर पर पहुंची और गेट बंद कर दिया था, ताकि न कोई अंदर से बाहर जा सके और न कोई बाहर से अंदर आ सके। जानकारी के अनुसार, यह कार्रवाई कथित भ्रष्टाचार और आय से अधिक संपत्ति के मामले में की गई है। ईडी की टीम ने उनके घर से महत्वपूर्ण दस्तावेज और संपत्ति से संबंधित कागजात जब्त किए हैं। सूत्रों के अनुसार, यह छापेमारी सुबह 6 बजे शुरू हुई और कई घंटों तक चली। तारिणी दास पर आरोप है कि उन्होंने अपने पद का दुरुपयोग कर अवैध तरीके से संपत्ति अर्जित की है। इस कार्रवाई से सरकारी विभागों में हड़कंप मच गया। ईडी अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच जारी है और जल्द ही इस प्रकरण में और खुलासे हो सकते हैं। प्रवर्तन निदेशालय की ओर से छापेमारी की कार्रवाई की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। ऐसा बताया जा रहा है कि टेंडर को मैनेज करने के नाम पर विभाग में बड़ी गड़बड़ी की जा रही थी, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई।

राज्य सभा में सोनिया गांधी ने मातृ वंदन योजना को लेकर सरकार को घेरा

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी की सांसद सोनिया गांधी ने राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान गरीब गर्भवती महिलाओं को दी जाने वाले मातृ वंदन योजना के तहत निर्धारित राशि नहीं मुहैया कराने का मुद्दा उठाया। सोनिया गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना के तहत असंगठित क्षेत्र की गर्भवती महिलाओं को 6 हजार रुपये प्रति बच्चा पोषण के लिए देने का भी प्रावधान है। सोनिया गांधी ने कहा कि योजना 2017 में शुरू हुई थी, जो इस प्रावधान को ही पूरा करने के लिए थी लेकिन इस योजना के तहत पहले बच्चे के जन्म पर

केवल पांच हजार रुपये ही दिए जा रहे हैं। दूसरा बच्चा अगर लड़की है तो यही लाभ दिया जा रहा है। साल 2022-23 में हुए एक अध्ययन के मुताबिक 68 फीसदी महिलाओं को इस योजना के तहत केवल एक किश्त ही दी गई। इसके अगले ही साल इसमें भारी गिरावट आई और आंकड़ा 12 फीसदी पर आ गया। सोनिया गांधी ने कहा कि एनएफएसए के तहत पूर्ण प्रसव के दौरान दिए जाने वाले इस लाभ के लिए 12000 करोड़ रुपये वार्षिक बजट की जरूरत है। यह आश्चर्यजनक है कि बजट में एनएफएसए के तहत मातृ वंदन योजना के लिए आवंटन का आंकड़ा ही नहीं दिया गया है।

तृणमूल कांग्रेस की सांसद डोला सेन ने मिड डे मील में उपयोग किए जाने वाले तेल की मात्रा को 10 प्रतिशत तक कम करने का मुद्दा उठाया। डोला सेन ने कहा कि प्रधानमंत्री ने बच्चों में मोटापे को देखते हुए स्कूलों में दिए जाने वाले मिड डे मील में तेल की खपत में 10 प्रतिशत कम करने की नीति तैयार की जा रही है। बिना किसी अध्ययन के इस तरह की नीति सही नहीं है। स्कूलों में दिए जाने वाले खाने की गुणवत्ता पर पहले से ही सवाल उठते रहे हैं। उस पर उनके खाने में 10 प्रतिशत तक वसा को कम करने की नीति पर विचार करने की आवश्यकता है। बच्चों के मानसिक और शारीरिक विकास में वसा (फैट) महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बिना किसी रिसर्च और अध्ययन के इस तरह स्कूलों में दिए जाने वाले भोजन में फैट की मात्रा को 10 प्रतिशत तक की कमी करना ठीक नहीं है।

ऑरेंज ऑन टॉप

मौसम के बदलते मिजाज का असर फैशन की दुनिया में भी नजर आने लगा है। गर्मी की दस्तक के साथ ही आनंद और स्फूर्ति का अहसास देने वाले रंगों के प्रति बढ़ने लगा है आकर्षण। इस लिहाज से परफेक्ट है ऑरेंज कलर। इन दिनों फैशन में भी टॉप पर है ऑरेंज कलर। चूंकि रेड और यलो से मिलकर बनता है ऑरेंज कलर, इसलिए इसमें समाए हैं उन दोनों के गुण। गौरतलब है कि खुशी, गर्मजोशी और ऊर्जा को प्रतिबिंबित करता है रेड कलर, वहीं यलो कलर प्रतीक है आनंद और उल्लास का। इस तरह दोनों के गुणों को समाहित करने वाला ऑरेंज कलर प्रतिबिंबित करता है जीवन के प्रति सकारात्मक द्ृष्टिकोण व खुशमिजाज रवैया। जब आप ऑरेंज रंग की ड्रेस पहनेंगी तो आपके व्यक्तित्व में भी दिखेगा नित नयी चुनौतियों से जूझने का उत्साह और आत्मविश्वास। यही वजह है कि किसी न किसी रूप में इस रंग को जीवन में शामिल करना है बेहतरीन विचार। ड्रेस ही नहीं ऑरेंज कलर की एक्सेसरीज का फैशन भी है जबर्दस्त। ऑरेंज कलर की फुटवेयर, सनग्लासेस के फ्रेम, हेयर एक्सेसरीज, नेल पॉलिश इत्यादि का चुनाव भी आपको देगा स्मार्ट व जिंदगी के प्रति पॉजिटिव आउटलुक।

कलर्ड हेयर रहें हेल्दी

मौसम ने करवट ले ली है। गर्मियां दस्तक दे चुकी हैं। इस मौसम का स्वागत करने के लिए क्या आपके बाल तैयार हैं? अगर आपने बालों को कलर कराया है तो गर्मी का मुकाबला करने के लिए उनकी खास देखभाल की जरूरत होगी। यहां हेयर एक्सपर्ट जावेद हबीब बता रहे हैं केमिकल ट्रीटेड और कलर्ड बालों की देखभाल के लिए कुछ खास उपाय।

1. बालों को कलर कराने से पहले यह ध्यान देना जरूरी है कि आपके बाल किस हाल में हैं। यानी उनकी कंडिशन कैसी है। कहीं बाल दोमुहे या अत्यधिक रूखे तो नहीं हैं। ऐसी स्थिति में कलर कराने से बचना चाहिए। बालों में किसी भी प्रकार का ट्रीटमेंट (केमिकल ट्रीटमेंट) कराने के लिए उन्हें स्वस्थ होना जरूरी है। सप्ताह में एक बार डीप कंडिशनिंग ट्रीटमेंट लेने से बालों को पोषण मिलेगा।

2. एंटी डैंड्रफ या क्लेरिफाई हेयर शैंपू का इस्तेमाल भूल कर भी न करें। कलर्ड हेयर के लिए खास तौर पर बना शैंपू ही इस्तेमाल करें। बेहतर होगा कि आप कलर बूस्टिंग एंड क्लेयर फॉर्म्युला प्रयोग करें।

3. कलर ट्रीटेड हेयर के लिए वॉल्यूमाइजिंग शैंपू कभी न प्रयोग करें। यह क्यूटिकल्स से कुदरती तेल निकाल देगा।

4. कलर किए हुए बालों को धूप के सीधे संपर्क में आने न दें। धूप में अधिक देर तक रहना हो तो हैट, स्कार्फ या बेसबॉल कैप लगाएं। आप एसपीएफ युक्त हेयर स्प्रे भी कर सकती हैं।

5. गर्मियों में जहां तक हो सके ब्लो ड्राई और हीट ट्रीटमेंट/स्टाइलाइजिंग से बचें। स्ट्रेटनिंग या आयरनिंग वगैरह के बजाय बालों को नैचरल स्टाइल में रहने दें। आकर्षक चोटी, पोनीटेल या मेसी बन बना सकती हैं।

6. सप्ताह में एक बार बालों में मेथी दाना पैक लगाएं। इससे उनका पीएच बैलेंस बना रहेगा और वे हेल्दी भी रहेंगे।

गर्मियों के लिए तैयार करें त्वचा

जैसे-जैसे मौसम बदलता है त्वचा की देखभाल का तरीका भी बदलता है। सर्दियों में जहां त्वचा रूखी हो जाती है, वहीं गर्मियों में धूप से मुरझा जाती है। लेकिन मौसम बदलने से पहले कुछ बातों का ध्यान रखा जाए तो त्वचा संबंधी कई समस्याओं से बचा जा सकता है। यहां त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. अक्षय बत्रा बता रहे हैं कि गर्मियों का सामना करने के लिए आप अपनी त्वचा को कैसे तैयार करें।

20-30 वर्ष

बनी रहे कोमल त्वचा

इस उम्र की स्त्रियां ज्यादातर समय बाहर बिताती हैं। कॉलेज या निजी काम के लिए लंबी दूरी तय करती हैं। व्यस्त दिनचर्या के चलते वे एक अहम तथ्य को नजरअंदाज करती हैं और वह है नियमित अंतराल पर पानी पीते रहना। गर्मियों में पसीने के रूप में शरीर से काफी मात्रा में पानी बाहर निकल जाता है। ऐसे में यदि लंबे समय के लिए घर से बाहर रहना या नियमित व्यायाम करना है तो शरीर में पर्याप्त मात्रा में पानी का होना बहुत जरूरी है। इससे त्वचा कोमलता भी बरक़रार रहती है।

धूप से सुरक्षा

दोपहर की धूप सबसे नुकसानदेह होती है। संभव हो तो सुबह 11 से दोपहर 3 बजे के बीच बाहर निकलने से बचें। इस समय सूर्य की किरणें सबसे तेज होती हैं और त्वचा पर बुरा असर डालती हैं। इसलिए बाहर निकलने से 30 मिनट पहले चेहरे व त्वचा के खुले हिस्सों पर सनस्क्रीन लगाना न भूलें।

तली चीजों से परहेज

यही वह उम्र है जब फास्टफूड बहुत भाते हैं। अधिक वसायुक्त या तली चीजें खाने से सुस्ती आती है, यह पाचन प्रक्रिया को सुस्त बना देते हैं। पाचन क्रिया बिगडने का सीधा असर त्वचा पर पड़ता है। जहां तक हो सके बाहर के खाने से बचें। बहुत जरूरी हो तो फल या ताजे फलों का जूस पी सकती हैं।

कम चाय व कॉफी

डाइयुरेटिक होने के कारण अधिक चाय एवं कॉफी पीने से यूरिन की समस्या हो सकती है। साथ ही यह त्वचा में मौजूद जरूरी पानी भी कम करते हैं, जिस कारण त्वचा रूखी हो सकती है। ग्रीन टी इसका अच्छा ऑप्शन है। ये न सिर्फ अतिरिक्त वसा कम करेगी, बल्कि त्वचा पर चमक भी लाएगी।

एयरेटेड पेय से रहें दूर

इनमें शक्कर की मात्रा अधिक होती है, जो न त्वचा और न ही सेहत के लिए अच्छा है। प्यास बुझाने के लिए फ्रेश लाइम, ताजे फलों का जूस या नारियल पानी पीना समझदारी होगी।

क्लींजिंग है जरूरी

सोने से पहले माइल्ड फेसवॉश से चेहरा साफ करने के बाद एसपीएफ युक्त मॉयस्चराइजर लगाएं। चेहरा साफ करने के लिए गुलाबजल का इस्तेमाल करें। इससे ताजगी मिलेगी। खीरे का रस या नारियल पानी भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

टैनिंग से छुटकारा

2-2 चम्मच बेसन व दही में 1/4 नीबू का रस मिलाकर लगाएं। सूखने पर मलते हुए छुड़ाएं। नीबू व दही के सिट्रस गुण टैनिंग हटाते हैं।

30-40 वर्ष

जलयुक्त मॉयस्चराइजर

मॉयस्चराइजिंग रुटीन का सख्ती से पालन करें। यदि नियमित मॉयस्चराइजर अधिक तैलीय है तो वॉटर बेस्ड मॉयस्चराइजर का इस्तेमाल करें। ताकि त्वचा की कुदरती नमी बरकरार रहे।

टोनर है जरूरी

त्वचा के रोमछिद्रों को बंद रखने और ताजगी बनाए रखने के लिए टोनर का इस्तेमाल बहुत जरूरी है। इसके लिए गुलाब जल का प्रयोग कर सकती हैं। इसमें स्वभाविक कूलिंग के गुण होते हैं जो गर्मियों के उत्तम है। टोनर इसलिए जरूरी है, क्योंकि गर्मियों में लू चलती है और धूल-मिट्टी त्वचा पर चिपक जाती है। अगर क्लींजिंग के बाद छिद्र बंद न हों तो धूल-गंदगी त्वचा के भीतर चली जाएगी और उससे संक्रमण होने का खतरा रहेगा।

एक्सफोलिएशन

मृत त्वचा को हटाने और चेहरे की त्वचा का रक्त संचार बढ़ाने के लिए एक्सफोलिएशन जरूरी है। इसके लिए बाजार में उपलब्ध कॉस्मेटिक स्क्रब का चुनाव कर सकती हैं या घर पर भी इसे बना सकती हैं। घर पर स्क्रब बनाने के लिए 4-5 चम्मच बेसन, चुटकी भर हल्दी, 5-6 बूंद गुलाब जल और दूध या दही लें। इसे एक पेस्ट की तरह मिक्स करके चेहरे पर लगाएं। 10 मिनट बाद मलकर हटाएं। इसके बाद फेसमास्क और मॉयस्चराइजर लगाना न भूलें।

फेसपैक लगाएं

रंगत निखारने के लिए घरेलू फेसपैक का प्रयोग करें। पपीता प्राकृतिक गुणों से भरपूर होता है और इसका इस्तेमाल घर पर फेसपैक बनाने के लिए भी कर सकती हैं। दो चम्मच पके हुए पपीते को अच्छी तरह मसलें। इसमें एक चम्मच शहद और एक अंडे की सफेदी मिलाएं। इस मिश्रण को 15 मिनट तक चेहरे पर लगाकर छोड़ दें। साफ पानी से धो लें।

त्वचा को दें ठंडक

आधा खीरा और एक चम्मच दही को एक साथ पीस कर पैक बना सकती हैं इसे 15 मिनट तक चेहरे पर लगाएं। फिर ठंडे पानी से धो लें। यह त्वचा को ठंडक प्रदान करेगा और जलन कम करेगा।

40-50 वर्ष

त्वचा को दें पर्याप्त नमी

उम्र जैसे-जसे बढ़ती है, त्वचा के लिए नमी के स्तर को बनाए रख पाना मुश्किल होता जाता है। इस तरह समय से पहले ही त्वचा अधिक बूढ़ी नजर आने लगती है। इस उम्र में त्वचा अपना प्राकृतिक लचीलापन और मॉयस्चराइजर खो देती है। ऐसे में क्रीम रिच मॉयस्चराइजर का इस्तेमाल करें। यह भी सुनिश्चित करें कि आपके मॉयस्चराइजर एसपीएफ 30 के साथ ब्रॉड-स्पेक्ट्रम सनस्क्रीन युक्त है या नहीं।

मुंहासों से छुटकारा

हॉर्मोंस असंतुलन के कारण 40 पार भी मुंहासों की समस्या हो जाती है। इसे नजरअंदाज न करें। त्वचा रोग विशेषज्ञ की राय लें ताकि मुंहासों का सही इलाज हो सके यदि त्वचा में गंभीर पिग्मेंटेशन, रैशेज, झुर्रियां, लाल निशान या ढीलेपन की समस्या है तो आप इन उपचारों को भी अपना सकती हैं -

स्किन रिन्युवल ट्रीटमेंट :

एंटी एजिंग से मुक़ाबला करने के लिए यह उपाय अपना सकती हैं। साथ ही मृत त्वचा को हटाने और त्वचा की असमान रंगत को सुधारने के लिए भी यह उपाय अपना सकती हैं।

क्लैरिटी ट्रीटमेंट :

यह उपचार बांह, छाती, गर्दन और चेहरे पर मौजूद पिग्मेंटेशन को हटाने के लिए अपना सकती हैं।

स्किन टाइटनिंग :

हाथ, गर्दन और चेहरे की ढीली त्वचा में कसाव लाने के लिए स्किन टाइटनिंग उपचार की मदद ले सकती हैं। यह उपचार त्वचा का लचीलापन लाने वाले कोलेजन के उत्पादन को बढ़ाने में मदद करता है।

डाइट का रखें ध्यान

आहार में अमीनो एसिड्स, ग्लुकोसैमाइन, विटमिन बी6 सहित एंटीऑक्सिडेंट्स, विटमिन ए, सी, डी, और ई शामिल करना जरूरी है। इसके लिए डाइट में स्किम्ड मिल्क, हरी पत्तेदार सब्जियां, अंकुरित दालें और मेवे शामिल करें।

परफेक्ट एक्सेसरीज

इसमें कोई शक नहीं कि पहनावे से झलकता है हमारा व्यक्तित्व। इस ओर ध्यान देना जरूरी है, पर इसके साथ एक्सेसरीज भी समान रूप से मायने रखती हैं। फैशन और अवसर के अनुरूप एक्सेसरीज के चयन से आप जोड़ सकती हैं व्यक्तित्व में अनूठा आकर्षण

स्टड्स

खूबसूरत डिजाइन में सिंगल डायमंड स्टडेड ईयरिंग्स देते हैं नीट लुक। आप चाहें तो दूसरी डिजाइन में अपनी पसंद के टॉप्स खरीद भी सकती हैं। अगर आप ऐसे ईयरिंग्स के कई पेयर नहीं खरीदना चाहती हैं तो न्यूट्रल कलर स्टोन्स के खूबसूरत स्टड्स खरीदें।

सनग्लासेज

ये सिर्फ आपकी आंखों को सूर्य की हानिकारक किरणों से ही नहीं बचाते, बल्कि स्टाइलिश दिखने के लिए लिहाज से भी इसका इस्तेमाल है परफेक्ट। इन दिनों चलन में हैं डबल शेडेड सन ग्लासेज। टर्टल शेल फ्रेम्स में डबल शेडेड ग्लासेज काफी स्टाइलिश लुक देते हैं।

शैंडेलियर ईयरिंग्स

इससे आपके कूल लुक में जुड़ता है जबर्दस्त आकर्षण। टू टियर या थ्री टियर में लटकन स्टाइल शैंडेलियर ईयरिंग्स परफेक्ट लगते हैं। यहां इस बात का ख्याल रखें कि ये ईयरिंग्स बहुत ज्यादा भड़कीले न हों।

लंबी चेन

पहनावा इंडियन हो या वेस्टर्न, उसके साथ परफेक्ट एक्सेसरी है लंबी चेन। मोती, स्टोन्स, गोल्ड या फिर किसी अन्य मेटल की लंबी माला या चेन आप अपनी पसंद से चुन सकती हैं। यह न सिर्फ हर पहनावे के साथ जंचती है, बल्कि इसे आप कई प्रकार से धारण कर सकती हैं। गले में इसे आप सिंगल या डबल करके डाल सकती हैं। चाहें तो ब्रेसलेट की भांति हाथ में पहन सकती हैं। हर तरह से यह खूबसूरत लगेगी।

कॉकटेल रिंग

कुछ परिधान ऐसे होते हैं, जिनके साथ भारी नेकलेस या ईयरिंग्स की जरूरत नहीं होती। सिर्फ एक कॉकटेल रिंग ही काफी होती है। स्टोन स्टडेड ओवरसाइज खूबसूरत रिंग जब आपकी अंगुली में होगी तो सबका ध्यान सिर्फ उसी ओर होगा।

हैंडबैग

ओवरसाइज हैंड बैग होना भी है बेहद जरूरी। अक्सर हमें पहले से पता नहीं होता और अचानक कहीं जाने का प्रोग्राम बन जाता है। ऐसे में अगर आपके पास बड़ा हैंड बैग होगा तो उसमें जरूरत का सारा सामान, जैसे बुक, मेकअप पाउच, छोटा टॉवल इत्यादि रखकर साथ कैरी कर सकती हैं। ब्लैक, ब्राउन या किसी अन्य न्यूट्रल शेड में हैंड बैग खरीदें, जो सभी के साथ मैच कर सके।

रिस्ट वॉच

आजकल फैशन है दो टोन वाली रिस्ट वॉच का। यह रिस्ट वॉच अगर ओवरसाइज हो तो और भी बेहतर है। स्टोन्स स्टडेड, मेटल या लेदर के स्ट्रैप वाली रिस्ट वॉच में से आप अपनी पसंद के अनुरूप रिस्ट वॉच चुन सकती हैं, पर इसे अपने एक्सेसरीज कलेक्शन में अवश्य शामिल करें।

बूट्स

इसमें मौजूद हैं ढेरों डिजाइन्स। लांग बूट, शॉर्ट बूट्स, फर या हील वाले बूट्स में से आप क्या चाहती हैं, यह खुद तय करें। जब कभी फुटवेयर को लेकर संशय हो तो निश्चिंत होकर इन्हें धारण कर सकती है। हर पहनावे के साथ ये बूट्स जंचेंगे।

स्टिलटोज

स्मार्ट स्टिलटोज के बगैर आपका वार्डरोब अधूरा है। ब्लैक या न्यूड शेड्स में स्टिलटोज का एक पेयर अवश्य खरीदें, जो आपके सभी भारतीय और वेस्टर्न पहनावे के साथ मैच कर जाएंगे। चूंकि इनमें पतली हील होती है, इसलिए इन्हें पहनते समय सावधानी बरतनी चाहिए। एक बार आपको इन्हें पहनने की प्रैक्टिस हो गयी, फिर चिंता की कोई बात नहीं।

वेज हील

आप हील पहनने की चाह रखती हैं, पर अपने पांवों को जरा भी तकलीफ नहीं देना चाहती तो आपके लिए बेस्ट हैं वेज हील। ये इतनी आरामदायक होती है कि आपको यह महसूस ही नहींहोगा कि आपने हील पहन रखी है।

क्लच

पार्टी या अन्य किसी खास मौके के लिए तैयार हो रही हैं तो एक्सेसरी के तौर पर हाथ में क्लच बैग लेना न भूलें। यदि आप बहुत अधिक क्लच बैग खरीदने में रुचि नहीं रखती हैं तो भी न्यूट्रल शेड में कम से कम एक क्लच तो आपके पास होना ही चाहिए, ताकि उसे

गुज्जर और बक्करवालों के लिए अंतर-ग्राम वॉलीबॉल प्रतियोगिता आयोजित

एजेंसी

रियासी। सामुदायिक जुड़ाव को बढ़ावा देने और खेल भावना को बढ़ावा देने के निरंतर प्रयास में भारतीय सेना ने जिला रियासी के बलमतकोट के सुदूर स्थान पर गुज्जर और बक्करवाल समुदाय के लिए अंतर-ग्राम वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में कई गांवों से उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई जिसमें युवा एथलीटों ने अपनी प्रतिभा, टीमवर्क और खेल भावना का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का उद्देश्य शारीरिक फिटनेस को प्रोत्साहित करना, सामुदायिक बंधनों को मजबूत करना और स्थानीय युवाओं को खेलों में अपनी क्षमता दिखाने के लिए एक मंच प्रदान करना था। भाग लेने वाली टीमों का उत्साहवर्धन करने के लिए बड़ी संख्या में स्थानीय लोग एकत्र हुए जिससे यह कार्यक्रम शानदार सफल रहा। भारतीय सेना ने समुदाय के सदस्यों के साथ बातचीत भी की जिससे सुदूर क्षेत्रों के कल्याण और विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को बल मिला। विजेता टीम को क्षेत्र में खेल गतिविधियों को और बढ़ावा देने के लिए पदक और खेल उपकरण प्रदान किए गए। इस कार्यक्रम का समापन एकता के संदेश और भारतीय सेना द्वारा गुज्जर और बक्करवाल समुदाय के युवाओं के लिए इस तरह की पहल का समर्थन जारी रखने के आश्वासन के साथ हुआ।

भारतीय निशानेबाजों का पहला दल अर्जेंटीना के लिए रवाना

नई दिल्ली। भारतीय निशानेबाजों का 22 सदस्यीय पहला दल सुबह अर्जेंटीना की राजधानी ब्यूनस आयर्स के लिए रवाना हो गया है। दल में 13 सहायक स्टाफ सदस्य भी शामिल हैं। भारतीय निशानेबाज 2025 के पहले अंतरराष्ट्रीय शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन (आईएसएसएफ) वर्ल्ड कप (राइफल/पिस्टल/शॉटगन) में भाग लेने के लिए जा रहे हैं, जिसकी प्रतिस्पर्धाएं 03 अप्रैल से शुरू होंगी। कुल 35 भारतीय निशानेबाज 15 पदक आयोजनों में भाग लेंगे, जिसमें 12 व्यक्तिगत और 03 मिश्रित टीम इवेंट्स शामिल हैं। पेरिस ओलंपिक में दोहरी पदक विजेता मनु भाकर एकमात्र एथलीट हैं जिन्हें दो व्यक्तिगत इवेंट्स में चयनित किया गया है। शेष टीम के सदस्य 29 मार्च को रवाना होंगे, क्योंकि उनकी प्रतियोगिताएं टूर्नामेंट के बाद के चरणों में शुरू होती हैं। कुछ को छोड़कर सभी निशानेबाजों ने 14 मार्च से दिल्ली स्थित डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में राष्ट्रीय रचनात्मकता शिविर में भाग लिया था, जो दक्षिण अमेरिका में होने वाले दोहरे वर्ल्ड कप चरण की तैयारी कर रहे थे। ब्यूनस आयर्स के बाद पेरू के लीमा में अगले महीने दूसरा वर्ल्ड कप होगा। इससे पहले भारतीय निशानेबाजी टीम के हाई परफॉर्मेंस मैनेजर रौनक पांडे ने शिविर की प्रमुखता के बारे में बात करते हुए कहा, हमारा मुख्य ध्यान हर एथलीट की क्षमता को अधिकतम बनाने पर है।

हिला क्रिकेट विश्व कप 2025 क्वालिफायर के लिए पाकिस्तान की टीम घोषित, निदा डार बाहर

नई दिल्ली। पाकिस्तान ने आगामी आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 क्वालिफायर के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। यह टूर्नामेंट 9 से 19 अप्रैल तक पाकिस्तान में खेला जाएगा, जिसमें मेजबान पाकिस्तान सहित छह टीमें हिस्सा लेंगी। इस टूर्नामेंट के शीर्ष दो स्थानों पर रहने वाली टीमें इस साल भारत में होने वाले 50 ओवरों के विश्व कप के लिए क्वालिफाई करेंगी। टीम की कमानी फातिमा सना करेंगी, जो पिछले साल आईसीसी महिला टी20 विश्व कप में भी पाकिस्तान की कप्तान रही थीं। हालांकि, टीम से बॉलिंग ऑलराउंडर निदा डार को बाहर रखा गया है। निदा उन 19 खिलाड़ियों में शामिल थीं, जिन्हें इस क्वालिफायर टूर्नामेंट के लिए प्रशिक्षण शिविर में बुलाया गया था, लेकिन अंतिम टीम में उन्हें जगह नहीं मिल पाई। इस टीम में युवा बल्लेबाज शवाल जुल्फिकार की भी वापसी हुई है, जो 2023 में कंधे की चोट के कारण क्रिकेट से दूर रही थीं। यह छह टीमों का क्वालिफायर टूर्नामेंट राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में खेला जाएगा, जिसमें सभी टीमें एक-दूसरे के खिलाफ एक-एक मैच खेलेंगी। शीर्ष दो टीमें आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 के लिए क्वालिफाई करेंगी, जो इस साल भारत में होगा। इस टूर्नामेंट में पाकिस्तान, वेस्टइंडीज, थाईलैंड, स्कॉटलैंड, आयरलैंड और बांग्लादेश की टीमें शामिल हैं।

लियोनेल मेसी 14 साल बाद आएंगे भारत

नई दिल्ली। फुटबॉल प्रेमियों के लिए बड़ी खुशखबरी है। 14 साल बाद लियोनेल मेसी और अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम भारत का दौरा करने वाली है। अक्टूबर 2025 में केरल के कोच्चि में अर्जेंटीना एक प्रदर्शनी मैच खेलेगी। एचएसबीसी इंडिया ने अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन (एएफए) के साथ साझेदारी की है, जिसके तहत भारत में फुटबॉल को बढ़ावा दिया जाएगा। इस करार के तहत अर्जेंटीना की टीम भारत का दौरा करेगी और एक दोस्ताना मुकाबला खेलेगी।एचएसबीसी इंडिया ने अपने आधिकारिक बयान में कहा, इस साझेदारी के तहत अर्जेंटीना की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम, जिसमें दिग्गज खिलाड़ी लियोनेल मेसी भी शामिल हैं, अक्टूबर में भारत का दौरा करेगी और एक अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी मैच खेलेगी। अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष क्लाउडियो फेबियन टापिया ने इस करार को अपनी टीम के अंतरराष्ट्रीय विस्तार की दिशा में एक नया मील का पत्थर बताया। यह समझौता भारत और सिंगापुर में अर्जेंटीना की फुटबॉल उपस्थिति को मजबूत करेगा।

केआईपीजी 2025 (राउंडअप-सातवां दिन): सोनलबेन ने टेबल टेनिस में जीता स्वण

एजेंसी

नई दिल्ली। खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2025 के सातवें दिन गुजरात की पैरा ओलंपियन सोनलबेन पटेल ने महिलाओं की क्लास 3 टेबल टेनिस स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। उन्होंने बिहार की विद्या कुमारी को आसानी से हराकर खिताब पर कब्जा किया।इंदिरा गांधी स्टेडियम कॉम्प्लेक्स में खेले गए अन्य टेबल टेनिस फाइनल मुकाबलों में 21 वर्षीय रिषित नथवानी और 14 वर्षीय दीपिका विजय ने पुरुषों की क्लास 5 और महिलाओं की क्लास 4 श्रेणी में चौंकाने वाली जीत दर्ज की।

पदक तालिका में हरियाणा शीर्ष पर

खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2025 के सातवें दिन के समापन तक 178 स्वर्ण पदक तय हो चुके थे। हरियाणा 32 स्वर्ण पदकों के साथ शीर्ष पर बना हुआ है, जबकि तमिलनाडु (28 स्वर्ण) और उत्तर प्रदेश (22 स्वर्ण) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं।

सोनलबेन पटेल का संघर्ष और सफलता की कहानी

37 वर्षीय सोनलबेन पटेल जब केवल छह महीने की थीं, तब उन्हें पोलियो हो गया था, जिससे उनके दोनों पैर और दाहिना हाथ प्रभावित

हुआ और 90त्न दिव्यांगता हो गई। लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी और 2022 में बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में कांस्य पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। अब उन्होंने खेलो इंडिया पैरा गेम्स में भी लगातार दूसरी बार स्वर्ण पदक जीता। अपनी जीत के बाद सोनलबेन ने कहा, खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2025 में न सिर्फ भाग लेना बल्कि लगातार दूसरी बार स्वर्ण जीतना अविश्वसनीय अनुभव है। मैंने कभी अपनी दिव्यांगता को अपनी सफलता की राह में रुकावट नहीं बनने दिया, और इस पर मुझे गर्व है। तीन दिनों तक चली पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता में चार राष्ट्रीय रिकॉर्ड बने। जसप्रीत कौर (45 किग्रा), मनीष कुमार (54 किग्रा), सीमा रानी (61 किग्रा) और झांडू कुमार (72 किग्रा) ने अपने-अपने भार वर्ग में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन किया। हरियाणा के प्रदीप जून ने 107+ किग्रा भार वर्ग में 194 किग्रा वजन उठाकर लगातार दूसरी बार खेलो इंडिया पैरा गेम्स का स्वर्ण पदक जीता। प्रदीप, जो एक किसान परिवार से आते हैं, ने 2021 में पावरलिफ्टिंग शुरू की थी और अब वे राष्ट्रीय खेलों और खेलो इंडिया पैरा गेम्स में स्वर्ण जीत चुके हैं। अपनी कठिन यात्रा को याद करते हुए प्रदीप ने कहा, मैं खेत में काम कर रहा था, तभी एक हादसे में मेरी टांग में नसों को नुकसान पहुंचा। सही इलाज न मिलने के कारण मेरी टांग काटनी पड़ी। मैं छह महीने तक अवसाद में रहा, लेकिन मेरे दोस्त जयदीप ने मेरा हौसला बढ़ाया और मुझे पावरलिफ्टिंग से जोड़ा, जिससे मुझे नई पहचान मिली।दिल्ली की सहिस्ता ने भी शानदार प्रदर्शन किया और पिछले संस्करण की रजत पदक विजेता इस बार 79 किग्रा भार वर्ग में 81 किग्रा वजन उठाकर स्वर्ण पदक जीतने में सफल रहीं। बचपन में एक गलत इंजेक्शन के कारण उनके घुटने को स्थायी नुकसान हुआ था, लेकिन उन्होंने अपनी कमजोरी को ताकत में बदला। अपनी उपलब्धि पर सहिस्ता ने कहा, मैंने समय के साथ इसे स्वीकार किया।

प्रधानमंत्री ने सेपक टाकरा विश्वकप में भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाने पर पुरुष रेगु टीम को बधाई दी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सेपक टाकरा विश्वकप 2025 में भारतीय सेपक टाकरा दल को उनके अभूतपूर्व प्रदर्शन के लिए बधाई देते हुए पहला स्वर्ण पदक लाने पर टीम की सराहना की। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पोस्ट में कहा, सेपक टाकरा विश्वकप 2025 में शानदार खेल के प्रदर्शन के लिए हमारे दल को बधाई। यह दल 7 पदक लेकर आया है।

पुरुषों की रेगु टीम ने भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। यह शानदार प्रदर्शन वैश्विक सेपक टकरा के खेल में भारत के लिए आशाजनक भविष्य का संकेत देता है। उल्लेखनीय है कि पटना के पाटलिपुत्र खेल परिसर में सेपक टाकरा विश्वकप 2025 में भारत की पुरुष रेगु टीम ने मंगलवार को स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया। भारत ने फाइनल में जापान पर 2-1 से जीत हासिल की।

फीफा क्लब विश्व कप 2025 की पुरस्कार राशि घोषित: विजेता को 125 मिलियन डॉलर!

एजेंसी

नई दिल्ली। फीफा ने 2025 क्लब वर्ल्ड कप की इनामी राशि का खुलासा कर दिया है, जिससे यह टूर्नामेंट अब तक का सबसे अधिक पुरस्कृत क्लब फुटबॉल प्रतियोगिता बन गया है।

मुख्य इनामी राशिः

विजेता टीमः 125 मिलियन डॉलर तक जीतने का मौका।

कुल इनामी राशिः 1 बिलियन डॉलर की राशि 32 प्रतिभागी क्लबों में वितरित की जाएगी।

अतिरिक्त सहायताः वैश्विक क्लब फुटबॉल को समर्थन देने के लिए 250 मिलियन डॉलर अलग रखे गए हैं।

भागीदारी इनामी राशिः 525 मिलियन डॉलर निर्धारित।

क्षेत्रीय आधार पर इनामी राशिः

यूईएफए क्लबः 12.81 मिलियन डॉलर से 38.19 मिलियन डॉलर तक की राशि प्राप्त करेंगे, जो उनकी रैंकिंग और राजस्व पर निर्भर करेगा। चेल्सी, मैनचेस्टर सिटी, रियल मैड्रिड और बायर्न म्यूनिख जैसी टीमें शीर्ष इनामी राशि पाने की दावेदार हैं।

कोंमेबोल (दक्षिण अमेरिकी) क्लबः 15.21 मिलियन डॉलर के करीब।

कॉनकैकएएफ, सीएएफ और एएफसी क्लबः 9.55 मिलियन डॉलर।

ओएफसी (ओशिनिया) क्लबः 3.58 मिलियन डॉलर।

टूर्नामेंट का प्रारूपः

टूर्नामेंट में कुल 32 टीमें भाग लेंगी।

प्रतियोगिता 14 जून से 13 जुलाई, 2025 तक संयुक्त राज्य अमेरिका में आयोजित होगी।

इसमें सात मैचों का ग्रुप स्टेज और प्लेऑफ फॉर्मेट होगा।

टूर्नामेंट से होने वाली सभी कमाई क्लब फुटबॉल के विकास में ही लगाई जाएगी।

फीफा की नई वैश्विक फुटबॉल पहलः

फीफा ने सॉलिडैरिटी इन्वेस्टमेंट प्रोग्राम की भी घोषणा की है, जिससे फुटबॉल का वैश्विक स्तर पर विकास सुनिश्चित किया जाएगा। उल्लेखनीय रूप से, फीफा इस टूर्नामेंट से कोई राजस्व नहीं रखेगा और उसकी आरक्षित निधि भी प्रभावित नहीं होगी, जिससे 211 सदस्य संघों में फुटबॉल का दीर्घकालिक निवेश सुनिश्चित किया जा सकेगा।

मैं बल्लेबाज की तरह सोचता हूं, यही मेरी ताकत है- मोईन अली

एजेंसी

गुवाहाटी। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के ऑलराउंडर मोईन अली ने राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के खिलाफ अपने शानदार प्रदर्शन से टीम को पहली जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 2 विकेट लेकर 23 रन दिए और खासकर नितीश राणा को क्लासिक ऑफ-स्पिन गेंद से बोल्ड कर सबका ध्यान खींचा।पोस्ट-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में मोईन अली ने अपनी गेंदबाजी की रणनीति पर बात करते हुए कहा, मैं हमेशा बल्लेबाज की तरह सोचता हूं, यही मेरी ताकत है।

इससे मुझे यह समझने में मदद मिलती है कि सामने वाला बल्लेबाज क्या करने की कोशिश कर रहा है। केकेआर को अपने प्रमुख स्पिनर और पिछले सीजन के सबसे मूल्यवान खिलाड़ी सुनील नारायण की गैरमौजूदगी में एक असरदार गेंदबाज की जरूरत थी। कप्तान अजिंक्य रहाणे ने मोईन अली पर भरोसा जताया और उन्होंने अपने फ्रेंचाइजी डेब्यू मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए 2 विकेट लेकर 23 रन दिए। वरुण चक्रवर्ती (2/17) की किफायती गेंदबाजी के साथ, मोईन अली ने भी शानदार स्पिन आक्रमण किया और राजस्थान रॉयल्स को गुवाहाटी में 151/9 के स्कोर पर रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मोईन ने इस मुकाबले में खुद को 'दूसरे स्पिनर' की भूमिका में सहज बताया और कहा कि यह भूमिका उन्हें हमेशा पसंद रही है। मोईन अली ने कहा, मैं वरुण से पहले गेंदबाजी करने आया, इसलिए मेरी जिम्मेदारी थी कि मैं जितना हो सके कसी हुई गेंदबाजी करूं, ताकि वह दबाव बना सकें और विकेट निकाल सकें। मैं हमेशा ऐसे स्पिनर के साथ गेंदबाजी करता रहा हूं, जो मुझसे बेहतर होता है और जिसके पास मुझसे ज्यादा विविधताएं होती हैं। इसलिए मेरी भूमिका यही रहती है कि मैं रन रोकूं और दूसरे गेंदबाज के लिए विकेट लेने का मंच तैयार करूं। मोईन अली ने यशस्वी जायसवाल का विकेट चटकाया, लेकिन उन्होंने जिस तरह से नितीश राणा को क्लासिक ऑफ-स्पिन डिलीवरी पर बोल्ड किया, वह सबसे ज्यादा सुर्खियों में रहा। उन्होंने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, यह गेंद वास्तव में अच्छी थी। मैंने बस सही क्षेत्र में गेंदबाजी करने और उसे जितना संभव हो सके स्पिन कराने की कोशिश की। मेरी ताकत यह है कि मैं एक बल्लेबाज की तरह सोचता हूं, जिससे मुझे यह अंदाजा रहता है कि सामने वाला बल्लेबाज क्या सोच रहा होगा।

आईपीएल 2025: कोलकाता नाइट राइडर्स ने राजस्थान रॉयल्स को हराकर दर्ज की पहली जीत

एजेंसी

गुवाहाटी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के छठे मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राजस्थान रॉयल्स (आरआर) को आठ विकेट से हराया। यह मैच असम के बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया, जहां केकेआर ने इस सीजन की अपनी पहली जीत दर्ज की। पहले बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान रॉयल्स ने 20 ओवर में 151/9 का स्कोर खड़ा किया। ध्रुव जुरेल (33), यशस्वी जायसवाल (29) और कप्तान रियान पराग (25) ने उपयोगी पारियां खेलीं, लेकिन केकेआर के गेंदबाजों ने उन्हें बड़े स्कोर तक नहीं पहुंचने दिया। वैभव अरोड़ा, हर्षित राणा, मोईन अली और वरुण चक्रवर्ती ने शानदार गेंदबाजी करते हुए दो-दो विकेट लिए।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम ने 17.3 ओवर में केवल दो विकेट खोकर 153 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। इस जीत के हीरो रहे दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक, जिन्होंने नाबाद 97 रनों की लाजवाब पारी खेली। उन्होंने 61 गेंदों पर आठ चौके और छह छक्के लगाए। उनके अलावा अंगकृष रघुवंशी ने 22 रन बनाए। कप्तान अजिंक्य रहाणे ने 18 और मोईन अली ने पांच रन जोड़े। राजस्थान रॉयल्स के लिए यह लगातार दूसरी हार रही। टीम को अपने पहले मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के खिलाफ 44 रनों से हार का सामना करना पड़ा था। इस जीत के साथ केकेआर ने आईपीएल 2025 में अपना खाता खोल लिया, जबकि राजस्थान रॉयल्स को अब भी अपनी पहली जीत की तलाश है।

सचिवालय चैंपियंस ट्रॉफी 2025: डेंजर और लायंस ने सेमीफाइनल में बनाई जगह

एजेंसी

देहरादून। महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज में सचिवालय चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के अंतिम दो क्वार्टर फाइनल मुकाबले खेले गए। पहले मुकाबले में सचिवालय डेंजर ने रोमांचक जीत दर्ज की, जबकि दूसरे मैच में लायंस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

पहला क्वार्टर फाइनल:डेंजर बनाम बुल्स

पहले मुकाबले में सचिवालय डेंजर और सचिवालय बुल्स की टीमें आमने-सामने थीं। पहले बल्लेबाजी करते हुए डेंजर ने 108 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। अरविंद राणा ने 34 रन की अहम पारी खेली। बुल्स की ओर से अमीन सिंह ने 3 और मुकेश रावत ने 2 विकेट चटकाए।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी सचिवालय बुल्स की टीम 99 रन पर सिमट गई और 9 रन से मुकाबला हार गई। राजेश वर्मा ने 37 रन बनाए, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। डेंजर के लिए नीरज और फाजिल ने 2-2 विकेट लिए। बेहतरीन प्रदर्शन के लिए फाजिल को मैन ऑफ द मैच, जबकि संघर्षपूर्ण पारी के लिए राजेश वर्मा को फाइटर ऑफ द मैच चुना गया।

अनाहत सिंह, जोशना चिनप्पा और अभय सिंह ने जेएसडब्ल्यू इंडियन ओपन के सेमीफाइनल में किया प्रवेश

एजेंसी

मुंबई। बॉम्बे जिमखाना में हुए रोमांचक मुकाबलों में अनाहत सिंह, जोशना चिनप्पा और अभय सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जेएसडब्ल्यू इंडियन ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली। यह भारत का पहला पीएसए कॉपर टूर्नामेंट है और इसमें एक अनोखा मोड़ देखने को मिला जब मुकाबले बॉम्बे जिमखाना के लॉन पर बने आउटडोर ग्लास कोर्ट में खेले गए। सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले भी इसी कोर्ट पर खेले जाएंगे। भारत की नंबर 1 स्क्वैश खिलाड़ी और जेएसडब्ल्यू की समर्थित अनाहत सिंह को जब वह अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले के लिए कोर्ट में उतरीं तो दर्शकों की जोरदार चीयरिंग सुनाई दी। उनका मुकाबला मिस्र की नादिन एल्हम्मामी से था। अनाहत ने बेहतरीन शुरुआत की और पहले गेम में पूरी तरह हावी रहीं। लेकिन एल्हम्मामी ने जोरदार वापसी की और दूसरा गेम टाई-ब्रेक तक ले जाकर

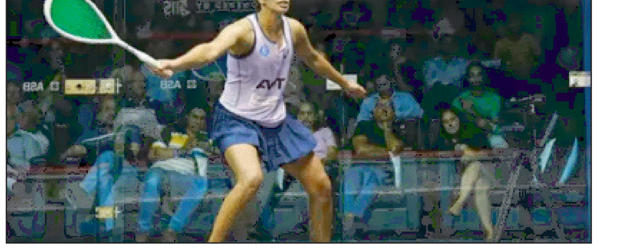

जीत लिया। इसके बाद उन्होंने तीसरा गेम भी जीतकर मुकाबले में 2-1 की बढ़त बना ली। हालांकि, घरेलू दर्शकों के समर्थन से अनाहत ने चौथा गेम जीतकर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। निर्णायक गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली, लेकिन 17 वर्षीय अनाहत ने दबाव में शानदार खेल दिखाया और रोमांचक मुकाबले में जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। जोशना चिनप्पा का मुकाबला शाम के सत्र में शीर्ष वरीयता प्राप्त अकांक्षा सालुंखे से हुआ। दोनों भारतीय खिलाड़ियों ने एक-दूसरे के खेल को अच्छे से समझते हुए जोरदार टक्कर दी। चिनप्पा ने पहले दो गेम बेहद करीबी अंतर से जीते, लेकिन सालुंखे ने शानदार वापसी करते हुए दो गेम जीतकर मुकाबले को निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया। 56 मिनट तक चले इस रोमांचक मुकाबले में अंततः चिनप्पा ने 3-2 (12-10, 13-11, 9-11, 9-11, 11-5) से जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में जगह बना ली। पुरुष वर्ग में भारत के अभय सिंह ने मलेशिया के अमीशेनराज चंद्रन के खिलाफ बेहतरीन खेल दिखाया। अपने शानदार फॉर्म को जारी रखते हुए अभय ने शुरू से ही मैच पर नियंत्रण बनाए रखा और अपने प्रतिद्वंदी को कोई मौका नहीं दिया। उन्होंने केवल 34 मिनट में 3-0 (11-5, 11-8, 11-7) से जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

आईसीसी टी20 रैंकिंग में जैकब डफी की बड़ी छलांग, टॉप-5 गेंदबाजों में पहुंचे

दुबई। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब डफी की आईसीसी मेंस टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजी रैंकिंग में जबरदस्त उछाल जारी है। पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू टी20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन करने के बाद डफी ने सात स्थानों की छलांग लगाकर टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में पांचवें स्थान (694 रेटिंग अंक) पर कब्जा कर लिया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने ताजा पुरुष टी20 रैंकिंग जारी की, जिसमें डफी ने अपनी स्थिति और मजबूत की। पिछले हफ्ते उन्होंने 23 स्थानों की बड़ी छलांग लगाई थी और अब लगातार अच्छे प्रदर्शन के चलते वह करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग तक पहुंच गए हैं। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ पहले दो मैचों में कुल छह विकेट चटकाए थे।

युवा ऑल स्टार्स चैम्पियनशिप: स्टीलर्स और पिंक कब्स की बड़ी जीत, युवा पलटन ने बनाए रखी उम्मीदें

एजेंसी

हरिद्वार। वंदना कटारिया इंडोर स्टेडियम में जारी युवा ऑल स्टार्स चैम्पियनशिप में रोमांचक मुकाबले खेले गए, जिसमें जूनियर स्टीलर्स, जयपुर पिंक कब्स, युवा पलटन और पलानी टस्कर्स ने शानदार जीत दर्ज की।

स्टीलर्स ने वाइपर्स को दी करारी शिकस्त

दिन के पहले मुकाबले में जूनियर स्टीलर्स ने वास्को वाइपर्स को 63-26 से हराया। पहले हाफ में स्टीलर्स ने दो ऑल-आउट और एक सुपर रेड के दम पर 32-12 की बढ़त बना ली। दूसरे हाफ में उन्होंने दो और ऑल-आउट कर मुकाबले को पूरी तरह से एकतरफा बना दिया। जया सूर्या 18 अंकों के साथ मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे। स्टीलर्स अब 33 अंकों के साथ पूल ए में चौथे स्थान पर हैं, जबकि वाइपर्स 14 अंकों के साथ अंतिम पायदान पर हैं।

जयपुर पिंक कब्स की शानदार जीत

दूसरे मुकाबले में जयपुर पिंक कब्स ने यूपी फाल्कन्स को 50-33

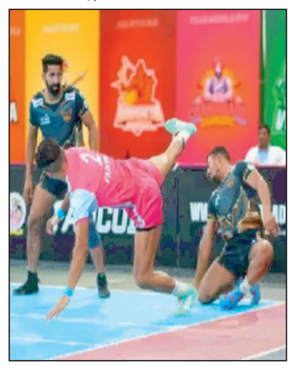

के बड़े अंतर से हराया। पहले हाफ तक कब्स ने 27-15 की बढ़त बना ली थी। मैच के दौरान परविंदर ने 16 अंक और के. धरनीधरन ने 13 अंक जुटाए। जयपुर पिंक कब्स अब 73 अंकों के साथ पूल ए में शीर्ष पर हैं, जबकि फाल्कन्स 33 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर हैं।

युवा पलटन की उम्मीदें बरकरार

तीसरे मुकाबले में युवा पलटन ने कुरुक्षेत्र वॉरियर्स को 50-33 से हराकर टूर्नामेंट में अपनी उम्मीदें कायम रखीं। अजय गुलिया और करमबीर ठाकुर ने 10-10 अंक अर्जित किए। युवा पलटन अब 31 अंकों के साथ पूल बी में पांचवें स्थान पर है।

पलानी टस्कर्स की करीबी जीत

दिन के अंतिम मुकाबले में पलानी टस्कर्स ने चंडीगढ़ चार्जर्स को 36-33 से हराया। मोहित सुरेंद्र 15 अंकों के साथ बेहतरीन खिलाड़ी रहे। चार्जर्स 42 अंकों के साथ पूल बी में चौथे और टस्कर्स 41 अंकों के साथ पूल ए में तीसरे स्थान पर हैं।

खेलो इंडिया पैरा गेम्सः पावरलिफ्टिंग में परदीप जून और शाइस्ता चमके, एकता भ्यान ने टेबल टेनिस में जीता स्वर्ण

एजेंसी

नई दिल्ली। खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2025 के सातवें दिन पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता का समापन हुआ, जहां कई पूर्व पदक विजेताओं ने शानदार प्रदर्शन किया। तीन दिनों की इस स्पर्धा में चार नए राष्ट्रीय रिकॉर्ड बने, जिसमें जसप्रीत कौर (45 किग्रा), मनीष कुमार (54 किग्रा), सीमा रानी (61 किग्रा) और झांडू कुमार (72 किग्रा) ने इतिहास रच दिया।अब तक के मुकाबलों में 170 स्वर्ण पदक विजेताओं का फैसला हो चुका है। पदक तालिका में हरियाणा 31 स्वर्ण के साथ शीर्ष पर है, जबकि तमिलनाडु (26) और उत्तर प्रदेश (22) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं।

पावरलिफ्टिंग में परदीप और शाइस्ता की स्वर्णिम जीत

हरियाणा के परदीप जून ने 107+ किग्रा वर्ग में 194 किग्रा भार उठाकर लगातार दूसरी बार खेलो इंडिया पैरा गेम्स में स्वर्ण पदक जीता। परदीप, जो पहले खेती में काम करते थे, एक दुर्घटना के कारण अपने पैर की नसों को नुकसान पहुंचा बैठे, जिससे अंततः उनका पैर काटना पड़ा। छह महीने तक अवसाद में रहने के बाद, उनके मित्र जयदीप ने उन्हें पावरलिफ्टिंग से परिचित कराया। उन्होंने राष्ट्रीय खेलों और खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2023 में भी स्वर्ण पदक जीता था। दिल्ली की शाइस्ता ने भी अपनी पिछली बार की रजत पदक जीत को इस बार स्वर्ण में बदला। 79 किग्रा वर्ग में उन्होंने 81 किग्रा भार उठाकर शानदार जीत दर्ज की। बचपन में एक गलत

इंजेक्शन से उनके घुटने को स्थायी क्षति पहुंची थी। शाइस्ता ने बताया, पहले मैं सिर्फ मांसपेशियां बनाना चाहती थी, लेकिन पावरलिफ्टिंग मेरा जुनून बन गई। अब मेरा लक्ष्य पैरालंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करना है।

टेबल टेनिस में एकता भ्यान का स्वर्णिम प्रदर्शन

इंदिरा गांधी स्टेडियम में पैरा टेबल टेनिस स्पर्धा के रोमांचक मुकाबलों के बीच हरियाणा की एकता भ्यान ने क्लास 1 और 2 वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। फाइनल में उन्होंने तमिलनाडु की दीपिका रंज रामनाथन को 3-2 से हराया।

एकता, जो 2020 टोक्यो पैरालंपिक्स में क्लब थ्रो में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं और एशियन पैरा गेम्स में कांस्य पदक विजेता रही हैं, ने क्लब थ्रो के पेरिस 2024 से बाहर होने के बाद टेबल टेनिस में कदम रखा।

अपनी जीत के बाद उन्होंने कहा, यह मेरा पहला खेलो इंडिया पैरा गेम्स था और मैं आयोजकों की सराहना करती हूं। उच्च स्तरीय प्रतिस्पर्धा से हमें अपनी मेहनत का सर्वश्रेष्ठ परिणाम मिलता है।हरियाणा के खिलाड़ियों के प्रभावशाली प्रदर्शन के साथ खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2025 शानदार तरीके से आगे बढ़ रहा है, जहां कई युवा खिलाड़ी भविष्य में अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का नाम रोशन करने की ओर अग्रसर हैं।

Stree 3 आई भी नहीं और खुल गया सबसे बड़ा राज, ये है श्रद्धा कपूर के किरदार का नाम

स्त्री 2 हिन्दी में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में अपना एक मुकाम हासिल कर लिया है. इस फिल्म के बाद से श्रद्धा कपूर के दीवानों की लिस्ट में खूब इजाफा हुआ. स्त्री में श्रद्धा के रोल को लेकर एक बड़ा सस्पेंस था. स्त्री 2 में ये सस्पेंस कुछ हद तक खत्म हुआ और पता चला कि श्रद्धा का किरदार असल में स्त्री की बेटी है जो खुद भी मर चुकी है, और वो अपनी मां के कातिलों से बदला लेने के लिए आई है. लेकिन फिल्म का एक सस्पेंस ऐसा भी है जो अबतक खत्म नहीं हो पाया है.

स्त्री में श्रद्धा के किरदार के नाम की एक अलग ही मिस्ट्री है. हर किसी को जानना है कि श्रद्धा कपूर के किरदार का नाम आखिर क्या है. ऐसा क्या है जो वो विकी के कान में कहती

है. लेकिन अब इस राज से भी पर्दा उठ गया है. श्रद्धा के किरदार का नाम लीक हो गया है.

ये है श्रद्धा के किरदार का नाम

स्त्री फ्रेंचाइज की दो फिल्में अब तक आ चुकी हैं, तीसरे की भी तैयारी है, लेकिन फिल्म में श्रद्धा के नाम को लेकर सस्पेंस बना हुआ है. इसी बीच एक तस्वीर सोशल मीडिया पर लीक हो गई है. दरअसल सोशल मीडिया पर जो स्क्रिप्ट वायरल हो रही है वो 'स्त्री 3' की बताई जा रही है. हालांकि अभी तक इस बात की कोई भी पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन स्क्रिप्ट के मुताबिक श्रद्धा कपूर का नाम गायत्री बताया जा रहा है. अगर आप विकिपीडिया पर चेक करेंगे तो उसपर भी श्रद्धा का नाम गायत्री ही है.

सोशल मीडिया पर वायरल हो रही थ्योरीज

अब लगातार सोशल मीडिया पर भी लोग इस पर जमकर रिएक्शन देते हुए नजर आ रहे हैं और काफी लोग इसको फेक भी बता रहे हैं. हालांकि काफी लोगों का कहना है की स्क्रिप्ट अगर सच भी हुई तो इसको मेकर्स बदल देंगे, क्योंकि नाम रिवील हो गया है. इसके अलावा श्रद्धा के नाम के लीक होने के बाद से कई फैन थ्योरीज भी सोशल मीडिया पर चल रही है. एक थ्योरी के मुताबिक, अगर श्रद्धा का नाम वाकई गायत्री है तो इसका मतलब है कि वो इस यूनिवर्स में बहुत ही अलग तरह का डीवाइन किरदार हो सकती है. खैरः श्रद्धा का फिल्म में असल में क्या किरदार है और उसका नाम क्या है ये तो आने वाला वक्त ही बताएगा.

युवाओं में है दीपिका पादुकोण शिल्पा शेट्टी की तरह दिखने की होड़, कॉस्मेटोलॉजिस्ट शगुन गुप्ता का खुलासा

एक समय था जब बड़ी-बड़ी एक्ट्रेस कोस्मेटोलॉजिस्ट के पास जाकर अपने चेहरे का ट्रीटमेंट कराती थीं. हालांकि तब सिर्फ लग्जरी मानी जाने वाली ये प्रक्रिया अब लोगों के लिए जरूरत बन गई है. हाल ही में हमने सेलिब्रिटी कॉस्मेटोलॉजिस्ट, पर्मनंट मेकअप आर्टिस्ट और स्किन केयर स्पेशलिस्ट शगुन गुप्ता के साथ एक्सक्लूसिव बातचीत की और इस बातचीत में उन्होंने बताया कि किस तरह से इन दिनों युवाओं में शिल्पा शेट्टी और दीपिका पादुकोण की तरह दिखने का ऑब्सेशन बढ़ता जा रहा है. कई बार उनके पास ऐसे लोग आते हैं, जो बॉलीवुड एक्ट्रेस की तरह बॉडी फीचर चाहते हैं.

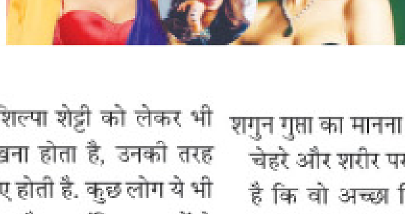

शगुन गुप्ता ने कहा, मेरे पास सबसे ज्यादा लोग ये डिमांड लेकर आते हैं कि उन्हें दीपिका पादुकोण की तरह होंठ और आइब्रो चाहिए. शिल्पा शेट्टी को लेकर भी लोगों का ऑब्सेशन है. उन्हें उनकी तरह दिखना होता है, उनकी तरह आइब्रो चाहिए होती है, उनकी तरह शक्ल चाहिए होती है. कुछ लोग ये भी कहते हैं कि उन्हें प्रियंका चोपड़ा की तरह दिखना है. हालांकि हम उन्हें ये समझाते हैं कि उनके चेहरे पर क्या शोभा देगा, दीपिका और शिल्पा के खूबसूरत फीचर उनके चेहरे पर शायद भद्दे लग सकते हैं और इसलिए हम उन्हें सही गाइड करते हैं कि उन्हें अपने चेहरे पर क्या कराना होगा, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ जाए.

लोगों को है ग्रूमिंग की जरूरत

शगुन गुप्ता ने बताया कि कॉस्मेटिक सर्जरी से करेक्शन करने से कई बार लोगों का आत्मविश्वास बढ़ जाता है. लेकिन सबको इस तरह की सर्जरी की जरूरत नहीं होती. कुछ लोगों को हम सिर्फ ग्रूम करते हैं. ताकि वो जब पब्लिक इवेंट पर जाए, तब खुद को लेकर उनमें कॉन्फिडेंस हो. इस ग्रूमिंग सेशन में हम उनकी पूरी पर्सनालिटी पर काम करते हैं, ताकि उनकी पर्सनालिटी में ओवरऑल फर्क नजर आए.

एक्टर्स से पॉलिटिशियन तक, सभी के साथ किया है काम

शगुन गुप्ता का मानना है कि अब सिर्फ महिलाएं नहीं, बल्कि पुरुष भी अपने चेहरे और शरीर पर ध्यान देने लगे हैं. क्योंकि आज-कल हर कोई चाहता है कि वो अच्छा दिखे, इसलिए अब कॉस्मेटोलॉजिस्ट से ट्रीटमेंट लेना लोगों की लाइफस्टाइल का हिस्सा बन गया है. शगुन गुप्ता ने एक्टर्स से पॉलिटिशियन और बिजनेसमैन तक, सभी के साथ काम किया है, लेकिन उन्होंने बताया कि डॉक्टर-पेशेंट कॉन्फिडेंशिअलिटी के चलते वो उनके नाम का खुलासा नहीं कर सकतीं.

1 लाख की भीड़... सोनू निगम के साथ लाइव कॉन्सर्ट में हुआ बड़ा 'हादसा', लोगों ने फेंके पत्थर

हिंदी सिनेमा के पॉपुलर सिंगर सोनू निगम की आवाज का जादू हर किसी पर चलता है. बच्चे हो या बूढ़े या फिर आज की जनरेशन हो सोनू निगम अपनी सुरीली और मखमली आवाज से हर किसी को अपना मुरीद बना लेते हैं. सोनू जहां भी जाते हैं वहां उनकी एक झलक के लिए फैंस की भारी भीड़ उमड़ती है.सोनू निगम के लाइव कॉन्सर्ट के दौरान भी ऐसा ही नजारा देखने को मिलता है. हालांकि हाल ही में सोनू के एक लाइव शो के दौरान दुखद घटना घट गई. सोनू निगम के शो में कुछ फैंस ने बोतलें फेंकी तो किसी ने पत्थर भी फेंके. ये सब देखकर सोनू उनसे शांत होने की अपील करते रहे. हालांकि इस दौरान किसी को कोई चोट नहीं आई. लेकिन सोनू ने इस घटना के चलते बीच में ही परफॉर्मेंस रोक दी थी.

लाइव कॉन्सर्ट में सोनू पर फेंके गए पत्थर

सोनू निगम ने हाल ही में दिल्ली टेक्निकल यूनिवर्सिटी (डीटीयू) के 'इंजीफेस्ट 2025' में हिस्सा लिया था. बताया जा रहा है कि सोनू निगम को सुनने के लिए एक लाख छात्रों की भीड़ मौजूद थी. सिंगर की परफॉर्मेंस के दौरान कुछ स्टूडेंट्स ने स्टेज पर पत्थर और बोतले फेंकी. सोनू ने ऐसे में शो को रोक दिया.

सोनू ने फैंस से की ये अपील

हिन्दुस्तान टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक सोनू निगम ने इसके बाद फैंस से अपील करते हुए इस तरह की चीजें न करने के लिए कहा. सोनू ने कहा, मैं आपके लिए आया हूं यहां पे, ताकि हम सब अच्छा समय बिता सकें. मैं आपसे ये नहीं कह रहा हूं कि आप एन्जॉय न करें, लेकिन प्लीज ऐसा न करें.

सोनू के लाइव कॉन्सर्ट में क्यों बिगड़े हालात

सोनू ने रविवार की रात को ये कॉन्सर्ट किया था. इसमें फैंस की भारी भीड़ मौजूद थी. शुरुआत में एक फैन ने सोनू की तरफ पिंक हेडबैंड फेंका तो सिंगर ने उसे पहन लिया. इस दौरान वो अपना सुपरहिट सॉन्ग 'तुमसे मिलके दिल का जो हाल' गा रहे थे. लेकिन इसके बाद हालात बिगड़ने लगे और स्टेज पर स्टूडेंट्स ने पत्थर, बोतले भी फेंकी. स्टूडेंट्स ने ऐसा क्यों किया इसे लेकर तो कोई जानकारी नहीं है लेकिन माना जा रहा है कि छात्रों ने इसकी शुरुआत मस्ती और उत्साह में की थी लेकिन देखते देखते हालात बिगड़ गए और मामले ने भयावह रूप ले लिया. लेकिन गनीमत रही कि इसमें कोई चोटिल नहीं हुआ.

हादसे में बाल बाल बचीं सोनू सूद की वाइफ सोनाली, कितने दिन रहेंगी अस्पताल में एडमिट?

एक्टर सोनू सूद की पत्नी सोनाली सूद की कार का बीती रात एक्सीडेंट हो गया. ये हादसा तब हुआ जब वे सफर पर थीं और उनकी गाड़ी नागपुर हाईवे पर आगे बढ़ रही थी. इस दौरान कार में उनके साथ उनकी बहन और भांजा भी था. भांजा कार चला रहा था और उसी वक्त अचानक से ये हादसा हुआ. हादसे के वक्त की कुछ तस्वीरें भी आई हैं जिसमें कार के चिथड़े नजर आ रहे हैं. तस्वीर देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि ये हादसा कितना भयंकर था. मगर सोनू सूद की फैमिली बाल-बाल बच गई. इसके बाद से ही फैंस अपने फेवरेट हीरो की फैमिली के लिए दुआएं कर रहे हैं. अब सोनाली सूद को लेकर हेल्थ अपडेट आ गई है.ANI की रिपोर्ट्स की मानें तो सोनू सूद की पत्नी सोनाली सूद उनकी बहन और भतीजे को बीती रात लगभग 10:30 बजे नागपुर के मैक्स अस्पताल में एडमिट किया गया. दोनों को एमर्जेंसी में लाया गया. जब तीनों मरीज को अस्पताल लाया गया तो वे होश में थे. उन्हें कई खरोंचें लगी थीं और आंतरिक चोट के लिए उनकी गहन जांच भी की गई है. रिपोर्ट में आंतरिक चोटें नहीं आई हैं जो सोनू सूद की फैमिली के लिए राहत की बात है. उनके भतीजे को प्राथमिक उपचार के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया है. सोनू सूद की पत्नी सोनाली सूद और उनकी बहन मौजूदा समय में डॉक्टर्स की निगरानी में हैं और उनकी हालत में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है. दोनों की हालत स्थिर बनी हुई है.

सोनू सूद ने टीवी 9 से बातचीत के दौरान बताया कि उनकी पत्नी की गाड़ी का एक्सिडेंट हुआ था, मगर शुक्र की बात ये है कि सोनाली चमत्कारिक ढंग से बच गईं हैं. सोनाली और उनकी बहन को अभी 2-3 दिन तक अस्पताल में रखा जा सकता है. एक्टर के लिए खुशी की बात ये है कि दोनों बड़े हादसे का शिकार होने से बच गईं और किसी को भी गंभीर चोट नहीं आई है. सोनू सूद की वाइफ लाइमलाइट से दूर रहना पसंद करती हैं और वे फिल्म इंडस्ट्री से भी दूरी बनाकर रखती हैं. सोनू ने 25 सितंबर 1996 को सोनाली से लव मैरिज की थी. इस शादी से उन्हें दो बेटे है जिनके नाम अयान और एहसान सूद है. बॉलीवुड एक्टर अपनी फैमिली के साथ मुंबई में ही रहते हैं.